राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | विशेष भूमि सर्वेक्षण में धीमी प्रगति पर सख्ती, 15...

भाजपा दरभंगा पूर्वी के जिला कार्यालय... | 04

वर्ष : 14 | अंक : 178 | पटना, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

दूसरे चरण के बाढ़ प्रभावित परिवारों को 12 अक्टूबर को दी जाएगी सहायता राशि

- सीएम सम्राट ने बाढ़ की स्थिति एवं क्षति का लिया जायजा, विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प सभागार में बाढ़ 2026 की स्थिति एवं इससे हुई क्षति को लेकर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद नितिन नवीन मौजूद थे।

समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चन्द्रशेखर सिंह ने बिहार में दो चरणों में आई बाढ़ के कारणों तथा उत्पन्न स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि प्रथम चरण में गंगा, सोन, घाघरा, कोसी एवं पुनपुन नदियों में पूर्व के उच्चतम जल स्तर की तुलना में नया उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। वहीं, दूसरे चरण में अतिवृष्टि के कारण गंडक नदी में चार स्थलों पर उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। पश्चिम चंपारण, गोपालगंज एवं सारण जिले में 6 स्थलों पर तटबंध क्षतिग्रस्त हुए थे। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बाढ़ के दौरान किये गये राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी दी। ये रहें मौजूदः बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष सह सांसद नितिन नवीन, उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

नदी तल में गाद जमा होना बाढ़ की एक प्रमुख वजह

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष गंगा, गंडक एवं सोन नदियों में पूर्व के वर्षों की तुलना में अत्यधिक मात्रा में पानी आने के कारण बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि नदियों में बाढ़ आने की एक प्रमुख वजह नदी तल में गाद (सिल्ट) का जमा होना भी है। बिहार देश का पहला राज्य है, जिसने गाद नीति बनाई है। मुख्यमंत्री ने नदियों की वर्तमान स्थिति एवं बाढ़ से हुई क्षति की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया।

राहत एवं पुनर्वास कार्यों को तेजी से करें पूरा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुई क्षति की प्रथम दृष्टया विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए ताकि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास तथा आवश्यक विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि द्वितीय चरण में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच 12 अक्टूबर 2026 को अनुग्रहिक राहत राशि वितरित की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग सभी संबंधित विभागों से बाढ़ से हुई क्षति का आंकलन एवं उसके पुनर्स्थापन में होने वाले व्यय का आंकलन कराकर अतिशीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराये। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से जलनिकासी के पश्चात संभावित परेशानियों को ध्यान में रखते हुये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

मोदी के सरकार प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर कैबिनेट ने किया अभिनंदन, प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में सरकार प्रमुख के तौर पर 25 वर्ष पूरे करने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उनके अभिनंदन में प्रस्ताव पारित किया है। मोदी 07 अक्टूबर 2001 से 07 अक्टूबर 2026 तक लगातार 25 वर्ष सरकार के प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं पूरी कर रहे हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और उसकी जीवंतता का प्रमाण है। मंत्री ने कहा कि एक सामान्य परिवार से आया व्यक्ति देश की सेवा के लिए समर्पित हो और जनता उसे लगातार समर्थन दे, यह भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का बड़ा उदाहरण है। मोदी को जनता का समर्थन उनकी कार्यपद्धति, नीतियों और नीयत के कारण मिला है। वैष्णव ने कहा कि गुजरात में तीन बार मिले प्रचंड जनादेश और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिला ऐतिहासिक समर्थन इसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मोदी ने 25 वर्षों के दौरान गुजरात से लेकर केंद्र तक विकास की सोच को विस्तार दिया है। उन्होंने मंत्रिमंडल के प्रस्ताव की प्रमुख बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें संवेदनशीलता और सशक्तीकरण, सुधारों को आगे बढ़ाने, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण, प्रौद्योगिकी को नागरिकों की सुविधा का माध्यम बनाने तथा निर्णायक नीतियां लेने जैसे पहलुओं को रेखांकित किया गया है। वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास को भी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल किया। प्रस्ताव में देश के आत्मविश्वास को बढ़ाने, आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को मजबूत करने तथा विश्व में भारत की आवाज को मजबूत बनाने की दिशा में किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत को अब विश्वसनीय देश के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने रोहतास जिले के जमुहार में आयोजित 'युवा संवाद कार्यक्रम' का किया शुभारंभ

2029 से पहले बिहार में 10 एयरपोर्ट संचालित करने का लक्ष्य : सम्राट

सीएम ने सासाराम में 122 करोड़ की बाईपास सड़क का किया लोकार्पण

- रोहतास जल संजीवनी' का किया शुभारंभ, जलस्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन पर जोर

प्रात : किरण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को रोहतास जिले के जमुहार में ह्यवडनगर-वाराणसी सेवा यात्राह्न के तहत आयोजित ह्ययुवा संवाद कार्यक्रमह्न का शुभारंभ किया और सासाराम में 122.39 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित दो लेन बाईपास सड़क का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जमुहार स्थित नारायण मेडिकल एवं कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वडनगर-वाराणसी सेवा यात्रा में शामिल यात्रियों का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने सेवा यात्रियों के सेवा भाव और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि वे लगभग 20 दिनों तक अपने परिवार से दूर रहकर वडनगर से वाराणसी तक की यात्रा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से इस संकल्प से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले और उसके बाद के भारत में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। देश की अर्थव्यवस्था, आधारभूत संरचना और जनसुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक बदलाव हुए हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संकल्प और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का भी उल्लेख किया।

रोजगार और निवेश के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि वर्ष 2030 तक बिहार के लोगों को मजबूरी में मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़े। इसके लिए रोजगार और निवेश के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सासाराम में बेदा से मोकर तक सिंचाई नहर के बांध पर आरओबी/पुल सहित निर्मित दो लेन सासाराम बाईपास पथ का लोकार्पण किया। 122.39 करोड़ रुपए की लागत से बने इस मार्ग से शहर में यातायात व्यवस्था सुगम होने और आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बाईपास के समीप कायाकल्प अभियान के तहत जीर्णोद्धार किए गए पोखर का निरीक्षण किया और ह्यरोहतास जल संजीवनीह्न अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने अधिकारियों को जिले के तालाबों, पोखरों और जलाशयों की नियमित साफ-सफाई, रखरखाव तथा अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में उद्योग एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, मध्य प्रदेश के सांसद विष्णु दत्त शर्मा, और पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

जल प्रबंधन के क्षेत्र में लगातार काम हो रहाः उन्होंने कहा कि बिहार को समृद्ध बनाए बिना विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। राज्य में सड़क, परिवहन, सिंचाई और जल प्रबंधन के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। बिहार में सिंचित क्षेत्र लगभग 21 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 44 लाख हेक्टेयर हो गया है। उत्तर बिहार में बाढ़ और दक्षिण बिहार में सुखाड़ की समस्या को देखते हुए जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दरभंगा और पूर्णिया में हवाई सेवा शुरू हुई है और 2029 से पहले बिहार में 10 एयरपोर्ट संचालित करने का लक्ष्य है। पटना से सासाराम फोरलेन सड़क निर्माण की दिशा में भी कार्य शुरू होने वाला है।

अगले मार्च तक सासाराम और औरंगाबाद शहरों को सोन नदी का पानी उपलब्ध कराया जायेगा : सीएम

- रोहतास में नया टाउनशिप बनेगा
- मुख्यमंत्री ने रोहतास जिला में 400 करोड़ रुपए से अधिक की विकासात्मक योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

प्रात : किरण

पटना मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड के करूप पंचायत स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में नवनिर्मित खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित छात्र-छात्राओं से बातचीत की और छात्रों द्वारा बनाए गए नए-नए विज्ञान के मॉडलों को देखा। छात्रों ने अपने द्वारा बनाए गए विज्ञान के मॉडलों के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से बताया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने क्लासरूम में जाकर पढ़ाई की गुणवत्ता के बारे में छात्र-छात्राओं से बातचीत की और वहां उपस्थित शिक्षकों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने 400 करोड़ रुपए की विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

पर्यटकों की संख्या को लगभग 50 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री ने तीन दिनों तक चलने वाले सेवा सेतु अभियान और सहयोग शिविर का उद्घाटन करने के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र के पर्यटन स्थलों को विकसित कर अगले पांच वर्षों में यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या को लगभग 50 हजार से बढ़ाकर 5 लाख करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि अगले मार्च से पहले सासाराम और औरंगाबाद शहरों में सोन नदी का पानी पहुंचाने की दिशा में कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सोन नदी के पानी के बंटवारे से संबंधित समझौते के बाद बिहार को सोन नदी के पानी का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।

6 से 8 अक्टूबर तक चलाया जा रहा 'सेवा सेतु अभियान': मुख्यमंत्री ने रोहतास की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां जो नयी टाउनशिप बनेगी उसका नाम रोहतास रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सहयोग शिविर महीने में दो बार आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 'सेवा सेतु अभियान' तीन दिनों तक, 6 से 8 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर में प्राप्त किसी आवेदन पर निर्णय देने में संबंधित पदाधिकारी अथवा कर्मचारी यदि 30 दिन की समय-सीमा पार करता है तो उसे सीधे निलंबित किया जाएगा। उन्होंने जीविका दीदियों और पदाधिकारियों से गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने का आह्वान करते हुए कहा कि न्याय के साथ विकास होगा। सबके साथ, सबके विकास की भावना से काम किया जाएगा।

आपराधिक घटना के मामले में 24 घंटे के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क, सिंचाई और जल निकासी सहित आधारभूत संरचना के विकास पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में करीब 400 करोड़ रूपए से अधिक की विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं जल निकासी से संबंधित कार्य जनता को समर्पित किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बनारस-रांची मार्ग के निर्माण में पहाड़ के अंदर से कटिंग कर मार्ग विकसित करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि कानून तोड़ने और कानून-व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी आपराधिक घटना के मामले में 24 घंटे के भीतर पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 'सेवा सेतु अभियान' इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जिसके माध्यम से सरकार को आम जनता से सीधे जोड़कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

रोहतास की ऐतिहासिक धरती ने देश के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शेरशाह सूरी और सम्राट अशोक से जुड़ी इस भूमि की अपनी विशिष्ट पहचान है। सरकार रोहतास के विकास और पर्यटन की संभावनाओं को नई ऊंचाई देने के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न और पौधा भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया।

एमएलसी चुनाव की तैयारियों के बीच पटना पहुंचे नितिन

प्रात : किरण

पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विधान परिषद की आठ सीटों पर चुनाव की घोषणा के बाद नितिन नवीन का यह पहला पटना दौरा है। ऐसे में उनका बिहार प्रवास संगठन और चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नितिन नवीन के पटना प्रवास के दौरान संगठन से जुड़े मुद्दों के साथ आगामी विधान परिषद चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है। खास तौर पर आठ सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर भाजपा और एनडीए की तैयारियों को लेकर मंथन किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक, नितिन नवीन एनडीए के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में सभी आठ सीटों पर उम्मीदवारों की तैयारियों, चुनावी रणनीति और सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर चर्चा होने की संभावना है।

2,000वें एयरो-इंजन की डिलीवरी, अगला लक्ष्य 10 हजार इंजनः राजनाथ

प्रात : किरण

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने मंगलवार को भारत की एयरो-इंजन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में एचएएल कोरापुट द्वारा निर्मित 2,000वें एयरो-इंजन की डिलीवरी की गई। इसी अवसर पर हेलीकॉप्टर में लगने वाले शक्ति इंजन की दूसरी निर्माण लाइन का भी उद्घाटन किया गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एचएएल के लिए एक संख्या या मील का पत्थर नहीं है, बल्कि भारत की एयरोस्पेस यात्रा और सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता में 2,000 महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन इंजनों के पीछे कई पीढ़ियों के इंजीनियरों, तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों, वैज्ञानिकों और कुशल कामगारों की प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा है। वर्ष 1964 में स्थापना के बाद से एचएएल कोरापुट भारत की एयरो-इंजन क्षमता के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां निर्मित और रखरखाव किए गए इंजनों ने मिग-21, मिग-27, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों को शक्ति दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2,000वें इंजन की उपलब्धि इसी लंबी यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने एचएएल कोरापुट के इंजीनियरों, तकनीशियनों और पूरी टीम को उनके समर्पण और तकनीकी दक्षता के लिए बधाई दी।

निर्माण | प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बिहार में अब तक 42 लाख 83 हजार 611 आवासों का निर्माण पूरा

सबका सपना, घर हो अपना: पीएम आवास योजना में 87.25 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

- 42.83 लाख परिवारों को मिला पक्का घर, 49.09 लाख को मिली स्वीकृति

प्रात : किरण

पटना। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बिहार में अब तक 42 लाख 83 हजार 611 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। वित्तीय वर्ष 2016-17 से अब तक राज्य को 49 लाख 16 हजार 729 आवासों का लक्ष्य मिला है, जिसके विरुद्ध 49 लाख 9 हजार 816 आवासों की स्वीकृति दी जा चुकी है। स्वीकृत आवासों में 87.25 प्रतिशत का निर्माण पूरा हो गया है। वहीं, 6 लाख 26 हजार 205 आवास अभी लंबित हैं। इन आवासों को शीघ्र पूरा कराने के लिए ग्रामीण विकास विभाग की ओर से जिलों और प्रखंडों की लगातार निगरानी की जा रही है। योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक करीब तीन हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लंबित आवासों के निर्माण में तेजी लाने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तर के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित समीक्षा की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 से लाभुकों को आवास की सहायता राशि एसएनए मॉड्यूल के माध्यम से आरबीआई द्वारा सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है।

31 अक्टूबर तक प्रतीक्षा सूची की प्रक्रिया होगी पूरीः प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की प्रतीक्षा सूची में शामिल किए जाने से छूटे सर्वेक्षित परिवारों को सूची में जोड़ने के लिए 27 सितंबर को ग्रामसभाओं का आयोजन किया गया था। राज्य की 8,012 ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा के माध्यम से सूची का अनुमोदन किया जा चुका है, जबकि 37 ग्राम पंचायतों में अनुमोदन की प्रक्रिया चल रही है।

ग्रामसभा से पारित सूची को जिला अपीलीय समिति की ओर से अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया को 31 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 में केंद्र से प्राप्त नए लक्ष्य का जिलावार, प्रखंडवार और पंचायतवार आवंटन किया जाएगा।

भूमिहीन लाभुकों को वास भूमि के लिए एक लाख तक सहायताः भूमिहीन लाभुकों को आवास निर्माण के लिए वास भूमि उपलब्ध कराने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के साथ समन्वय किया जा रहा है। जहां सरकारी स्तर से वास भूमि उपलब्ध नहीं कराई जाती है, वहां मुख्यमंत्री वास स्थल क्रय सहायता योजना के तहत स्थानीय दर और एमवीआर के आधार पर जमीन खरीदने के लिए अधिकतम एक लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। इसके अलावा आवास निर्माण से जुड़े लाभुकों को 90 दिनों की मजदूरी के रूप में 27 हजार रुपये वीबी-जी राम जी के तहत दिए जा रहे हैं। शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का भी प्रावधान है।

> प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र परिवारों को समय पर पक्का आवास उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। अब तक 42.83 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। लंबित आवासों को शीघ्र पूरा कराने के लिए जिलों और प्रखंडों की लगातार समीक्षा की जा रही है। प्रतीक्षा सूची की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए लक्ष्य का पंचायत स्तर तक आवंटन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

\- श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग)

इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने दिया धरना, कई सांसद हिरासत में

- कोई नहीं बचेगा, सब पर कार्रवाई होगी : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसदों ने आकाशवाणी भवन परिसर में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दफ़्तर से कुछ मीटर की दूरी पर धरना दिया। राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, पवन खेड़ा और इमरान प्रतापगढ़ी आकाशवाणी भवन परिसर में एक पेड़ के नीचे बैठे दिखे। विपक्षी दलों की मांग है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाया जाए और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को रद्द किया जाए। निर्वाचन सदन की तरफ बढ़ रहे

सांसदों को जब पुलिस ने रोका तो वे संसद मार्ग पर ही धरने पर बैठ गए। इसके कुछ ही देर बाद राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अभिषेक बनर्जी पुलिस के बैरिकेड पर चढ़ गए, जबकि प्रियंका गांधी को हिरासत में लेने के लिए एक बस में ले जाया गया। वहीं, मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा, 300 सांसदों को यहां रोका गया और उसके बाद, उन्होंने हमें यहां बिठा दिया है। चुनाव आयोग यहां से 50 गज की दूरी पर है। वे हमें वहां जाने नहीं दे रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या समस्या है। चुनाव आयोग का काम ठीक से चुनाव कराना है। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं और ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। इसलिए, मुझे नहीं पता कि देश में क्या हो रहा है। अगर प्रतिनिधि चुनाव आयोग से नहीं मिल सकते, तो लोकतंत्र का क्या मतलब है? राहुल गांधी ने कहा, हमारे देश के साथ जो किया गया है उसे देशद्रोह कहा जाता है और कोई भी बचने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार ने देश से लोकतंत्र खत्म कर दिया है। इन लोगों ने वोट चोरी कर देश को हाईजैक कर लिया है। इनसे कोई नहीं बचेगा, सब पर कार्रवाई होगी। हाथों में तिरंगा और लोकतंत्र बचाओ लिखे बैनर लिए इंडिया गठबंधन के सांसदों ने चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर मार्च करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त, भाजपा और आरएसएस के खिलाफ नारे लगाए।

जिज्ञासा से प्रश्न, प्रश्न से अनुसंधान और अनुसंधान से समाधान : शिक्षा मंत्री

■ विज्ञान से नवाचार, नवाचार से विकसित बिहार

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को राज्य विज्ञान संगोष्ठी2026 में सहभागिता की। संगोष्ठी का मुख्य विषय भारतीय ऊर्जा परिदृश्य 2047: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ रहा। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि सोचने, प्रश्न करने और समाधान खोजने की वैज्ञानिक पद्धति है। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक एवं आलोचनात्मक चिंतन विकसित करना तथा उन्हें अनुसंधान और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाना आवश्यक है। इस अवसर पर विज्ञान, तकनीक एवं ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों, भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न प्रमंडलों से चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तर्कशक्ति एवं प्रस्तुतीकरण क्षमता का प्रदर्शन किया। कक्षा 8 से 10 तक के विद्यार्थियों की सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, प्रश्न पूछने, प्रयोग करने तथा समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का वर्ष है। ऊर्जा देश की आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति की आधारशिला है।

आने वाले वर्षों में बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास जैसी चुनौतियाँ सामने होंगी, जिनका समाधान युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की सोच, अनुसंधान और नवाचार से संभव है। उन्होंने भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल, सस्ती, सुलभ एवं टिकाऊ बनाने पर जोर देते हुए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा सहित अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। साथ ही विद्यार्थियों में ऊर्जा बचाएँ, भविष्य बचाएँ की भावना विकसित करने का आह्वान किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार में शिक्षा को केवल परीक्षा और प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर ज्ञान, कौशल, प्रयोग, नवाचार एवं अनुसंधान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालयों में प्रयोगशाला, प्रायोगिक शिक्षा और विज्ञान आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों को अपनी जिज्ञासाओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

आज के विद्यार्थी ही वर्ष 2047 के भारत के वैज्ञानिक, शोधकर्ता एवं नवाचारकर्ता बनेंगे। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। शिक्षा मंत्री ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए विज्ञान एवं अनुसंधान की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि विज्ञान को केवल पढ़ें नहीं, विज्ञान को जीवन में उतारें। जिज्ञासा से प्रश्न, प्रश्न से अनुसंधान और अनुसंधान से समाधान की इस यात्रा को आगे बढ़ाते हुए युवा शक्ति वर्ष 2047 के भारत को ऊर्जा-संपन्न, आत्मनिर्भर, पर्यावरण-संतुलित एवं विकसित भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक क्षेत्रीय भाषा की होगी पढ़ाई : मंत्री

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को मैथिली, भोजपुरी, बज्जिका, मगही और अंगिका में से एक अतिरिक्त भाषा पढ़ाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। तिवारी मंगलवार को विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विद्यालयों की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण, कौशलयुक्त और रोजगारपरक शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसी शिक्षा मिले, जिससे वे आगे चलकर रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकें।

मध्यमा के बाद प्लस टू की पढ़ाई की होगी व्यवस्था: बैठक में मध्यमा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के माध्यम से प्लस टू की पढ़ाई कराने की व्यवस्था पर विमर्श किया गया। इसके लिए संबंधित एक्ट में आवश्यक बदलाव किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष करीब 24 हजार विद्यार्थियों ने मध्यमा की परीक्षा पास की। शिक्षा मंत्री ने संस्कृत विद्यालयों और मदरसों की जांच रिपोर्ट अधिकतम एक माह में पूरी करने का भी निर्देश दिया। बक्सर के सिमरी में बनेगा गुरुकुलम विद्यापीठ: बैठक में बक्सर के सिमरी में प्रस्तावित गुरुकुलम विद्यापीठ पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कर्नाटक स्थित सत्य साईं आश्रम का दौरा कर लौटी टीम ने वहां की व्यवस्थाओं और खूबियों का प्रस्तुतीकरण किया। इसके आधार पर बक्सर में प्रस्तावित गुरुकुलम की डिजाइन भी प्रस्तुत की गई। शिक्षा मंत्री ने बताया कि गुरुकुलम के लिए पांच एकड़ जमीन उपलब्ध हो चुकी है। जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त जमीन की भी मांग की जाएगी।

बीबी-जी राम जी से विद्यालयों का होगा विकास: बैठक में विद्यालयों की आधारभूत संरचना और विकास से जुड़े कार्य विकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के माध्यम से कराने पर चर्चा हुई।

राज्य के सभी जर्जर स्कूल भवनों की अभियंता करेंगे जांच : बैठक में तय हुआ कि राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों के जर्जर भवनों की तकनीकी जांच कराई जाएगी। इसके लिए अभियंताओं की टीम विद्यालयों का निरीक्षण करेगी। हर विद्यालय के प्रधानाध्यापक को जर्जर भवनों की तस्वीर ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इसके आधार पर पूरे राज्य के जर्जर विद्यालय भवनों की सूची तैयार की जाएगी।

टीबी मुक्त भारत अभियान को मिलेगा नया विस्तार, 8 अक्टूबर को होगा 'जोश' टीमों का भव्य राज्य व जिला स्तरीय शुभारंभ

पटना: बिहार सहित पूरे देश में तपेदिक उन्मूलन के संकल्प को और अधिक गति देने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष पहल शुरू की गई है। युवाओं की ऊर्जा और जमीनी स्तर पर जन-भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए गठित जोश (ज्वाइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) टीमों का पहला चरण आगामी 8 अक्टूबर 2026 से धरातल पर उतरेगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लॉन्च के साथ-साथ देश भर के जिलों में भी जिला-स्तरीय कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जाएगा।

बिहार के 21 जिलों की 546 पंचायतों का हुआ चयन: केंद्रीय रिपोर्ट के अनुसार, देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 697 जिलों की कुल 67,933 पंचायतों को ह्यटीबी मुक्त पंचायतझ घोषित किया गया है। इस गौरवशाली सूची में बिहार के 21 जिलों की 546 पंचायतें भी शामिल हैं, जिन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, राज्य के समस्तीपुर, कटिहार, सीतामढ़ी, सीवान, पश्चिम चंपारण और गोपालगंज समेत प्रमुख जिलों को ह्यजोशझ टीम के पहले चरण के पायलट लॉन्च के लिए चुना गया है।

क्या होगी जोश टीम की कार्यप्रणाली? ब्लॉक और वार्ड स्तर पर तैयार की जाने वाली प्रत्येक जोश टीम में ह्यमाय भारत के 5 स्वयंसेवक और 5 एनसीसी कैडेट शामिल होंगे, जिनका नेतृत्व एक नामित क्लास-क नोडल अधिकारी करेंगे। यह विशेष युवा दस्ता घर-घर जाकर टीबी के लक्षणों के प्रति जागरूकता फैलाएगा, संभावित मरीजों की पहचान करेगा और विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से रियल-टाइम रिपोर्टिंग सुनिश्चित करेगा।

प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज: राज्य और जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि 8 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रमों के दौरान राष्ट्रीय लॉन्च के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की जाए। साथ ही, टीबी मुक्त घोषित पंचायतों के प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और टीबी विजेताओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए उन्हें सम्मानित किया जाए ताकि इस जन-आंदोलन को और अधिक मजबूती मिल सके।

पीएमसीएच के पूर्व चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉ. बी.के.चौधरी ने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान अब केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह जन-भागीदारी का एक बड़ा आंदोलन बन चुका है। अब जिलों में जोश टीमों का गठन किया जा रहा है, जिसमें भारत के युवा स्वयंसेवकों और एनसीसी कैडेटों को शामिल किया गया है। यह युवा ब्रिगेड जमीनी स्तर पर जाकर गांवों और वार्डों में टीबी के प्रति जागरूकता फैलाएगी और संदिग्ध मरीजों को समय पर इलाज से जोड़ने में मदद करेगी।

गुरु गोबिंद सिंह की पुण्यतिथि पर बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने किया नमन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने सिख धर्म के दसवें गुरु, खालसा पंथ के संस्थापक और महान वीर-शिरोमणि गुरु गोबिंद सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन धर्म, राष्ट्र और मानवता की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का अद्वितीय और अतुलनीय उदाहरण है। उन्होंने मुगलों के क्रूर शासन के विरुद्ध लोहा लिया और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने हेतु खालसा पंथ की स्थापना कर एक नैतिक, साहसी और संगठित समाज की आधारशिला रखी। उन्होने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी एक महान संत, अद्वितीय योद्धा होने के साथ-साथ उच्च कोटि के विद्वान और ओजस्वी कवि भी थे। उनकी अमर रचनाएँ चंडी दी वार और दशम ग्रंथ आज भी देशवासियों में शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करती हैं। उनके बताये हुए सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

संक्षिप्त खबरें

धोबा पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट को उखाड़ने का कार्य शुरू

दनियावां। एनएच-30ए पर स्थित धोबा नदी पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट को उखाड़ने का कार्य मंगलवार से शुरू कर दिया गया। इस दौरान दर्जनों श्रमिकों एवं तकनीशियनों के साथ विभाग के सहायक अभियंता चंदन कुमार और संवेदक भी मौके पर मौजूद रहे। सहायक अभियंता ने बताया कि पुल की चौड़ाई के आधे हिस्से के एक्सपेंशन ज्वाइंट को पहले उखाड़कर उसकी मरम्मत की जाएगी, ताकि पुल के शेष आधे हिस्से से दोपहिया वाहनों का आवागमन बाधित न हो। आधे हिस्से की मरम्मत पूरी होने के बाद पुल के शेष आधे हिस्से के एक्सपेंशन ज्वाइंट की मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

फतुहा में बन रहे पार्क का कार्यपालक पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

फतुहा। शहर के कॉपरेटिव कॉलोनी वार्ड संख्या-27 में निर्माणाधीन पार्क का मंगलवार को नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी जगन्नाथ प्रसाद यादव ने भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी एवं वार्ड पार्षद संतोष चंद्रवंशी के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि अक्टूबर माह तक पार्क का सभी कार्य पूरा कर लिया जाएगा। पार्क में ओपन जिम के साथ-साथ बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले भी लगाए जाएंगे। फतुहा वासियों की लंबे समय से पार्क निर्माण की मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है। वहीं, वार्ड संख्या-16 के मिजार्पुर नोहटा में भी एक अन्य पार्क का निर्माण कराया जा रहा है, जो जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा।

नशे के खिलाफ एसआर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

बिक्रम। प्रखंड के गोपालपुर स्थित एस आर पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक जागरूकता रैली निकाली। इसका मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देना था। रैली में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया। यह रैली स्कूल परिसर से शुरू होकर कस्बे के मुख्य सोन नहर मार्ग से गुजरी। छात्र हाथों में नशा मुक्ति से जुड़ी तख्तियां लिए हुए थे। उन्होंने नशे के विरोध में नारे लगाए और लोगों से इस आदत से दूर रहने की अपील की। छात्रों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी बुरा असर डालता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की बात कही। रैली में नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग का संदेश दिया गया। मौके पर स्कूल के शिक्षकों ने भी छात्रों को इस जागरूकता अभियान के लिए प्रेरित किया। निदेशक विनय कुमार सिंह व प्राचार्या शिखा शर्मा समेत शिक्षक शिक्षिकाओं की मौजूदगी में रैली के जरिए आम लोगों से नशे के खिलाफ एकजुट होकर युवा पीढ़ी को बचाने का आह्वान किया गया।

रोटरी क्लब पटना में 'वीर कुंवर सिंह की प्रेमकथा' पर विशेष परिचर्चा आयोजित

■ धरमन बीबी और करमन बाई का 1857 के संग्राम में अप्रतिम योगदान: मुरली मनोहर श्रीवास्तव

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। रोटरी क्लब, पटना के तत्वावधान में प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा लिखित ऐतिहासिक पुस्तक वीर कुंवर सिंह की प्रेमकथा पर एक विशेष साहित्यिक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस परिचर्चा में पुस्तक के लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने 1857 के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के जीवन के अनछुए पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्रेमकथा नहीं, बल्कि देशप्रेम और अप्रतिम त्याग की अद्वितीय गाथा है। उन्होंने रेखांकित किया कि किस तरह समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी एक नर्तकी धरमन बीबीह्न ने बाबू कुंवर सिंह के साथ मिलकर आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई और अपनी जीवनभर की संचित पूंजी को देश सेवा में समर्पित कर दिया।

लेखक ने कहा कि धरमन बीबी और उनकी छोटी बहन करमन बाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में बाबू कुंवर सिंह के कंधे से कंधा मिलाकर भागीदारी निभाई और इतिहास के पन्नों में सदा के लिए अमर हो गईं।

गोष्ठी का कुशल संचालन रोटरी क्लब, पटना के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर लेखक कमल किशोर वर्मा ने भी बाबू वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व, कृतित्व और 1857 के संग्राम में उनके ऐतिहासिक योगदान पर अपनी कविता प्रस्तुत किया। इस साहित्यिक विचार गोष्ठी में अचलेश नंदन, रंजीत राम, रश्मि जी और शिक्षाविद मृत्युंजय सिंह सहित शहर के कई प्रबुद्ध नागरिक, साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने इतिहास के इन उपेक्षित स्वर्णिम अध्यायों को समाज के समक्ष लाने के लिए लेखक के शोधपरक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक मुलाकात कर उनकी समस्याएं से कराया अवगत

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल प्रशासन रेलकर्मियों के कल्याण एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री डिम्पी गर्ग ने मुख्यालय, हाजीपुर में 09 रेलकर्मियों/उनके आश्रित से मुलाकात की। इस दौरान रेलकर्मियों/उनके आश्रित ने अपनी विभिन्न विभागीय समस्याओं एवं कठिनाइयों से महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने प्रत्येक रेलकर्मी एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना और प्राप्त शिकायत के संबंध में अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को प्राप्त मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायतों का प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलकर्मियों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस पहल का उद्देश्य रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों को अपनी समस्याएं सीधे महाप्रबंधक के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना तथा उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है ।

महाप्रबंधक द्वारा ट्रैक मेंटेनर को उनके सराहनीय कार्य के लिए किया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने आज मुख्यालय, हाजीपुर में धनबाद मंडल के हजारीबाग रोड में कार्यरत ट्रैक मेंटेनर-।।। श्री फेकन कुमार की ड्यूटी के दौरान उनके द्वारा बरती गयी अतिरिक्त सतर्कता, त्वरित कार्रवाई एवं संरक्षा के प्रति सजगता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। श्री फेकन कुमार, ट्रैक मेंटेनर-।।।, धनबाद मंडल के हजारीबाग रोड में समपार संख्या-31 पर कार्यरत हैं। दिनांक 01 अक्टूबर को 08:50 बजे एक मालगाड़ी समपार संख्या-31 से गुजर रही थी। इसी दौरान मालगाड़ी के 24वें वैगन में हॉट एक्सल के कारण धुआं निकलते हुए देखा। श्री फेकन कुमार ने बिना समय गंवाए इसकी सूचना तत्काल स्टेशन मास्टर को दी । सूचना प्राप्त होते ही मालगाड़ी को हीरोडीह स्टेशन पर रोककर संरक्षा जांच एवं अन्य आवश्यक कार्यवाही की गई । फेकन कुमार की सजगता एवं त्वरित सूचना के फलस्वरूप संरक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में समय रहते उचित कार्रवाई संभव हुई । महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने श्री फेकन कुमार के इस कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता एवं त्वरित निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे कर्मचारियों की सजगता एवं तत्परता रेल यात्रियों तथा मालगाड़ियों के सुरक्षित परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्री फेकन कुमार द्वारा बरती गयी सतर्कता न केवल उनकी कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि रेल संरक्षा में प्रत्येक कर्मचारी की सजगता और त्वरित कार्रवाई कितनी महत्वपूर्ण है ।

टीपीएस. कॉलेज, पटना में इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। कॉलेज, पटना एवं इंटर्नशिप जंक्शन के तत्वावधान में आज दिनकर सभागार में इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की उपयोगिता, प्रक्रिया, अवसरों तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तपन कुमार शांडिल्य ने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप विद्यार्थियों को अपने विषय के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के दौरान अनुशासन, समय-प्रबंधन और सीखने की निरंतरता बनाए रखने की सलाह दी। आईक्यूएसी समन्वयक प्रोफेसर रूपम ने भी इंटर्नशिप से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए विद्यार्थियों को इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. हंस कुमार सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप की प्रक्रिया, आवश्यक तैयारियों तथा इसके दौरान किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर इंटर्नशिप जंक्शन के प्रतिनिधि इंजीनियर सरबजीत कुमार ने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप जंक्शन की कार्यप्रणाली, इंटर्नशिप के अवसरों तथा संस्था की विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने तथा अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नूतन कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, प्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार सिन्हा, डॉ. शशि भूषण चौधरी, प्रोफेसर हेमलता सिंह, डॉ. चंद्रशेखर, डॉ. देवरती घोष, डॉ. सुनीता कुमारी सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी डॉ. मुकुंद कुमार ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के महत्व, उपलब्ध अवसरों तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

AMU ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, पटना ने 'सर सैयद निबंध प्रतियोगिता 2026' का आयोजन किया

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। अटव ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, पटना ने आज पटना के दो केंद्रों - पटना मुस्लिम हाई स्कूल और अयूब उर्दू गर्ल्स हाई स्कूल - में सर सैयद निबंध प्रतियोगिता 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह निबंध प्रतियोगिता सर सैयद अहमद खान का शैक्षिक दृष्टिकोण और 21वीं सदी में इसकी प्रासंगिकता जैसे विचारोत्तेजक विषय पर आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के 200 से ज्यादा छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी से पता चलता है कि युवा पीढ़ी में सर सैयद अहमद खान के जीवन, शिक्षा संबंधी विचारों और सुधारवादी सोच के प्रति दिलचस्पी बढ़ रही है। इस प्रतियोगिता ने छात्रों को आधुनिक शिक्षा में सर सैयद के अहम योगदान पर विचार करने और 21वीं सदी की शैक्षिक और सामाजिक चुनौतियों के संदर्भ में उनकी सोच की आज भी प्रासंगिकता को समझने का मौका दिया। अटव ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, पटना के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अमजद अली ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में बहुमूल्य सहयोग के लिए भाग लेने वाले छात्रों, स्कूल अधिकारियों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बोलते हुए, शिक्षा समन्वयक एजाज अहमद ने इस बात पर जोर दिया कि युवा मस्तिष्कों को सर सैयद के विचारों और विरासत से जोड़ना शिक्षा, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक सुधार और जिम्मेदार नागरिकता की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोषाध्यक्ष अनवर हुसैन ने आगे कहा कि ऐसी पहल युवा पीढ़ी के बीच शिक्षा और सामाजिक विकास के सर सैयद अहमद खान के स्थायी मिशन को बढ़ावा देने के उनके निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रतिभागियों को 17 अक्टूबर 2026 को अठ सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना में एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए जाने वाले सर सैयद दिवस 2026 कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

104वीं हजरत सैयद शाह पीर नसीरुद्दीन रहमतुल्लाह अलैह का उर्स अकीदत भाईचारगी के साथ मनाया गया

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत ताज एकता कमिटी औररहनुमा-ए-कौम कब्रिस्तान कमिटी के जरिये 104वीं हजरत सैयद शाह पीर नसीरुद्दीन रहमतुल्लाह अलैह का दो दिनों तक चलने वाला उर्स बड़ी धूम-धाम अकीदत और भाईचारगी के साथ मनाया गया। यह मजार शरीफ हिन्दु-मुस्लिम एकता का मिसाल है। यहाँ सभी धर्मों के लोग हर साल यहाँ आकर मन्नत मांगते है और मन्नत पूरी होने पर फूल और चादर चढ़ाते है।5 अक्टूबर को सुबह में कुरानख्वानी, बाद नमाज जोहर मजार शरीफ का गुसुल और बाद नमाज ईशा मिलादुन्नबी का प्रोग्राम हुआ। मिलाद में सय्यद ओवैश अहमद फिरदौसी, कारी व हाफिज, हाजी मिफ्ताउर रब अशरफी, मौलाना कारी मंजर वारसी, राशिद अशरफी आदि लोगों ने हजरत पीर नसीरुद्दीन रहमतुल्लाह अलैहे की तारीफ बयान की और 6 अक्टूबर को सुबह से लेकर 12 बजे रात तक नेयाज, फातेहा, गुलपोशी,चादरपोशी होती रही और दुआ जायेरीन करते रहे और रात में कई तंजीमों के तरफ से गुल पोशी और चादर पोशी हुई।ताज एकता कमिटी के जुलूस में शामिल बैंड-बाजा के साथ गायकों ने एक से बढ़कर एक सूफी गीत पेश कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। फैजाने औलिया कमिटी और छोटी खगौल चीक टोली से लोगों ने चादर चढ़ाया साथ ही हिन्दुस्तान के साथ पूरी दुनिया में अमन शान्ति और भाईचारगी कायम रहने की दुआ की।

अयोध्या धाम में प्रमिल द्विवेदी को मिला राष्ट्रगौरव सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या धाम की पावन धरती पर लखनऊ निवासी वरिष्ठ समाजसेवी प्रमिल द्विवेदी को समाज एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए ह्यराष्ट्रगौरव सम्मानह्न से सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय शाकाहार परिषद् द्वारा 4 अक्टूबर को अयोध्या धाम के रानोपारा में स्थित भवदीय पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित ह्यसमरसता, शाकाहार एवं अहिंसा यात्रा सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए संतजनों, मनीषियों, आध्यात्मिक चिंतकों तथा सामाजिक क्षेत्र की विशिष्ट विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत प्रमिल द्विवेदी ने कहा कि अयोध्या धाम की पवित्र भूमि पर राष्ट्रगौरव सम्मान प्राप्त होना उनके लिए अत्यंत गौरव, विनम्रता और आत्मिक आनंद का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने दायित्वों को और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि समरसता, अहिंसा, शाकाहार और मानवीय मूल्यों को समाज के व्यापक हित में आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा आमंत्रण सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता पुल/लाइन/हाजीपुर के द्वारा निम्नलिखित कार्य के मान्यता प्राप्त अनुभवी एवं वित्तीय रुप से सक्षम ठेकेदारों से एवं रेल, सिचाई, सी.पी.डब्लु.डी., एम.ई.एस. अथवा अन्य लोक उपक्रम में रजिस्टर्ड अथवा कार्यरत ठेकेदारों से ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।(1) **टेंडर नोटिस संख्या:**BRL-DNR-26-07-01 **कार्य का नाम लोकेशन के साथ:** उप मुख्य अभियंता/पुल, हाजीपुर के अधीन दानापुर मंडल के स्टेशन PPTA-PHLG के बीच किमी 10/42–15/24 पर रेल–कम–रोड ब्रिज नंबर 07 (स्पैन 2X64.00 मी+ 36X123.0 मी) की ड्रेनेज सिस्टम में सुधार का कार्य **अनुमानित निविदा राशि (रू.):** 89,85,264.99 **अग्रिम धन राशि (रू.) :** 1,79,700.00 (2)**टेंडर नोटिस संख्या:**BRL-DNR-26-07-02 **कार्य का नाम लोकेशन के साथ:** दानापुर मण्डल के उप मुख्य अभियंता/पुल/हाजीपुर के अधीन PPTA-PHLG स्टेशन के बीच किमी0 08/32–10/24 के बीच ब्रिज नंबर 06–ईस्ट लाइन (रेल वायाडक्ट कंपोजित गर्डर स्पैन 16X31.6m+23X29.776m+5X31.458m+1X31.708m) की स्टील गर्डर ब्रिज और ब्रिज नंबर 07 (2X64+36X119.6m) के दस (10) (स्पैन नंबर 01 से 10) के PPTA-PHLG स्टेशन के बीच किमी 10/42–15/24 की आवधिक पेंटिंग का कार्य । **अनुमानित निविदा राशि (रू.):** 1,78,53,257.67 **अग्रिम धन राशि (रू.) :** 3,57,100.00 निविदा कागजात जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि एवं समय: निविदादाताओं द्वारा निर्धारित तिथि 23.10.2026 को 12:00 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर दिया जाय एवं उसी दिन 12.00 बजे के बाद निविदा खोली जायेगी। वेबसाइट का नाम एवं निविदा संबंधी सूचना: निविदा सूचना पात्रता मानदंड तथा निविदा प्रलेख क्रिस (CRIS) के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है, सूचना की पूर्ण जानकारी के लिए कार्यालय के नोटिस बोर्ड में देखें। यदि जरूरी हो शुद्धि पत्र वेबसाइट पर अपलोड होगा ।

कार्यपालक अभियंता/पुल/लाइन
पूर्व मध्य रेल, दानापुर

पीआर/1059/डीएनआर/ईएनजीजी/टी/26–27/40

विशेष भूमि सर्वेक्षण में धीमी प्रगति पर सख्ती, 15 दिनों में दें कार्ययोजना : दिलीप

■ सभी जिलों के नोडल अधिकारियों के साथ मंत्री ने की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण की धीमी प्रगति को लेकर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में सभी नोडल अधिकारियों के साथ सर्वेक्षण कार्य की साप्ताहिक समीक्षा की। उन्होंने कम प्रगति वाले जिलों और अंचलों को चिह्नित कर अलग से समीक्षा करने तथा अगले 15 दिनों की विशेष कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि विशेष भूमि सर्वेक्षण महज जमीन की नापी नहीं, बल्कि रैयतों के अधिकारों की सुरक्षा और शुद्ध भूमि अभिलेख तैयार करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसलिए लक्ष्य पूरा करने के साथ अभिलेखों की शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी और कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक सोमवार को सभी जिलों की मौजावार प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। स्वघोषणा, खानापुरी, नक्शा, प्रारूप प्रकाशन, दावा-आपत्ति और अंतिम प्रकाशन के स्तर पर लंबित कार्यों की समय-सीमा तय कर उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अधिकारियों और कर्मियों की फील्ड में उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए मौजा स्तर पर शिविर लगाकर रैयतों की समस्याओं का समाधान करने को कहा।

लंबित दावा-आपत्तियों का प्राथमिकता से होगा निष्पादन

विभाग के सचिव जय सिंह ने समीक्षा के दौरान सभी जिलों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने लंबित दावा-आपत्तियों की अधिकारीवार सूची तैयार कर पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। सचिव ने कहा कि सर्वेक्षण के प्रत्येक चरण की प्रगति की नियमित निगरानी जरूरी है। तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान कराया जाए और डैशबोर्ड के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा की जाए। जिला एवं अंचलवार लक्ष्य, उपलब्धि, लंबित मामलों और देरी के कारणों की स्पष्ट जानकारी डैशबोर्ड पर उपलब्ध रहे, ताकि जहां कमी है वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। सही और अद्यतन भूमि अभिलेख तैयार करना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है। समीक्षा बैठक में भू अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के सहायक निदेशक सुबोध कुमार समेत सभी जिलों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

एशियन गेम्स 2026 : कांस्य पदक विजेता बॉबी कुमार को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में एशियन गेम्स 2026 में सेपकटकरा की मेंस क्वाड्रेट स्पर्द्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाले बिहार के बॉबी कुमार को अंगवस्त्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने बिहार के साथ-साथ पूरे देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिये हार्दिक बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनायें दी। उपस्थित थे। इस अवसर पर उद्योग एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह एवं बॉबी कुमार के परिजन उपस्थित थे।

दोषी निविदादाता से लेकर जिम्मेदार अधिकारियों तक होगी कार्रवाई: मंत्री

■ निविदा में पारदर्शिता और फजीवड़े पर मंत्री हुए सख्त

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने निविदा प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निविदा के निस्तारण में निविदादाताओं द्वारा समर्पित दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन की प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए किसी भी निविदा को अंतिम रूप देने से पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेजों की गहन एवं समुचित जाँच सुनिश्चित की जाए।

नगर विकास एवं आवास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के पारदर्शी, जवाबदेह एवं सुशासन आधारित शासन-व्यवस्था के विजन के अनुरूप नगर विकास एवं आवास विभाग में निविदा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उत्तरदायी बनाया जा रहा है। निविदा निस्तारण से पूर्व निविदादाताओं द्वारा प्रस्तुत सभी आवश्यक दस्तावेजों का गहन सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ जनहित में बेहतर कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना है। समर्पित दस्तावेज फर्जी पाए जाने पर संबंधित निविदादाता के विरुद्ध होगी कार्रवाईः उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया के दौरान निविदादाताओं द्वारा समर्पित कागजातों की जांच के उपरांत ही उन्हें सफल अथवा असफल घोषित किया जाता है।

इसके बावजूद यदि निविदा निस्तारण के उपरांत किसी निविदादाता के विरुद्ध शिकायत/परिवाद प्राप्त होता है और जांच के क्रम में उसके द्वारा समर्पित दस्तावेज फर्जी पाए जाते हैं, तो संबंधित निविदादाता के विरुद्ध नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जानी चाहिए।

निविदा प्रक्रिया से जुड़े पदाधिकारियों और अभियंताओं की भूमिका की होगी जांच

मंत्री नीतीश मिश्रा ने स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में केवल संबंधित निविदादाता के विरुद्ध कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। निविदा प्रक्रिया से जुड़े पदाधिकारियों एवं अभियंताओं की भूमिका की भी जांच की जाए। यदि दस्तावेजों के सत्यापन अथवा निविदा निस्तारण में किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित पदाधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए नियमानुसार अनुशासनिक एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग में पारदर्शी निविदा प्रक्रिया, समयबद्ध निर्णय और स्पष्ट उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

राज्य में मिलेट्स की खेती को मिलेगा बढ़ावा : विजय

■ मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई लगाने पर सरकार देगी 5.40 लाख रुपये तक का अनुदान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राज्य में मिलेट्स यानी मोटे अनाज के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए नई मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने पर सरकार की ओर से वित्तीय सहायता दी जाएगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई की स्थापना के लिए सामान्य वर्ग के किसानों को परियोजना लागत का 40 प्रतिशत अथवा अधिकतम 4.32 लाख रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लाभुकों को परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5.40 लाख रुपये, जो कम हो, अनुदान मिलेगा। योजना के तहत नई मिलेट्स प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एफपीओ, उद्यमी, व्यक्तिगत आवेदक और अन्य पंजीकृत संस्थाएं आवेदन कर सकती हैं। इकाई में प्रसंस्करण मशीनरी की खरीद के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी। इकाई की क्षमता 100 से 200 किलोग्राम प्रति घंटा निर्धारित की गई है। आवेदन के लिए ये दस्तावेज जरूरी उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर), बैंक ऋण स्वीकृति अथवा सहमति पत्र, आधार एवं बैंक विवरण तथा संस्थागत आवेदकों के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र देना होगा। योजना के लिए आवेदन की शुरूआत 8 सितंबर 2026 से की गई है। इच्छुक आवेदक www.farmech.bihar.gov.in पोर्टल या बिहार कृषि एप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

राज्य भर के सभी 534 प्रखंड मुख्यालयों पर लोकतंत्र बचाओ आक्रोश मार्च आज : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के नेता एजाज अहमद ने बताया कि इंडिया गठबंधन की ओर से लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को बिहार में मजबूती प्रदान करने के लिए आज बुधवार को राज्य भर के 534 प्रखंड मुख्यालयों पर ज्ञानेश भगाओ लोकतंत्र बचाओ आक्रोश मार्च और पुतला दहन का कार्यक्रम किया जाएगा। आगे कहा कि ज्ञानेश भगाओ लोकतंत्र बचाओ आंदोलन को धार देने के लिए इंडिया गठबंधन की ओर से दिनांक 08 अक्टूबर को राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना दिया जाएगा। और उसी दिन नेता प्रतिपक्ष और इंडिया गठबंधन के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं, सांसदों, पूर्व सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों, विधान पार्षदों तथा पूर्व विधान पार्षदों के अलावा इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं और कार्यकताओं के साथ पटना में सचिवालय के समीप शहीद स्मारक स्थल से राज भवन मार्च किया जाएगा, और महामहिम राजपाल महोदय को ज्ञापन सौंपा जाएगा। एजाज ने आगे बताया कि आज नई दिल्ली में इंडिया महागठबंधन के सभी दलों की ओर से नरेंद्र मोदी- अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के खिलाफ नई दिल्ली चुनाव आयोग के कार्यालय पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों के साथ हजारों की संख्या में इंडिया गठबंधन के नेताओं ने ज्ञानेश भगाओ लोकतंत्र बचाओ मार्च कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के इस्तीफा की मांग की। इस अवसर पर मार्च में शामिल इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ राष्ट्रीय जनता दल के सांसदों ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के लिए काम कर रही है। एजाज ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन बिहार में तेजस्वी जी के नेतृत्व में लोकतंत्र बचाने की लड़ाई को मजबूती से लड़ेंगी। और चुनाव आयोग के बेईमानी का पदार्फाश करेंगी। बिहार में नरेंद्र मोदी - अमित शाह और चुनाव आयोग के खिलाफ लोकतंत्र बचाने की लड़ाई तेजस्वी जी के नेतृत्व में लड़ी जाएगी।

भाजपा किसान मोर्चा 9 अक्टूबर को निकालेगा 76 किलोमीटर की अन्नदाता सेवा संकल्प ट्रैक्टर यात्रा

पटना। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 9 अक्टूबर को ह्यअन्नदाता सेवा संकल्प यात्रा सह किसान संवादह्न का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राम सुमरन सिंह की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान यात्रा की तैयारियों, मार्ग और किसान संवाद कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। राम सुमरन सिंह ने बताया कि रोहतास जिले के दिनारा विधानसभा क्षेत्र स्थित मां भलूनी धाम से मां मुंडेश्वरी धाम तक लगभग 76 किलोमीटर की विशाल ट्रैक्टर यात्रा निकाली जाएगी। भलूनी धाम में सुबह 10 बजे से किसान संवाद कार्यक्रम शुरू होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ यात्रा में शामिल होकर प्रधानमंत्री के प्रति अपना आशीर्वाद और समर्थन व्यक्त करेंगे। यात्रा के दौरान मनोज तिवारी और मिथिलेश तिवारी मौजूद रहेंगे। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक सरकार की योजनाओं और सेवा कार्यों का संदेश पहुंचाया जा रहा है। किसान मोर्चा की यह पहल अन्नदाताओं के साथ संवाद और उनके प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करेगी।

विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा में जुटेगा जनसमूह : प्रीति शेखर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन 7 अक्टूबर को सुबह 9:30 बजे मिलर हाई स्कूल मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर भाजपा की प्रदेश महासचिव एवं पटना कार्यक्रम की संयोजक प्रीति शेखर ने बताया कि सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन वर्चुअल माध्यम से संबोधित करेंगे। प्रीति शेखर ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित सरकार के अन्य मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के बाद विकसित भारत के निर्माण को लेकर सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। इस दौरान वर्ष 2047 तक भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और मजबूत राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई जाएगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से पूरा होने वाला संकल्प है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ना आवश्यक है। प्रीति शेखर ने बताया कि संकल्प सभा के बाद सेवा ज्योति यात्रा निकाली जाएगी। इसके तहत मीठापुर ब्रिज का नामकरण सेवा ज्योति चौक किया गया है। वहां से यात्रा तारामंडल, हड़ताली मोड़, गांधी मैदान, इस्कॉन टेंपल और आर ब्लॉक होते हुए आगे जाएगी। यात्रा के माध्यम से सेवा, राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

बिहार में बदलाव की शुरूआत नहीं रुकेगी, शिक्षकों को दिलाएंगे सातवां वेतनमान : प्रशांत किशोर

■ पटना शिक्षक एमएलसी चुनाव में डॉ. दिव्या ज्योति की नामांकन सभा में पहुंचे जन सुराज के सूत्रधार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जन सुराज के सूत्रधार व बांकीपुर से विधायक प्रशांत किशोर ने पटना में एमएलसी चुनाव को लेकर आयोजित नामांकन सभा में हिस्सा लिया। अदिति कम्युनिटी सेंटर, सिन्हा लाइब्रेरी रोड के पास आयोजित सभा में पटना शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. अनुज कुमार और डॉ. दिव्या ज्योति के साथ शामिल हुए और उनके लिए वोट अपील की। प्रशांत किशोर ने बिहार में बदलाव की जरूरत पर जोर देते हुए शिक्षकों और ग्रेजुएट मतदाताओं से जन सुराज के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि बिहार के शिक्षक और ग्रेजुएट राज्य के सबसे शिक्षित मतदाताओं में हैं और वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था, सम्मान, वेतनमान और रोजगार के अवसरों के लिए बदलाव चाहते हैं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में बदलाव की जो शुरूआत बांकीपुर से हुई है, वह रुकने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने लिए सम्मान, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और सातवां वेतनमान चाहते हैं। शिक्षक केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने साथियों और आने वाली पीढ़ी के लिए भी बेहतर व्यवस्था चाहते हैं और जन सुराज इन अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम करेगा। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे खुद को बिहार के सबसे शिक्षित और प्रबुद्ध मतदाताओं में शामिल मानते हुए सभी पहलुओं का आकलन करें और इसके बाद जन सुराज के दोनों उम्मीदवारों को अपना समर्थन दें। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों ने अपना संकल्प और कार्यक्रम लोगों के सामने रखा है और जीतने के बाद वे उसी के आधार पर काम करेंगे। उन्होंने शिक्षकों से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि अगर सरकार शिक्षकों की मांग नहीं मानती है तो आगामी लोकसभा चुनाव में इसका राजनीतिक असर पड़ेगा। मौके पर किशोर कुमार मुन्ना, रामबली चंद्रवंशी, अशोक जी, सैयद मसीह उद्दीन, ओबैदुर रहमान, बब्बन यादव, रवि नारायण, दिनेश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नहीं रहीं सुप्रसिद्ध कथा-लेखिका डा कल्याणी कुसुम सिंह

■ साहित्य समाज में शोक की लहर, सम्मेलन में आयोजित हुई शोक-गोष्ठी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सुप्रसिद्ध कथा-लेखिका और बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा कल्याणी कुसुम सिंह नहीं रहीं। सोमवार की रात दो बजे, ८२ वर्ष की आयु में अपने पश्चिमी पटेलनगर स्थित अपने आवास पर उन्होंने अपनी अंतिम साँस ली। उनके निधन से साहित्य समाज में गहरा शोक व्याप्त है। निधन की सूचना मिलते ही साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ अपने संगठन मंत्री ई अशोक कुमार और पूर्व अर्थमंत्री सुनील कुमार दूबे के साथ उनके आवास पर पहुँचे और पुष्पांजलि अर्पित की तथा शोक-संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मंगलवार की संध्या सम्मेलन के अध्यक्षीय कक्ष में शोक-सभा भी आयोजित की गयी, जिसकी अध्यक्षता करते हुए डा सुलभ ने कहा कि कल्याणी जी विचार-संपदा और भाव-संपदा से अत्यंत समृद्ध और मनोवैज्ञानिक-दृष्टि रखनेवाली एक अत्यंत संवेदनशील कथाकार और कवयित्री थीं। विद्वता और विनम्रता उनकी शोभा थी। स्वतंत्रता-संग्राम में महिलाओं के योगदान और आचार्य नलिन विलोचन शर्मा पर लिखी गयी उनकी पुस्तक हिन्दी साहित्य की धरोहर हैं। उनकी लघुकथाओं के संग्रह 'घटती उम्र और बढ़ती लालसाएँ' पर गत २६ सितम्बर को ही सम्मेलन में चर्चा हुई थी। ३० सितम्बर को सम्मेलन के नए सत्र के लिए पुनर्गठित कार्य समिति के सभी पदाधिकारियों के पदभार-ग्रहण के समारोह में उपस्थित हुई थीं और उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।सम्मेलन के प्रति उनकी श्रद्धा अप्रतिम थी। उनके निधन से साहित्य और साहित्य सम्मेलन की ऐसी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई होने में वर्षों लगेंगे। शोक व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ कवयित्री आराधना प्रसाद, ई अशोक कुमार, डा नागेश्वर प्रसाद यादव, प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, नीता सहाय, पं गणेश झा आदि सैकड़ों साहित्यकारों ने शोकोदगार व्यक्त किए।

बिहार में गन्ना उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश में भ्रमण पर मंत्री संजय कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार उत्तर प्रदेश के भ्रमण पर हैं। यह भ्रमण बिहार में गन्ना उत्पादन को बढ़ावा देने, गन्ना किसानों की उत्पादकता एवं आय में वृद्धि तथा राज्य में चीनी उद्योग के विस्तार और पुनरुद्धार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। गन्ना उद्योग मंत्री के नेतृत्व में विभागीय दल ने मंगलवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर), लखनऊ का भ्रमण किया। इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ एस एन सुनील, वरीय वैज्ञानिकों एवं अन्य अधिकारियों के साथ गन्ने की उन्नत प्रजातियों, गन्ना विकास तथा नवीन तकनीकों से संबंधित विषयों पर समीक्षात्मक चर्चा की गई। बिहार में गन्ना उत्पादन की क्षमता बढ़ाने तथा किसानों को उन्नत तकनीक एवं गुणवत्तापूर्ण गन्ना प्रजातियों का लाभ उपलब्ध कराने के लिए अनुसंधान संस्थानों के साथ समन्वय को और मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके पश्चात मंत्री श्री कुमार ने सीतापुर स्थित डालमिया भारत शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पोर्ट-रामगढ़ का भ्रमण किया। उसके बाद उन्होंने चीनी मिल की कार्यप्रणाली एवं औद्योगिक गतिविधियों का अवलोकन करते हुए कंपनी के अधिकारियों के साथ गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग के विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

मोक्षधाम में आस्था का सैलाब, पितरों के तर्पण को गयाजी पहुंचे 37.50 लाख श्रद्धालु

■ हजारों विदेशियों ने भी किया पिंडदान और तर्पण, 8 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों से 30-40 की संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मोक्षधाम गयाजी में इस वर्ष पितृपक्ष मेले के दौरान आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा है। अब तक 37 लाख 50 हजार 200 तीर्थयात्री, श्रद्धालु और पिंडदानी गया पहुंचकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण कर चुके हैं। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी श्रद्धालु गया पहुंचे। रूस, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्राजील और यूक्रेन समेत विभिन्न देशों के हजारों नागरिकों ने भी गयाजी में पिंडदान एवं तर्पण किया। विदेशी श्रद्धालुओं ने गया में उपलब्ध सुविधाओं, धार्मिक स्थलों की व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता और प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। बता दे कि विदेशी श्रद्धालुओं का सिलसिला अभी थमा नहीं है। 8 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका समेत अन्य देशों से 30 से 40 की संख्या में श्रद्धालुओं के गयाजी पहुंचकर पिंडदान करने की संभावना है।

हर साल बढ़ रहा गयाजी आने वाले पर्यटकों का आंकड़ाः गयाजी की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता का असर पर्यटकों की निरंतर बढ़ती संख्या में भी साफ दिखाई दे रहा है। वर्ष 2022 में 9 लाख 40 हजार पर्यटक गया पहुंचे थे। इनमें 9 लाख 38 हजार देशी और 1518 विदेशी पर्यटक शामिल थे। वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 29 लाख 89 हजार हो गई। इसमें 29 लाख 6 हजार देशी और करीब 82 हजार विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 30 लाख 59 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे, जिनमें 29 लाख 4 हजार देशी और 1 लाख 55 हजार विदेशी पर्यटक थे। वहीं 2025 में कुल 34 लाख 79 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे। इनमें 34 लाख 77 हजार देशी और 1807 विदेशी पर्यटक शामिल थे। इस वर्ष अब तक 37.50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का पहुंचना गयाजी की बढ़ती धार्मिक पर्यटन क्षमता को दशार्ता है।

एआई भाषा अनुवाद से विदेशी श्रद्धालुओं को मिली बड़ी मदद

भाषा की बाधा दूर करने के लिए इस वर्ष एआई आधारित भाषा अनुवाद सुविधा भी श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी साबित हुई है। अब तक 84 हजार 756 तीर्थयात्री इस सुविधा का लाभ ले चुके हैं। खासकर अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले विदेशी श्रद्धालुओं के लिए यह सुविधा संवाद और जानकारी प्राप्त करने में मददगार बनी है।

बिहार के हित में फरक्का जल संधि पर पुनर्विचार जरूरी : संजय झा

■ जदयू के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम का छपरा में भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। छपरा में जदयू के फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुई यह संधि भारत के, खासकर बिहार के हित में नहीं है, इसलिए इसका नवीनीकरण नहीं होना चाहिए और अगर कोई संधि होती भी है तो बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस जल संधि के कारण बिहार का जल-प्रबंधन बुरी तरह बिगड़ा है और हम गंभीर जल-संकट का सामना कर रहे हैं। बिहार के हित में इस पर पुनर्विचार जरूरी है। बिहार और केन्द्र की तत्कालीन सरकार में बैठे लोगों ने बिहार के हितों की बलि चढ़ा दी। उन लोगों ने यह नहीं सोचा कि ऐसा करके वे बिहार के किसानों की सिंचाई, लोगों का पेयजल, उद्योगों की पानी की जरूरत, लाखों लोगों की आजीविका और राज्य के युवाओं का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं।

30 वर्षों से एक साथ बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा बिहार : उमेश

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि हमारे सर्वमान्य नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार शुरू से कहते रहे हैं कि फरक्का बराज और फरक्का जल संधि से बिहार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक ओर फरक्का बराज के कारण गंगा में भारी गाद जमा हो जाने से नदी का तल ऊँचा हो गया है, जिसके कारण उत्तर बिहार को हर साल बाढ़ का सामना करना पड़ता है, तो दूसरी ओर फरक्का जल संधि के कारण शुष्क मौसम में हमें बिहार के हिस्से का पानी बांग्लादेश को देना पड़ता है और हमारे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। इस अंतर्राष्ट्रीय संधि का 73ः बोझ अकेले बिहार उठा रहा है और 30 वर्षों से एक साथ बाढ़ और सूखे का दंश झेल रहा है। यह हमारे साथ ज्यादती है, जिसे हम इस अभियान के माध्यम से बताना चाहते हैं। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रयासों से आज यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन चुका है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

भाजपा दरभंगा पूर्वी के जिला कार्यालय का प्रदेश अध्यक्ष ने किया उद्घाटन, चुनावी रणनीति पर मंथन

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर (दरभंगा)। भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक जिला दरभंगा पूर्वी के धेरूख में मंगलवार को नवनिर्मित जिला कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने फीता काटकर किया। कार्यालय के उद्घाटन के बाद प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और दरभंगा स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एनडीए समर्थित प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया गया। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने संगठन को मजबूत बनाने, पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने आगामी चुनाव की तैयारियों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने की अपील की। जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने तथा चुनावी अभियान को गति देने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय और एनडीए प्रत्याशियों की जीत के लिए जनसंपर्क अभियान तेज करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान गौराबौराम के विधायक सुजित कुमार, बेनीपुर के विधायक प्रो विनय कुमार चौधरी, महामंत्री शत्रुघ्न सहनी, उपाध्यक्ष सरिता देवी, सुधा देवी, ममता देवी, कोषाध्यक्ष राहुल कर्ण, सह कोषाध्यक्ष संतोष झा, राधे श्याम झा, क्रीड़ा प्रकोष्ठ के राजीव झा, जनसंघ कालीन कार्यकर्ता रामफल मिश्र, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक डॉ राजेश झा, मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया, सुधीर सिंह, चंदन ठाकुर, रजनीश सुन्दरम, प्रवीण झा, रामनारायण ठाकुर, रामसागर ठाकुर आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा सेतु शिविर में समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा : संजय सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने मंगलवार को दरभंगा सदर के राजकीय मध्य विद्यालय रानीपुर एवं मॉडल प्लस-2 जनता उच्च विद्यालय जीवछघाट में आयोजित सहयोग व सेवा सेतु शिविर में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। 6, 7 और 8 अक्टूबर को सभी प्रखंडों में आयोजित सेवा सेतु शिविरों में लोग अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन आवेदन में परेशानी होने पर लोग लिखित आवेदन दें। अधिकारियों द्वारा ऐसे आवेदनों को 24 घंटे के भीतर सीएम पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा और 30 दिनों के अंदर निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। समाधान से संतुष्ट नहीं होने पर आवेदक सीएम पोर्टल पर पुनः शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसकी मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा होगी। सरावगी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। प्रत्येक पंचायत में प्लस-2 विद्यालय तथा सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उच्चतर शिक्षण संस्थानों में नामांकन की संख्या 2005 के करीब 3.70 लाख से बढ़कर अब लगभग 27 लाख हो गई है। सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से 24 घंटे शैक्षणिक सहायता मिल रही है। उन्होंने कस्तूरबा गांधी विद्यालय की स्थिति का जायजा लेते हुए बीडीओ को कायाकल्प योजना से मरम्मत का एस्टिमेट भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने पात्र लोगों से राशन कार्ड के लिए आवेदन करने तथा जनप्रतिनिधियों से लोगों की समस्याओं को पोर्टल पर दर्ज कराने में सहयोग की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

बच्चों के बीच केवटी विधायक ने बांटे स्कूल बैग

केवटी (दरभंगा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने सेवा संकल्प अभियान के तहत पैगम्बरपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय इंदिरा आवास में छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग का वितरण किया। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। विधायक डॉ. झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा और अंत्योदय के लिए समर्पित है। उनके जन्मदिन पर बच्चों के बीच सेवा कार्य करना सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प है कि संसाधनों के अभाव में केवटी क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए शिक्षकों से बेहतर पठन-पाठन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बैग मिलने पर बच्चों और अभिभावकों ने विधायक के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में केवटी पूर्वी मंडल अध्यक्ष सतीश कुमार यादव, श्रवण मिश्रा, भैरव झा, विनोदानंद झा, भूषण यादव, सजीवन सदाय, आरसी, अल्ताफ सहित कई ग्रामीण व गणमान्य लोग मौजूद थे।

विधानपरिषद चुनाव के लिए प्रेक्षक नियुक्त

मुजफ्फरपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्वि-वार्षिक निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने हेतु प्रेक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रेक्षक के रूप में श्री रॉबर्ट एल. चोंग्थू, भाप्रसे को प्रतिनियुक्त किया गया है। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए श्री मनोज कुमार, भाप्रसे को प्रेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

कल्याणी गांव में लावारिस हालत में मिली हुंडई 20, पुलिस ने किया जब्त

मुजफ्फरपुर। बेनीबाद थाना क्षेत्र के कल्याणी गांव में सड़क किनारे लावारिस हालत में खड़ी हुंडई 20 कार को बेनीबाद पुलिस ने बरामद कर थाना लाकर जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, देर रात गश्ती के दौरान जवानों की नजर सड़क किनारे खड़ी कार पर पड़ी। आसपास काफी देर तक किसी व्यक्ति के नहीं पहुंचने पर पुलिस ने वाहन को सुरक्षित थाना परिसर में लाकर रखा। बेनीबाद थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गश्ती के दौरान कल्याणी गांव में सड़क किनारे हुंडई 20 कार लावारिस हालत में मिली थी। वाहन को थाना लाकर जब्त कर लिया गया है। पुलिस वाहन के स्वामित्व और उसके वहां लावारिस हालत में खड़े किए जाने के कारणों की जांच कर रही है। वाहन के संबंध में आवश्यक सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्राओं और महिलाओं की सुरक्षा में मुस्तैद पुलिस दीदी स्कूल-कॉलेजों के आसपास बढ़ी निगरानी

मधुबनी छात्राओं एवं महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में ह्यपुलिस दीदीह्ल की तैनाती की गई है। बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई स्कूटी एवं मोटर साइकिलों के माध्यम से महिला पुलिसकर्मी जिले के विभिन्न अनुमंडलों एवं थाना क्षेत्रों में स्कूल-कॉलेजों के आसपास नियमित गश्त कर रही हैं। पुलिस दीदी के अनुसार असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने के साथ-साथ महिला अपराधों की रोकथाम को लेकर भी सक्रिय है। निर्धारित क्षेत्रों में गश्त के दौरान पुलिसकर्मी छात्राओं एवं महिलाओं से सीधे संवाद कर उनकी सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ले रही हैं तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और छात्राओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा छात्राओं एवं महिलाओं में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है। पुलिस दीदी के माध्यम से महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस की पहुंच और त्वरित प्रतिक्रिया को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

दरभंगा में आम उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना को लेकर पहल तेज, वैज्ञानिकों ने पुराने बागों का किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा में आम उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की दिशा में केंद्र सरकार ने पहल तेज कर दी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिकों की टीम ने मंगलवार को संभावित स्थलों और पुराने आम के बगीचों का निरीक्षण किया। इससे दरभंगा को आम, उद्यान एवं बागवानी के क्षेत्र में नई पहचान मिलने की उम्मीद बढ़ी है। स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने बताया कि केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संजय कुमार सिंह तथा कृषि विज्ञान केंद्र, मालदा के प्रमुख दुष्यंत राघव ने शुभंकरपुर सहित जिले के आधा दर्जन से अधिक पुराने आम के बगीचों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। सांसद ने बताया कि तीन दिन पूर्व उनके संसदीय कार्यालय में ह्यमिथिला आम पर उत्कृष्ट शोध केंद्रह्ल की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई थी। प्रस्तावित आम उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से आम की जैव विविधता के संरक्षण, मिथिला की स्थानीय किस्मों के विकास तथा पुराने बागों के जीर्णोद्धार पर काम किया जाएगा। इसके अलावा फलदार बागों में सिंचाई, पोषण एवं व्याधि प्रबंधन को लेकर क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आम उत्पादन को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रसंस्करण और वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य होगा। डॉ. ठाकुर ने कहा कि दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र के आम, मखाना, मछली और मिथिला पेंटिंग को वैश्विक स्तर पर रोजगार से जोड़ने के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है।

विधायक ने दिया छठ से पहले जर्जर सड़कों की मरम्मत का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी विधायक व पूर्व मंत्री ई. अजीत कुमार ने मंगलवार को ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ प्रखंड क्षेत्र की जर्जर सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान रेवा रोड एनएच-722 से करजा रोड नंबर-दो के अलावा खलीलपुर-महमदपुर की क्षतिग्रस्त सड़कों का जायजा लिया। विधायक ने सड़क की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण को अभी मात्र ढाई वर्ष ही हुए हैं और फिलहाल इनके मेंटेनेंस का समय है। ऐसे में सड़क के क्षतिग्रस्त होने से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि दशहरा, दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व सामने हैं। पर्व के दौरान ग्रामीणों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। विधायक ने ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों को छठ पर्व से पहले हर हाल में जर्जर सड़कों की मरम्मत पूरी कराने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने और निर्माण के बाद सड़क के रखरखाव पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। मौके पर ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता धीरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, संवेदक गुड्डू सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष मो. शमीम, मनोज कुमार सिंह, प्रेम सिंह, चंदन गुप्ता, महेश महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मेरे सपनों का भारत विषय पर बिक्रम में प्रखंड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रम :- प्रखंड के पार्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को ह्यमेरे सपनों का भारतह्ल विषय पर प्रखंड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के चयनित छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने विचारों के माध्यम से देश के भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की। विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विज्ञान एवं तकनीक, महिला सशक्तीकरण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता तथा आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने कहा कि उनके सपनों का भारत ऐसा हो, जहां प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी को आर्थिक अभाव के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़नी पड़े। विद्यार्थियों ने बेरोजगारी को दूर कर युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। बीईओ रविकांत शर्मा ने कहा कि विद्यालयों व प्रखंड स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, रचनात्मक सोच, अभिव्यक्ति कौशल एवं भविष्य के भारत को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। निर्णायक मंडल की भूमिका निभा रहे शिक्षक नीरज कुमार कमल, अमितेष कुमार, नीतीश कुमार, राकेश कुमार, अमित कुमार, राजीव तिवारी व कृष्णकांत के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। चयनित छात्र आगामी 10 अक्टूबर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

पागल कुत्ते ने 30 से अधिक लोगों को काटा, गांवों में मची अफरातफरी

कुशेश्वरस्थान (दरभंगा)। प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों में मंगलवार की सुबह एक पागल कुत्ते के आतंक से अफरातफरी मच गई। कुत्ते ने फकदोलिया, बरनिया, धोबोलिया, पकरिया, इटहर सहित आसपास के गांवों में 30 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया। घायलों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। अचानक बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह एक कुत्ता असामान्य व्यवहार करते हुए राहगीरों और ग्रामीणों के पीछे दौड़ने लगा और मौका मिलते ही उन्हें काटने लगा। कुत्ते के हमले से बचने के लिए लोग इधर-उधर भागते रहे। बाद में ग्रामीणों ने मिलकर कुत्ते को मार दिया। कुत्ते के काटने से घायल लोग परिजनों के साथ इलाज के लिए पीएचसी कुशेश्वरस्थान पहुंचे। सुबह करीब सात बजे से दोपहर तक घायलों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। अस्पताल में अचानक बड़ी संख्या में मरीज पहुंचने से भीड़ लग गई। चिकित्सक डॉ. जानेश पाठक एवं डॉ. राहुल ने घायलों का उपचार कर आवश्यक एंटी रेबीज वैक्सीन दी। डॉ. जानेश पाठक ने बताया कि सामान्य तौर पर पीएचसी को एक महीने में करीब 100 एंटी रेबीज वैक्सीन मिलती है, लेकिन मंगलवार को एक ही दिन में बड़ी संख्या में मरीजों को वैक्सीन देनी पड़ी। इससे काफी मात्रा में वैक्सीन की खपत हुई। घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश है। लोगों ने आवारा एवं संदिग्ध कुत्तों के आतंक पर रोक लगाने तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध कराने की मांग की है।

आईआईएम रांची के प्रोफेसर डॉ. गौरव कुमार ने संजय कुमार साहू को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

पटना। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के प्रोफेसर डॉ (प्रो०) गौरव कुमार ने बिहान भारत (राष्ट्रीय हिंदी दैनिक) के प्रकाशक संजय कुमार साहू को रांची में प्रशस्ति पत्र एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि बीते 2 अक्टूबर को पटना (बिहार) स्थित विद्यापति भवन में राष्ट्रीय सूड़ी महासभा के तत्वावधान में एक भव्य राज्यस्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम संयोजक प्रह्लाद पूर्वे के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में समाज और पत्रकारिता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया था। उस समय अपरिहार्य कारणों से संजय कुमार साहू पटना के समारोह में उपस्थित नहीं हो सके थे। इसी क्रम में अब रांची में उन्हें यह सम्मान आधिकारिक तौर पर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजनगर पुलिस ने 9.2 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को दबोचा, स्कॉर्पियो समेत तीन गिरफ्तार

मधुबनी अपराध नियंत्रण एवं विधि- व्यवस्था को लेकर चलाए जा रहे सघन वाहन चेकिंग अभियान के दौरान राजनगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के क्रम में 9.2 किलोग्राम गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब 4.60 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन तथा 5,250 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 5 अक्टूबर की शाम करीब 6:45 बजे राजनगर थाना क्षेत्र के गौसनगर कब्रिस्तान के पास रॉटी टीओपी की पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान भगवतीपुर की ओर से आ रही काले रंग की स्कॉर्पियो के चालक ने पुलिस को वाहन चेकिंग करते देख तेजी से वाहन भगाने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा कर वाहन को गौसनगर गांव में घेराबंदी कर रोक लिया। स्कॉर्पियो में सवार तीन लोगों से पूछताछ एवं तलाशी के दौरान वाहन की बीच वाली सीट से सात पैकेट गांजा, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 5,250 रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ के बाद पुलिस को मिली निशानदेही पर गौसनगर निवासी मो. बारीक के घर के गोईठा वाले दालान में जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर छिपाकर रखा गया तीन पैकेट गांजा भी बरामद किया गया। बरामद सभी गांजे का इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन कराने पर कुल 9.200 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबूबरही थाना क्षेत्र के रजवारा निवासी विनोद कामत, राजनगर थाना क्षेत्र के गौसनगर निवासी मो. मेहबुब तथा थाना नगर क्षेत्र के संतु नगर निवासी रंजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार विनोद कामत का पूर्व में बाबूबरही थाना में मद्यनिषेध एवं अन्य धाराओं के तहत दो मामले दर्ज हैं। मामले में राजनगर थाना कांड संख्या 488/26, दिनांक 5 अक्टूबर 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(2)(बी)/22(बी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। वहीं, गांजा तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शास्त्रीय रंगमंच की शैली और परंपरा को समझना जरूरी : डॉ. श्याम भास्कर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय अंतर्गत विश्वविद्यालय संगीत एवं नाट्य विभाग में नाट्य विषय के छात्र-छात्राओं के लिए शास्त्रीय रंगमंच पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ डॉ. श्याम भास्कर ने विद्यार्थियों को शास्त्रीय रंगमंच की शैली, विशेषताओं और मंचन की बारीकियों से अवगत कराया। डॉ. श्याम भास्कर ने कहा कि किसी भी नाटक का मंचन उसकी मूल शैली और रंगमंचीय परंपरा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने महाकवि कालिदास की कृति ह्यअभिज्ञान शाकुंतलम्ह्ल का उदाहरण देते हुए कहा कि यह शास्त्रीय नाट्य परंपरा की महत्वपूर्ण रचना है। इसके मंचन में अभिनय पद्धति, भाषा, भाव-भंगिमा और प्रस्तुति की पारंपरिक शैली का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नाटक की शैली को समझे बिना उसका प्रभावी मंचन संभव नहीं है। विशेष सत्र में विद्यार्थियों ने शास्त्रीय रंगमंच के विभिन्न पहलुओं को समझा और विशेषज्ञ से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। डॉ. भास्कर ने रंगमंच की परंपराओं के साथ उसके व्यावहारिक पक्षों को भी उदाहरणों के माध्यम से समझाया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों में शास्त्रीय रंगमंच के प्रति उत्साह और रुचि देखने को मिली।

बाली में अंतरराष्ट्रीय फाइट नाइट जीतकर लौटे मयंक झा का राज दरभंगा ने किया नागरिक अभिनंदन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फाइट नाइट प्रतियोगिता में शानदार जीत दर्ज कर लौटे दरभंगा के युवा फाइटर मयंक झा का राज दरभंगा की ओर से भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। रामबाग निवासी अमरकांत झा एवं वंदना झा के पुत्र मयंक की उपलब्धि पर शहर में जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। दरभंगा एयरपोर्ट सहित बेला दुर्गा मंदिर, कटहलबाड़ी भंडार चौक और माधवेश्वर परिसर में गणमान्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के सम्मान में कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक दरबार हॉल स्थित लक्ष्मेश्वर सभागार में समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. लक्ष्मी निवास पांडे ने मयंक को सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. हेमपति झा, जिला खेल पदाधिकारी चंदन कुमार, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अशोक प्रसाद एवं क्रीड़ा भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद रहे। मंच संचालन एलएनएमयू सीनेट सदस्य डॉ. संतोष कुमार ने किया। वक्ताओं ने कहा कि दरभंगा की खेल परंपरा करीब एक सदी पुरानी है। राज दरभंगा ने फुटबॉल, पोलो सहित विभिन्न खेलों को बढ़ावा दिया। मयंक की अंतरराष्ट्रीय सफलता इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने वाली उपलब्धि है। राज दरभंगा के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे प्रतिभावान युवाओं का सम्मान मिथिला के अन्य युवाओं को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर राज दरभंगा के मुख्य प्रबंधक आशुतोष दत्त, निखिल खेरिया, राजीव प्रकाश मधुकर, प्रियांशु झा, संतोष सिंह, बबलू त्रिगुणायत, आयुष वैभव, दीपक पासवान, राजू मंडल, सुनील राय, अशोक मंडल, मुकेश झा, रामकृष्ण लाल दास, जितेंद्र ठाकुर, मुरली शंकर प्रभाकर, नियांक झा, सागर झा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नशा मुक्ति को लेकर डीपीएस कादिराबाद में जागरूकता कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दिल्ली पब्लिक स्कूल कादिराबाद के परिसर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सहयोग से नशा मुक्ति चेतना जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहनों ने छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों, मानसिक तनाव और जीवन मूल्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। ध्यान, सकारात्मक सोच और मजबूत इच्छाशक्ति के माध्यम से नशे से दूर रहा जा सकता है। विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने नशामुक्त जीवन जीने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक शपथ ली। विद्यालय के प्राचार्य ने ब्रह्माकुमारी संस्था के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं।

शिक्षक-स्नातक निर्वाचन में 26 प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

दरभंगा। बिहार विधान परिषद के 05-दरभंगा शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया के तहत मंगलवार को कुल 26 अभ्यर्थियों ने निवार्ची पदाधिकारी-सह-आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल हिमांशु कुमार राय के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से छह प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इनमें आम आदमी पार्टी के शंभूनाथ ठाकुर, कांग्रेस के डॉ. मदन मोहन झा, जदयू के डॉ. घनश्याम राय तथा निर्दलीय भूपनेश्वर राम, सुल्तान अहमद और अरुण कुमार झा शामिल हैं। वहीं, स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से 20 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इनमें भाजपा के सर्वेश कुमार, आदर्श मिथिला पार्टी के नगीना प्रसाद महतो, कांग्रेस के रजनीकांत पाठक, जन मिथिला विकास पार्टी के ब्रह्मानंद मिश्रा तथा बिहार जस्टिस पार्टी के भरत कुमार राय शामिल हैं। इनके अलावा 15 निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने वालों में अशोक कुमार पांडेय, कृष्ण मोहन चौधरी, नेहा कुमारी, धर्मांश रंजन, संजय कुमार देव कन्हैया, शशि भूषण सिंह, सदन कुमार मिश्र, रिंकी कुमारी, मो. इमामुल हक, दिलीप कुमार, ब्रह्मदेव यादव, आदित्य कुमार झा, अनिल कुमार चौधरी, वरुणेश विजय एवं जयप्रकाश झा शामिल हैं। इस प्रकार मंगलवार को शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से छह और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से 20 समेत कुल 26 प्रत्याशियों ने नामांकन किया।

दिनदहाड़े कॉलेज कर्मी को मारी गोली गंभीर हालत में डीएमसीएच रेफर

मधुबनी लदनियां थाना क्षेत्र के चिकानोटवा गांव में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक कॉलेज कर्मी को गोली मारकर घायल कर दिया। गोली पीठ में लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल मधुबनी रेफर किया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया। घायल की पहचान भुतहा गांव निवासी केशवर सिंह के रूप में हुई है। वह एक कॉलेज में पुस्तकालय अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। बताया जाता है कि केशवर सिंह स्कूटी से बाजार गए थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका पीछा किया और कथित तौर पर कई राउंड फायरिंग की। इस दौरान एक गोली उनकी पीठ में जा लगी, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। अपराधियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस घटना के कारणों और गोलीबारी में शामिल आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। खबर लिखे जाने तक मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं थी।

बाढ़ से हुई क्षति का आकलन कर प्रभावित लोगों को प्रावधानों के अनुरूप सहायता राशि प्रदान की जाएगी: जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के जिला-स्तरीय पदाधिकारियों को नदियों के जल-स्तर में कमी आने के आलोक में बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों में एसओपी के तहत सभी आवश्यक कार्य कराने का निर्देश दिया है। सिविल सर्जन, जिला कृषि पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी; विद्युत कार्यपालक अभियंता, जिला पशुपालन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग; कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग; परियोजना निदेशक, एनएचएआई; अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन; अपर समाहर्ता, राजस्व सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों को बाढ़-प्रभावित क्षेत्रों से पानी धीरे-धीरे हटने को ध्यान में रखते हुए प्रभावी ढंग से आवश्यक सतर्कतामूलक, संरचनात्मक प्रभावित लोगों की सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी कार्य किया गया एवं आवश्यकता के अनुसार किया भी जा रहा है। मुजफ्फरपुर जिला के साहेबगंज, पारू, कटरा एवं गायघाट प्रखंडों की कुल 23 पंचायतें प्रभावित हुईं। इन प्रखंडों में सामुदायिक रसोई केन्द्रों का संचालन, पॉलीथिन शीट्स का वितरण, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा आवश्यकतानुसार प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने, तटबंधों की निगरानी एवं सुदृढ़ीकरण, सूखा राशन का वितरण, स्वास्थ्य जाँच तथा दवाओं की उपलब्धता, नावों का परिचालन, कुट्टी-भूसा पशु चारा का वितरण एवं पशु चिकित्सा की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल, शौचालय की सुविधा सहित आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से राहत एवं बचाव का हर कार्य किया गया। वे स्वयं वरीय अधिकारियों के साथ क्षेत्रों में लगातार कैम्प कर रहे थे तथा राहत एवं बचाव कार्यों का अनुश्रवण कर रहे थे। उनके द्वारा *स्थानीय लोगों, मीडिया बंधुओं एवं जन प्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित कर उनका सुझाव एवं फीडबैक लिया गया तथा स्थिति के अनुसार तुरंत रिस्पॉड किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि अब गंडक एवं बागमती नदियों के जल स्तर में लगातार घटने की प्रवृत्ति रिकॉर्ड की जा रही है। बागमती नदी के बेनीबाद स्थित गेज स्थल पर भी यह कम हो रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने से मुजफ्फरपुर जिला के साहेबगंज, पारू, कटरा एवं गायघाट प्रखंडों में स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। प्रशासन अभी भी अलर्ट है तथा एसओपी के तहत कार्य किया जा रहा है। साथ ही अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार बाढ़ के बाद किए जाने वाले कार्यों को भी तत्परतापूर्वक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ का पानी हटने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जल-जनित बीमारी न फैले इसके लिए सिविल सर्जन को सतर्कतामूलक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्हें निदेश दिया गया है कि सभी जलजमाव वाले क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर, चूना का छिड़काव और फॉगिंग कराना सुनिश्चित करें। डायरिया, स्किन इन्फेक्शन, बुखार, लेप्टोस्पायरोसिस इत्यादि से लोगों के बचाव के लिए मेडिकल कैंप लगाने तथा सर्पदंश से किसी व्यक्ति के पीड़ित होने पर त्वरित उपचार करने का निदेश दिया गया है। पीएचइडी के कार्यपालक अभियंता को हैंडपंप , चापाकलों की क्लोरीन से सफाई एवं पानी की जांच कराने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को सलाह दी जाती है कि अभी उबला पानी पीयें। उन्होंने अधिकारियों को जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को उबला पानी पीने की सलाह देने का निदेश दिया है। जिला पशुपालन पदाधिकारी को मवेशियों के लिए पशु चिकित्सा शिविर आयोजित करने का निदेश दिया गया है। विद्युत कार्यपालक अभियंताओं को लोगों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बिजली पोल, तार और ट्रांसफार्मर की समुचित जांच करने, जरूरत के अनुसार मरम्मति कराने एवं विद्युत आपूर्ति करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग को कटरा, गायघाट, जयमल डुमरी, हुस्सेपुर सहित अन्य क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार ग्रामीण सड़कों की शीघ्र मरम्मती कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने पथ निर्माण विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारियों को भी सड़कों की आवश्यकतानुसार मरम्मती कराने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला कृषि पदाधिकारी को फसल क्षति का पंचायतवार सर्वे कराकर 7 दिन के अंदर प्रतिवेदन देने का निदेश दिया गया है। अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन को अंचल अधिकारियों के माध्यम से क्षतिग्रस्त मकान आदि का आकलन कराने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप लोगों को सहायता राशि प्रदान की जाएगी

मुजफ्फरपुर में कचरा प्रबंधन होगा और बेहतर विदेशी संस्थाओं की टीम ने की समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर में कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में चल रही परियोजना की समीक्षा के लिए फ्रांस की विकास एजेंसी, जर्मनी के विकास बैंक और राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान की टीम मुजफ्फरपुर पहुंची। टीम पांच से सात अक्टूबर तक शहर में रहकर परियोजना से जुड़े कार्यों, समस्याओं और प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण करेगी।सोमवार को टीम ने मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी के प्रबंध निदेशक सह नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह के साथ बैठक की। इसमें कचरे को अलग-अलग करने, कचरे से उपयोगी सामग्री तैयार करने, पुनः उपयोग सुनिश्चित करने और लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा हुई। परियोजना के तहत शहर में कचरा छंटाई एवं पुनप्राप्ति केंद्र, कचरे से जैव ईंधन बनाने का संयंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था विकसित करने की योजना है। इसके अलावा चयनित स्थानों को स्वच्छ एवं आकर्षक स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है।नगर आयुक्त ने कहा कि कचरे को केवल समस्या न मानकर उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे शहर की सफाई व्यवस्था मजबूत होने के साथ पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा।मंगलवार को टीम रौतिनिया सहित परियोजना के तहत चयनित अन्य स्थलों का निरीक्षण करेगी। इस दौरान प्रस्तावित कार्यों और उनके बेहतर क्रियान्वयन की संभावनाओं का जायजा लिया जाएगा।

12 डिग्री कॉलेजों के प्रभारी प्राचार्यों की प्रतिनियुक्ति रद्द 8 अक्टूबर तक मूल संस्थान में योगदान का निर्देश

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने राजभवन के निर्देश के अनुपालन में 12 नये स्थापित डिग्री कॉलेजों के प्रभारी प्राचार्यों की प्रतिनियुक्ति रद्द कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सोमवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। इसमें संबंधित शिक्षकों को 8 अक्टूबर तक विरमित होकर अपने मूल विभाग अथवा अंगीभूत कॉलेज में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद इन 12 डिग्री कॉलेजों का प्रभार अब नजदीकी अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों को सौंपा गया है। विश्वविद्यालय ने नये प्रभारियों को प्रशासनिक प्रभार ग्रहण कर इसकी रिपोर्ट प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा है। विश्वविद्यालय ने 12 नये स्थापित डिग्री कॉलेजों के संचालन के लिए शिक्षकों को प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी सौंपी थी। इन शिक्षकों पर कॉलेजों के प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी थी। इस बीच कुछ शिक्षकों ने स्वयं भी प्रभारी प्राचार्य के पद से मुक्त करने का अनुरोध किया था। राजभवन के निर्देश के बाद अब विश्वविद्यालय ने सभी संबंधित शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी है। वापस भेजे गये शिक्षकों में प्रो. आरएन ओझा, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. मकबूल हुसैन, प्रो. श्याम रंजन, प्रो. विजय कुमार, प्रो. राजीव झा, प्रो. रामेश्वर राय, प्रो. राजेंद्र प्रसाद, प्रो. सुनील कुमार, प्रो. विजय कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार चौधरी और प्रो. संजय कुमार सुमन शामिल हैं।

कृषि योग्य भूमि के अधिग्रहण के विरोध में मोटरसाइकिल मार्च

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा एव भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति के संयुक्त आह्वान पर पारू प्रखंड के चैनपुरचीउटाहा, विशुनपुर सरैया, हरपुर कपरफोरा, भोजपटटी, चतुरपटी के किसानों का 700 एकड़ उपजाऊ जमीन का सरकार द्वारा जबरन अधिग्रहण के खिलाफ सैकड़ो किसानों का साइकिल एव मोटरसाइकिल मार्च निकाली गई। प्रभावित गांव-गांव में भ्रमण करते हुए किसान लोग नारा लगा रहे थे जान दे देंगे लेकिन जमीन नहीं देंगे, भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आम किसान एक हो, उपजाऊ जमीन के जबरन अधिग्रहण पर रोक लगाओ। अंत मे मार्च चतुरपटी विषहर स्थान पर पहुंचकर एक सभा मैं बदल गई। सभा की अध्यक्षता किसान जवाहर प्रसाद यादव ने की। सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा के राज्य अध्यक्ष उदय चौधरी ने काहा कि बिना किसानों के सहमति के जबरन उपजाऊ जमीन को सरकार अधिग्रहण कर रही है,यह सरकार की किसान विरोधी निति है। भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के तहद स्पष्ट निर्देश है की 80 पर्सेंट किसानों की सहमति चाहिए तभी सरकार अधिग्रहण कर सकती है लेकिन बिहार के सम्राट सरकार जबरन उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण करना चाह रही है, एक कॉर्पोरेट परस्त नीति है। भगत सिंह छात्र नौजवान सभा के राज्य कमिटी सदस्य अनुकूल कुमार ने काहा कि सरकार को बंद परी उद्योग को पहले चालू करना चाहिए। जो न कर दुसरे किसानों के कृषि योग्य जमीन हड़पकर पूंजीपतियों को देने की साजिश है। सभा को संबोधित करते हुए भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति के संयोजक साथी विश्वनाथ साह ने काहा की किसान को जोतने के लिए खेत नही तो जन प्रतिनिधि भोट नहीं। सरकार किसानों की बात नहीं सुनी तो आन्दोलन जारी रहेगा। सभा को संबोधित करने वाले प्रमुख लोग- किसान नेता रामानन्द राम, जद्दू राय, अनिसुर रहमान, शोभाजित यादव, रामेश्वर सिंह, मंजूर आलम, रामाधार राय, नागेन्द्र बैठा आदि शामिल थे।

उत्तर बिहार में 7 से11 अक्टूबर के बीच हल्की बारिश के आसार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं कृषि मौसम विभाग ने 7 से 11 अक्टूबर 2026 के लिए मौसम पूवार्नुमान जारी किया है। पूवार्नुमान के अनुसार 7-9 अक्टूबर के आसपास उत्तर बिहार के आसमान में गरज वाले बादल बनने तथा अधिकांश जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 75झ85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45झ55 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 5झ15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले तीन दिनों में पूसा में औसत अधिकतम तापमान 33.7 और न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस अवधि में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। किसानों को रबी फसलों की समय पर बुआई के लिए खेत की तैयारी करने तथा गुणवत्तापूर्ण बीज और आवश्यक कृषि सामग्री की पहले से व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। मसूर, मटर, लहसुन, धनिया, सरसों, सूरजमुखी, राजमा और मेथी के लिए अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद खेत में डालने तथा उचित जुताई की सलाह दी गई है। गन्ने की फसल में हवा और बारिश से गिरने से बचाने के लिए बंधाई यानी प्रॉपिंग करने को कहा गया है। मटर की अगेती किस्मों की बुआई इस सप्ताह के अंत तक पूरी करने तथा पालक और लहसुन की बुआई शुरू करने की सलाह दी गई है। टमाटर की नर्सरी तैयार करने और निर्धारित दूरी पर पौधों की रोपाई करने का सुझाव भी दिया गया है। कृषि वैज्ञानिकों ने बैंगन की फसल में फल एवं तना छेदक कीट की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। किसानों से मौसम में बदलाव को देखते हुए खेतों में जल निकासी और फसल प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की अपील की गई है।

मुजफ्फरपुर की बेटी शिक्षा कुमारी ने भ्रामक विज्ञापनों पर शोध कर बढ़ाया शहर का मान

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नई बाजार, यदुपति रोड निवासी शिक्षा कुमारी ने अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। शिक्षा, सुनील कुमार शर्मा एवं सोनी शर्मा की पुत्री हैं। शिक्षा कुमारी ने विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग से अपना शोध कार्य पूरा किया। उनके शोध का विषय ह्यद रोल ऑफ गवर्नमेंट रेगुलेशन इन रिड्यूसिंग द इम्पैक्ट ऑफ मिसलीडिंग एडवरटाइजिंग ऑन कंज्यूमर बिहेवियर विद स्पेशल रेफरेंस टू कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्सह्ल था। शोध कार्य विभाग के डीन डॉ. सैयद आले मुजतबा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा 6 अक्टूबर को विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। इसमें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व डीन एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् विनोद शंकर सिंह ने बाह्य परीक्षक के रूप में हिस्सा लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) दिनेश चंद्र राय, विभागाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार श्रीवास्तव, डॉ. विनोद बैठा, डॉ. साकेत एवं डॉ. सलाउद्दीन समेत कई फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे। शिक्षा का शोध कॉस्मेटिक उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों से उपभोक्ताओं के व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव तथा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा में सरकारी नियमों की भूमिका पर केंद्रित है। तेजी से बढ़ते कॉस्मेटिक बाजार और डिजिटल विज्ञापनों के दौर में उनका शोध उपभोक्ता जागरूकता और नियामकीय व्यवस्था के अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीएचडी की उपाधि मिलने पर परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। सभी ने शिक्षा कुमारी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अवैध हथियार व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पैगम्बरपुर गांव में पारिवारिक विवाद के दौरान ससुराल पक्ष के लोगों के साथ मारपीट और जान से मारने की नीयत से पिस्टल तानने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, पांच अक्टूबर को कोल्हुआ पैगम्बरपुर में पारिवारिक विवाद को लेकर मारपीट और हत्या के प्रयास की सूचना मिली थी। घटना की सूचना मिलते ही अहियापुर थाना पुलिस और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई शुरू की। परिवार के सदस्यों की मदद से पुलिस ने मौके से मो. सहवाज और मो. आसीफ, दोनों थाना-कांटी, जिला मुजफ्फरपुर, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। मामले में वादी मो. सदाम के लिखित आवेदन के आधार पर अहियापुर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मेगा टिकट जांच अभियान, 2,065 यात्रियों पर कार्रवाई ,18.97 लाख रुपये राजस्व वसूला

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सोनपुर मंडल में बिना टिकट और अनियमित टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ मेगा टिकट जांच अभियान लगातार जारी है। यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं नियमसम्मत यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा रेलवे राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के निर्देशन में 5 अक्टूबर को सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, मानसी, खगड़िया, नवगछिया सहित विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में विशेष टिकट जांच की गई। टिकट जांच कर्मियों, रेलवे सुरक्षा बल और वाणिज्य विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना टिकट, अनियमित टिकट तथा बिना उचित प्राधिकरण के यात्रा करने वाले 2,065 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इससे रेलवे को 18 लाख 97 हजार 690 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। रेलवे के अनुसार, 30 सितंबर 2026 तक सितंबर माह में सोनपुर मंडल ने 47,124 मामलों का निपटारा करते हुए 4 करोड़ 29 लाख 56 हजार 559 रुपये का राजस्व अर्जित किया है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक कुल 3,84,343 मामलों में कार्रवाई की गई है, जिससे 30 करोड़ 37 लाख 68 हजार 821 रुपये का रेल राजस्व प्राप्त हुआ है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन करें। बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोनपुर मंडल ने कहा है कि यात्रियों की सुविधा और रेलवे राजस्व की सुरक्षा के लिए ऐसे विशेष टिकट जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सीएसपी संचालक से हथियार के बल पर 50 हजार की लूट

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर में बाइक सवार तीन अपराधियों ने बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रहे सीएसपी संचालक से हथियार के बल 50 हजार रुपये लूट लिये। घटना के बाद तीनों अपराधी बाइक से फरार हो गये। पीड़ित की पहचान सलेमपुर निवासी सीएसपी संचालक अनिल कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि अनिल कुमार बैंक ऑफ बड़ौदा से 50 हजार रुपये निकालकर अपने घर सलेमपुर लौट रहे थे। इसी दौरान मुस्तफापुर के पास बाइक सवार तीन अपराधियों ने उनका पीछा करते हुए रास्ते में रोक लिया। अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर रुपये से भरा झोला लूट लिया और मौके से फरार हो गये। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही अहियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। अनिल कुमार ने देर शाम थाने में लिखित शिकायत भी दी है। पुलिस अपराधियों के भागने की दिशा में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अपराधियों ने बैंक से रुपये निकालने के बाद सीएसपी संचालक का पीछा किया था या घटना अचानक हुई।

सोनपुर मंडल में ट्रैक साइड और लंबे समय से जमा कचरे की विशेष सफाई

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता पखवाड़ा-2026 और एससीडीपीएम 6.0 के तहत सोमवार को रेलवे ट्रैक के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्टेशनों के यार्ड, रेलवे ट्रैक के किनारे तथा नगर एवं शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले रेलखंडों के आसपास लंबे समय से जमा कचरा, प्लास्टिक वेस्ट और अनुपयोगी स्क्रैप को हटाया गया। अभियान के तहत ट्रैक किनारे उगी अनावश्यक झाड़ियों और वनस्पतियों की कटाई कर सफाई की गई। इससे ट्रैक क्षेत्र की स्वच्छता और दृश्यता बेहतर होने के साथ सिग्नल साइटिंग में भी सुविधा मिलेगी। वहीं, कचरे और झाड़ियों के जमाव से कीट-पतंगों, चूहों तथा अन्य जीव-जंतुओं के पनपने की संभावना को कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा लेवल क्रॉसिंग, गेट लॉज, केबिन तथा ट्रैक किनारे स्थित रेलकर्मियों के आवासीय क्षेत्रों के आसपास भी विशेष सफाई की गई। यहां जमा कचरे और अनुपयोगी सामग्री को हटाया गया। सोनपुर मंडल का उद्देश्य रेलवे ट्रैक और उसके आसपास स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करना है। नियमित और विशेष स्वच्छता अभियानों के माध्यम से यात्रियों, रेलकर्मियों और आम लोगों के लिए बेहतर स्वच्छता व्यवस्था उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। मंडल द्वारा स्वच्छ रेलवे, स्वच्छ परिसर और स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प के साथ स्वच्छता गतिविधियों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

कचरा प्रबंधन और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर टीम ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सिटीज 2.0 परियोजना के तहत शहर में कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को एएफडी, केएफडब्ल्यू और एनआईयूए की टीम ने रौतिनिया, चांदवारा और बाबा गरीबनाथ मंदिर क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया। टीम ने कचरा संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण, लीचेट प्रबंधन और प्रस्तावित विकास कार्यों की संभावनाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान टीम ने स्थानीय जरूरतों को देखते हुए मोबाइल एमआरएफ वाहन की व्यवस्था का सुझाव दिया। इससे सूखे कचरे को मौके पर अलग कर उपयोगी सामग्री को पुनर्चक्रण के लिए भेजने में मदद मिलेगी। कचरे से निकलने वाले गंदे पानी यानी लीचेट की उचित निकासी और प्रबंधन पर भी जोर दिया गया। टीम ने चिन्हित स्थलों को स्वच्छ और आकर्षक बनाने तथा जन-जागरूकता गतिविधियों को मजबूत करने की सलाह दी। सिटीज 2.0 के तहत होने वाले निर्माण कार्यों से पहले उनके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों की जांच करने पर भी जोर दिया गया। इसके बाद टीम ने नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह से मुलाकात कर सुझाव साझा किए। नगर आयुक्त ने कहा कि टीम के फीडबैक के आधार पर परियोजना के विभिन्न घटकों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

मादक पदार्थ कारोबार से जुड़े सात तस्करों की तलाश तेज

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सिकंदरपुर थाना पुलिस की गिरफ्त में आए पूर्वी चंपारण के मादक पदार्थ कारोबारी मनीष राज से पूछताछ में नेपाल से जुड़े नशे के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने सात बड़े तस्करों के नाम सामने आए हैं। पुलिस ने इनके मोबाइल नंबर भी जुटा लिए हैं। अब विशेष टीम आरोपितों की गतिविधियों और नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस के अनुसार, मनीष राज की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। चिन्हित आरोपितों के मोबाइल नंबरों का डिटेल भी खंगाला जा रहा है। जांच में सामने आया है कि नेपाल से मादक पदार्थों की खेप उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों तक पहुंचाई जाती थी। इसमें स्मैक सहित अन्य नशीले पदार्थ शामिल हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि खेप किन माध्यमों से विभिन्न जिलों तक पहुंचती थी और नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। एक दिन पहले सिकंदरपुर थाना पुलिस ने छापेमारी कर मनीष राज को गिरफ्तार किया था। उसके पास से 45 पुड़िया गांजा, 50 पुड़िया स्मैक और 12 डब्बा कोटा मादक पदार्थ बरामद किया गया था। पूछताछ में उसके तार नेपाल के तस्करों से जुड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस मनीष के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है और इसके लिए मोतिहारी के विभिन्न थानों से संपर्क किया गया है।सितंबर में मादक पदार्थ के खिलाफ चले अभियान के दौरान उत्तर बिहार में दो दर्जन से अधिक धंधेबाजों की गिरफ्तारी हुई थी। अब पुलिस नए खुलासे के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने में जुटी है।

एमडीडीएम कॉलेज में राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के तहत पोस्टर प्रस्तुति

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। महंत दर्शन दास महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग में मंगलवार को राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह के तहत पोस्टर प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है।कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अलका जायसवाल ने कहा कि राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि वन हैं तो हम हैं, इसलिए पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक होना जरूरी है। जंतु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने स्वागत भाषण में कहा कि वन्यजीव सप्ताह का उद्देश्य खंडित वनों और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को आपस में जोड़ना है, ताकि वन्यजीव सुरक्षित रूप से आवागमन कर सकें और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को बढ़ावा मिले। उन्होंने बताया कि 8 अक्टूबर तक विभाग में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें जंतु विज्ञान की छात्राएं सक्रिय रूप से भाग लेंगी। कार्यक्रम में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं ने वन्यजीव संरक्षण से संबंधित आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों एवं प्राध्यापिकाओं ने पोस्टरों का अवलोकन कर छात्राओं के प्रयासों की सराहना की। मंच संचालन डॉ. पल्लवी कुमारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रचना कुमारी ने किया। मौके पर छात्राएं, विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

कांटी में निजी बैंकिंग कर्मी से दिनदहाड़े 1.30 लाख की लूट, बाइक भी ले गए अपराधी

मुजफ्फरपुर। कांटी नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-24 में कांटी थर्मल पावर प्लांट से प्रखंड चौक जाने वाले मार्ग पर रातल मैदान के समीप मंगलवार को दिनदहाड़े हथियारबंद अपराधियों ने एक निजी बैंकिंग कर्मी से करीब 1.30 लाख रुपये लूट लिए। अपराधी पीड़ित की बाइक, टैब और अन्य सामान भी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।बताया गया कि निजी बैंकिंग कर्मी अमित कुमार उक्त मार्ग से जा रहे थे। इसी दौरान दो से तीन अपराधियों ने पिस्टल का भय दिखाकर उन्हें रोक लिया और रुपये व अन्य सामान लूटने के बाद उनकी बाइक लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी मौके पर पहुंचीं और पीड़ित अमित कुमार से घटना की जानकारी ली। उन्होंने कांटी थानेदार रविकांत पाठक समेत पुलिस अधिकारियों को अपराधियों की पहचान कर कार्रवाई के निर्देश दिए।पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान भी चलाया गया। एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों की पहचान की जा रही है। उनकी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी और मामले में शीघ्र सफलता मिलने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ में अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन शहरों के समग्र विकास पर हुआ मंथन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन 2026 में देशभर से आए महापौरों के साथ मुजफ्फरपुर की महापौर निर्मला देवी साहू ने भी सहभागिता की। सम्मेलन में नगरीय विकास, नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, आधुनिक शहरों की आवश्यकताओं और शहरों के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन की मेजबानी चंडीगढ़ के महापौर सौरव जोशी ने की।

देश के विभिन्न शहरों से पहुंचे महापौरों ने अपने-अपने शहरों में किए जा रहे विकास कार्यों, नवाचारों और नागरिक सुविधाओं से जुड़े अनुभव साझा किए। सम्मेलन के दौरान स्वच्छ और आधुनिक शहरों के निर्माण, नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा बदलती शहरी जरूरतों के अनुरूप विकास की योजनाओं पर विशेष चर्चा हुई। महापौरों ने शहरों की समस्याओं के समाधान और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग को लेकर भी अपने सुझाव रखे। महापौर निर्मला देवी साहू ने कहा कि देशभर के महापौरों का एक मंच पर जुटना नगरीय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजनों में अनुभव और सुझावों के आदान-प्रदान से शहरों के विकास के लिए नई संभावनाएं सामने आती हैं तथा बेहतर कार्ययोजनाएं तैयार करने में मदद मिलती है।

म्यांमार से भारत तक फैली नशे की चेन पर सख्त निगरानी जरूरी

मिजोरम में म्यांमार से लगी लंबी खुली सीमा के कारण मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर चुनौती बनती जा रही है। सीमा से लगे जंगलों और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर तस्कर हेरोइन और मेथाम्फेटामाइन जैसे मादक पदार्थ भारत में पहुंचाने की कोशिश करते हैं। उपलब्ध जांच और जब्ती के आंकड़े इस समस्या की गंभीरता को सामने रखते हैं। बीते आठ महीनों में 846 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की ड्रग्स जब्त किए गए और 930 लोगों की गिरफ्तारी से स्पष्ट है कि यह कारोबार किसी छोटे गिरोह तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय है। म्यांमार से आने वाले मादक पदार्थों के लिए मिजोरम का भौगोलिक क्षेत्र महत्वपूर्ण मार्ग बन गया है। लगभग 510 किलोमीटर लंबी सीमा का बड़ा हिस्सा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाला है। पहाड़ी इलाकों, जंगलों और सीमावर्ती गांवों के बीच तस्कर ऐसे रास्तों का इस्तेमाल करते हैं, जहां लगातार निगरानी करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यही कारण है कि सीमा सुरक्षा के साथ-साथ सीमा से जुड़े गांवों और अंदरूनी इलाकों में भी निगरानी व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है। जांच में सामने आई तस्वीर का दूसरा पहलू भी चिंताजनक है। तस्करी की यह व्यवस्था केवल म्यांमार से भारत में ड्रग्स लाने तक सीमित नहीं बताई जा रही है। भारत से कुछ रासायनिक पदार्थ म्यांमार तक पहुंचाए जाने और वहां अवैध प्रयोगशालाओं में उनका इस्तेमाल कर मादक पदार्थ तैयार किए जाने के आरोप भी जांच में सामने आए हैं। इसके बाद तैयार नशीले पदार्थों को फिर भारत में लाने की कोशिश की जाती है। इस तरह कच्चे माल और तैयार नशीले पदार्थों की आवाजाही वाली दोतरफा आपूर्ति शृंखला तैयार हो जाती है। इस पूरे नेटवर्क को आर्थिक रूप से चलाने के लिए हवाला, म्यूल खातों और सामने से सामान्य दिखाई देने वाली कंपनियों का इस्तेमाल किए जाने की बात भी जांच एजेंसियों के सामने आई है। अलग-अलग लोगों के नाम पर बैंक खाते खोलकर उनमें रकम जमा की जाती और फिर तेजी से दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दी जाती है। इससे धन के वास्तविक स्रोत और अंतिम लाभार्थी तक पहुंचना कठिन हो जाता है। कुछ मामलों में बड़ी रकम के लेन-देन के संकेत मिलने से यह भी पता चलता है कि मादक पदार्थों का कारोबार केवल सड़क स्तर के तस्करों तक सीमित नहीं है। म्यांमार के एक आरोपी से जुड़े बैंक खातों में करोड़ों रुपए की संदिग्ध राशि और उसके बाद जांच एजेंसी की कार्रवाई इस आर्थिक नेटवर्क की गंभीरता को दर्शाती है। संपत्ति और बैंक खातों की कुर्की जैसी कार्रवाई का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि मादक पदार्थों के कारोबार पर केवल जब्ती और गिरफ्तारी से पूरी तरह रोक लगाना कठिन है। जब तक इस कारोबार को आर्थिक रूप से कमजोर नहीं किया जाएगा, तब तक नए लोग और नए माध्यम इस अवैध धंधे में शामिल होते रहेंगे। सबसे गंभीर चिंता इसका युवाओं पर पड़ने वाला प्रभाव है। नशीले पदार्थों की उपलब्धता बढ़ने से केवल कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं होती, बल्कि परिवार, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक वातावरण भी प्रभावित होते हैं। नशे की गिरफ्त में आने वाला युवा अपनी पढ़ाई और काम से दूर हो सकता है तथा उसका भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए ड्रग्स के खिलाफ अभियान को केवल सीमा सुरक्षा या पुलिस की कार्रवाई तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक जागरूकता और युवाओं की भागीदारी से जोड़ना आवश्यक है। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि जब सीमा पर सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियां लगातार निगरानी करती हैं, तब इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ सीमा पार करके देश के भीतर कैसे पहुंच जाते हैं। इसका उत्तर केवल सीमा पर तैनात जवानों की संख्या बढ़ाने में नहीं है। तकनीकी निगरानी, संदिग्ध मार्गों की पहचान, खुफिया सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय भी उतना ही जरूरी है। सीमा की संवेदनशीलता को देखते हुए निगरानी व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही तस्करों के लिए अवसर बन सकती है। सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले जवानों और अधिकारियों से पूरी सतर्कता, निष्पक्षता और जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को भी इस लड़ाई का भागीदार बनाया जाना चाहिए। ग्रामीणों को तस्करी के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के सुरक्षित माध्यम उपलब्ध कराने से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सकती है।

सीट नहीं, सियासी जीत की लड़ाई, कांग्रेस-सपा को गठबंधन के भीतर विश्वास की जरूरत

सौरभ वार्ष्णेय

समझ नहीं आता कि राजनीतिक पार्टी हर बार चुनाव से पहले कसमस में क्यों उलझ कर रह जाती है। जहां एक ओर आगामी युवा देश की कमान ऐसे नेता को सौंपना चाहता है जो उनका नेतृत्व कर सकें। वहीं चुनाव पूर्व रणनीति को समझने की जगह जनता के सेंटीमेंट को समझ ही नहीं पा रही ? फिर चुनाव बाद पश्याताप करते दिखाई हैं जैसे ममता दीदी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढने के साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर जिस तरह की खींचतान सामने आ रही है, उसने विपक्षी एकता के दावों की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर दोनों दल भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले मजबूत राजनीतिक चुनौती पेश करने की तैयारी में जुटे हैं, दूसरी ओर गठबंधन के भीतर सीटों की संख्या, राजनीतिक प्रभाव और नेतृत्व की प्राथमिकताओं को लेकर असहजता लगातार सामने आ रही है। सवाल केवल यह नहीं है कि सपा कितनी सीटें चाहती है और कांग्रेस कितनी सीटों पर दावा कर रही है। असली सवाल यह है कि क्या दोनों दल उस राजनीतिक समझ और परिपक्वता का परिचय दे पाएंगे, जिसकी अपेक्षा एक प्रभावी गठबंधन से की जाती है ? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि ह्लबात सीट की नहीं, जीत की हैह्व इसके मायने अलग हैं वह समझ रहे है कि बिना गंठबंधन के कुछ नहीं हो सकता ? इस पूरे विवाद के बीच महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है। उन्होंने गठबंधन की जीत को सीटों की संख्या से ऊपर रखते हुए कहा कि मकसद स्पष्ट हो तो साथ मिलकर मंजिल हासिल की जा सकती है। उनका यह संदेश सपा-कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच एक तरह से राजनीतिक संयम की अपील भी है। लेकिन राजनीति में केवल संदेश काफी नहीं होते। संदेश को जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति और संगठनात्मक क्षमता भी चाहिए। यही वह बिंदु है जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनावी गठबंधन कोई ऐसा समझौता नहीं होता जिसमें केवल सीटों का गणित बैठा दिया जाए। गठबंधन का अर्थ है कि एक-दूसरे के राजनीतिक अस्तित्व का सम्मान, साझा रणनीति, कार्यकताओं के बीच समन्वय और मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश। यदि शीर्ष नेतृत्व मंच पर एकता की बात करे, लेकिन स्थानीय स्तर पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ बयान दें, तो जनता के बीच गठबंधन की विश्वसनीयता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी। उत्तर प्रदेश में यह खतरा और भी बड़ा है, क्योंकि यहां चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों के बीच भी लड़ा जाता है। प्रत्येक सीट का अपना अलग सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और राजनीतिक इतिहास होता है। ऐसे में केवल सीटों की संख्या के आधार पर फामूर्ला तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा। यह देखना होगा कि किस क्षेत्र में किस दल का संगठन मजबूत है, किस उम्मीदवार की स्वीकार्यता अधिक है और कौन-सा प्रत्याशी विपक्षी मतों को एकजुट कर सकता है। यही वह व्यावहारिक राजनीति है जिसे समझे बिना गठबंधन का गणित कागज पर तो सुंदर दिखाई दे सकता है, लेकिन चुनावी मैदान में बिखर सकता है। भाजपा ने सपा-कांग्रेस के बीच जारी मतभेदों को अपने राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का गठबंधन को ह्ललठबंधनह्व कहना इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा के लिए विपक्षी गठबंधन के भीतर का प्रत्येक मतभेद राजनीतिक अवसर है। विपक्ष जितना अधिक एक-दूसरे के खिलाफ बोलेगा, भाजपा उतना ही यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि उसके सामने खड़ा गठबंधन सत्ता का विकल्प बनने से पहले ही आपसी संघर्ष में उलझ गया है। भाजपा के खिलाफ लड़ाई केवल चुनावी भाषणों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए विपक्षी दलों को अपने भीतर की कमजोरियों पर भी विजय हासिल करनी होगी। यह विडंबना है कि जो दल लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और जनहित के बड़े मुद्दों को लेकर एक मंच पर आने की बात करते हैं, वे स्वयं सीटों के प्रश्न पर सार्वजनिक असहमति का प्रदर्शन करने लगें।

एकता की ताकत से जैविक खेती बनी किसानों की नई आर्थिक पहचान

जहां शुरूआत में एफपीओ का कारोबार लगभग 26 लाख रुपए था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपए तक पहुंच गया है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों में हुई बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसानों की सोच में आए बदलाव की कहानी भी है। किसानों ने समझा है कि यदि वे अपनी उपज को अलग-अलग बेचने के बजाय सामूहिक रूप से बाजार तक पहुंचाएं, तो बिचौलियों पर निर्भरता कम हो सकती है और उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। जैविक खेती इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। आज रासायनिक खेती से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। मिट्टी की उर्वरता, पानी की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

खेती को केवल परंपरागत रूप से परिवार चलाने का साधन मानने के बजाय यदि उसे संगठित कारोबार का स्वरूप दिया जाए, तो किसान अपनी मेहनत का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के करेली क्षेत्र के 49 गांवों के 1,637 किसानों ने सामूहिक प्रयास से इसका प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया है। किसानों ने पूजा शक्ति फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन के माध्यम से खेती, प्रसंस्करण और विपणन को एक साथ जोड़कर यह साबित किया है कि एकता और संगठन के बल पर कृषि को लाभ का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस पूरी पहल में जैविक खेती को विशेष स्थान दिया गया है। किसानों के इस संगठन का कारोबार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। जहां शुरूआत में एफपीओ का कारोबार लगभग 26 लाख रुपए था, वहीं अब यह बढ़कर करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपए तक पहुंच गया है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों में हुई बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि इसके पीछे किसानों की सोच में आए बदलाव की कहानी भी है। किसानों ने समझा है कि यदि वे अपनी उपज को अलग-अलग बेचने के बजाय सामूहिक रूप से बाजार तक पहुंचाएं, तो बिचौलियों पर निर्भरता कम हो सकती है और उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकता है। जैविक खेती इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। आज रासायनिक खेती से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। मिट्टी की उर्वरता, पानी की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जैविक खेती का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसान भी अब धीरे-धीरे जैविक खेती की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जैविक खेती केवल उत्पादन की पद्धति नहीं, बल्कि कृषि को टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसान प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर खेती कर सकते हैं और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों के लिए अलग बाजार तैयार कर सकते हैं। पूजा शक्ति एफपीओ ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों की उपज को बाजार से जोड़ने का काम किया है। संगठन के माध्यम से हाथ चक्की की दाल, जैविक गुड़ तथा रबी और खरीफ की विभिन्न उपज से संबंधित गतिविधियां की जा रही हैं। पिछले दो वर्षों से शासन की ओर से समर्थन मूल्य पर मसूर और सोयाबीन की खरीदी भी की गई है। इससे किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ता और सामूहिक व्यवस्था के माध्यम से उन्हें बेहतर अवसर मिलते हैं। इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि किसान अब केवल उपज पैदा करने तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे बीज से लेकर प्रसंस्करण और बाजार तक अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं। यही सोच कृषि क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। किसान यदि अपनी उपज को प्रसंस्कृत करके बाजार में पहुंचाते हैं, तो कच्ची उपज की तुलना में अधिक मूल्य प्राप्त करने की संभावना बढ़ती है। महिलाओं द्वारा हाथ चक्की से अरहर की दाल तैयार करना इसी दिशा में आत्मनिर्भरता का उदाहरण है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए भी रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। एफपीओ के कारोबार में लगातार हुई वृद्धि यह बताती है कि सामूहिक विपणन किसानों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। अकेला किसान बाजार में सीमित मात्रा की उपज लेकर जाता है तो उसकी सौदेबाजी की क्षमता कम होती है। इसके विपरीत जब सैकड़ों किसान एक संगठन के माध्यम से अपनी उपज बाजार तक पहुंचाते हैं, तो उनकी सामूहिक शक्ति बढ़ती है। खरीदी, बिक्री, प्रसंस्करण और विपणन की बेहतर व्यवस्था से लागत कम करने और मूल्य बढ़ाने के अवसर मिलते हैं। पिछले वर्ष एफपीओ ने पहली बार अपने सदस्य किसानों को लाभांश भी वितरित किया। प्रति सदस्य 500 रुपए की दर से कुल 8 लाख 18 हजार 500 रुपए का लाभांश दिया गया। यह उपलब्धि किसानों के लिए विशेष महत्व रखती है। लाभांश का वितरण केवल आर्थिक लाभ का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि किसान संगठन यदि पारदर्शिता और मेहनत के साथ काम करे तो सदस्य किसानों को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचा सकता है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह मॉडल और भी महत्वपूर्ण है। ऐसे किसान अक्सर अपनी उपज को तुरंत बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं और उन्हें बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। सामूहिक संगठन उन्हें बाजार की जानकारी, सामूहिक खरीद और बिक्री तथा प्रसंस्करण जैसी सुविधाओं से जोड़ सकता है। इससे छूटकर खरीद में कम दाम मिलने की समस्या भी घट सकती है। किसानों को अपनी उपज का मूल्य तय करने में अधिक मजबूती मिलती है और उनकी निर्भरता बिचौलियों पर कम होती है। नरसिंहपुर जिले में 18 किसान उत्पादक संगठनों का काम करना इस दिशा में उत्साहजनक संकेत है।

सीमा पार अपराध और आर्थिक नेटवर्क की चुनौती है नेपाल सीमा

सीमा के आर-पार वैध व्यापार, रोजगार, पारिवारिक संपर्क और सामाजिक संबंधों के साथ-साथ कानूनों और सीमा प्रबंधन के प्रावधान भी लागू होते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब इसी सहज आवागमन का इस्तेमाल किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा किया जाता है। किसी व्यक्ति का सामान्य आवागमन अपने आप में संदेह का आधार नहीं हो सकता है, लेकिन यदि उसके साथ अवैध धन, मादक पदार्थ, तस्करी, फर्जी दस्तावेज या संगठित अपराध का नेटवर्क जुड़ा हो तो मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर हो जाता है। यही कारण है कि नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का मूल सिद्धांत सामान्य नागरिकों की आवाजाही को बाधित किए बिना संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत और नेपाल के बीच संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के राजनयिक संबंधों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक और आर्थिक रिश्ते हैं। सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के बीच आवागमन और संपर्क सामान्य जीवन का हिस्सा रहा है। यही कारण है कि भारत-नेपाल सीमा को दुनिया की विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में गिना जाता है। लेकिन जिस खुली सीमा ने दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तों को सहज बनाया है, उसी व्यवस्था का दुरुपयोग आपराधिक और राष्ट्रविरोधी नेटवर्क करने की कोशिश कर सकते हैं। भारत और नेपाल के बीच लगभग 1,751 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से होकर गुजरती है। गृह मंत्रालय के अनुसार यह भारत की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में शामिल है। यह सीमा पारंपरिक अर्थों में पूरी तरह बाड़ से घिरी सीमा जैसी नहीं है। इसलिए इसकी सुरक्षा का स्वरूप भी अलग है। यहां चुनौती केवल घुसपैठ रोकने की नहीं है, बल्कि वैध आवाजाही और अवैध गतिविधियों के बीच अंतर करने की है। यही वजह है कि नेपाल सीमा की संवेदनशीलता को समझने के लिए सुरक्षा के साथ-साथ अर्थव्यवस्था, स्थानीय सामाजिक तंत्र, व्यापार, तस्करी और वित्तीय अपराधों को भी समझना जरूरी है। भारत-नेपाल सीमा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी खुली प्रकृति है। दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही का ऐतिहासिक और संस्थागत आधार है। भारत सरकार के दस्तावेजों में भी भारत-नेपाल सीमा को खुली सीमा के रूप में वर्णित किया गया है। गृह मंत्रालय ने अतीत में स्पष्ट किया है कि इस सीमा की खुली प्रकृति के कारण आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा इसके दुरुपयोग को रोकना एक सुरक्षा चुनौती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि खुली सीमा का अर्थ कानूनविहीन सीमा नहीं है। सीमा के आर-पार वैध व्यापार, रोजगार, पारिवारिक संपर्क और सामाजिक संबंधों के साथ-साथ कानूनों और सीमा प्रबंधन के प्रावधान भी लागू होते हैं। समस्या तब पैदा होती है जब इसी सहज आवागमन का इस्तेमाल किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा किया जाता है। किसी व्यक्ति का सामान्य आवागमन अपने आप में संदेह का आधार नहीं हो सकता है, लेकिन यदि उसके साथ अवैध धन, मादक पदार्थ, तस्करी, फर्जी दस्तावेज या संगठित अपराध का नेटवर्क जुड़ा हो तो मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर हो जाता है। यही कारण है कि नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का मूल सिद्धांत सामान्य नागरिकों की आवाजाही को बाधित किए बिना संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना है। नेपाल सीमा की भौगोलिक प्रकृति भी इसकी सुरक्षा को जटिल बनाती है। यह सीमा पांच राज्यों से जुड़ी है और प्रत्येक क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक तथा भौगोलिक परिस्थितियां अलग हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार 1,751 किलोमीटर की सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से लगती है। कहीं पहाड़ी क्षेत्र हैं, कहीं मैदानी इलाका है तो कहीं घनी आबादी तथा व्यापारिक गतिविधियां सीमा के बेहद करीब हैं। बिहार में तो सीमा के दोनों ओर लंबे समय से सामाजिक और आर्थिक संपर्क कायम है। इस तरह की सीमा पर केवल चौकियां बढ़ा देना पर्याप्त नहीं होता है। सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय जानकारी, तकनीक, खुफिया सूचनाओं, पुलिस-प्रशासन के समन्वय और दोनों देशों की एजेंसियों के बीच सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा में सशस्त्र सीमा बल यानि एसएसबी की प्रमुख भूमिका है। एसएसबी को भारत-नेपाल सीमा के लिए लीड इंटेलिजेंस एजेंसी की जिम्मेदारी भी दी गई है। उसके आधिकारिक विवरण के अनुसार बल का दायित्व सीमापार अपराध, अनधिकृत प्रवेश या निकास, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना है। इससे स्पष्ट होता है कि सीमा सुरक्षा केवल हथियारबंद निगरानी तक सीमित नहीं है। एसएसबी को स्थानीय लोगों के साथ संपर्क बनाए रखने, सूचनाएं जुटाने और सीमापार अपराधों को रोकने की जिम्मेदारी भी निभानी होती है। नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले सामान्य लोगों की गतिविधियों और संगठित अपराधियों की गतिविधियों में अंतर किया जाए। खुली सीमा का दुरुपयोग केवल वित्तीय अपराधों तक सीमित नहीं है। तस्करी और मादक पदार्थों की आवाजाही भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती रही है। गृह मंत्रालय के एक आधिकारिक अध्ययन में भारत-नेपाल सीमा की खुली और अपेक्षाकृत पारगम्य प्रकृति को मादक पदार्थों की सीमापार तस्करी के लिए चुनौती बताया गया है। इसमें रुपईडीहा-नेपालगंज जैसे व्यापार एवं आवागमन मार्गों का उल्लेख भी मिलता है। मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध धन का संबंध भी कई मामलों में सामने आता है। किसी संगठित नेटवर्क के लिए केवल सामान को एक देश से दूसरे देश पहुंचाना ही उद्देश्य नहीं होता; उसके पीछे धन का संग्रह, भुगतान, निवेश और धन को वैध दिखाने की प्रक्रिया भी हो सकती है। यहीं से सीमा सुरक्षा और वित्तीय निगरानी एक-दूसरे से जुड़ जाती है। हवाला का मूल उद्देश्य औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर धन का हस्तांतरण करना होता है। जब इसका इस्तेमाल वैध व्यापार या पारिवारिक जरूरतों के बजाय अपराध से अर्जित धन को एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो यह गंभीर वित्तीय अपराध का रूप ले सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में नकदी का असामान्य आवागमन, संदिग्ध खातों के बीच लेन-देन, ऐसे कारोबार जिनका वास्तविक आर्थिक आधार स्पष्ट नहीं हो और अलग-अलग व्यक्तियों के बीच असामान्य वित्तीय संबंध, ये सभी संकेत जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं। हालांकि, केवल अचानक किसी व्यक्ति के खाते में बड़ी रकम आने या किसी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधि बढ़ने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि वह गतिविधि अवैध है। इसके लिए दस्तावेज, लेन-देन का स्रोत, कारोबारी गतिविधि और संबंधित व्यक्तियों के बीच संबंधों की जांच आवश्यक होती है। यही फर्क खुफिया निगरानी और सामान्य धारणा के बीच है। आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था में अपराधियों का पीछा केवल सीमा पर नहीं किया जाता है। धन जिस रास्ते से चलता है, उसकी निगरानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यदि किसी आपराधिक नेटवर्क के पास धन का मजबूत स्रोत है, तो वह परिवहन, संचार, लोगों की भर्ती, तस्करी और दूसरे गैरकानूनी कार्यों को जारी रख सकता है। इसके विपरीत, धन के स्रोत और प्रवाह पर चोट करने से पूरे नेटवर्क की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसी कारण वित्तीय खुफिया जानकारी और बैंकिंग लेन-देन से जुड़ी सूचनाएं सुरक्षा तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं।

वन्यजीव संरक्षण: प्रकृति के साथ भविष्य की सुरक्षा

वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है।

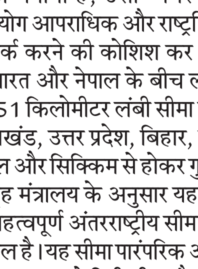

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

वन्यजीव किसी देश की प्राकृतिक संपदा भर नहीं होते, बल्कि वे उसके पारिस्थितिक तंत्र की जीवंत कड़ियाँ हैं। जंगल, घासभूमि, आर्द्रभूमि, नदियाँ और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र तभी संतुलित रह सकते हैं, जब उनमें रहने वाली विभिन्न प्रजातियाँ सुरक्षित रहें। भारत जैव-विविधता की दृष्टि से दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में शामिल है। यहाँ हिमालय से लेकर पश्चिमी घाट, थार के मरुस्थल से लेकर सुंदरबन और अंडमान-निकोबार तक विविध प्रकार के आवास पाए जाते हैं। ऐसे में वन्यजीव संरक्षण केवल कुछ दुर्लभ प्रजातियों को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों और मानव जीवन की सुरक्षा का भी प्रश्न है। राजस्थान में कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण को वैज्ञानिक तरीके से पुनः प्राकृतिक आवास में स्थापित करने के प्रयास इस बात का उदाहरण हैं कि भारत अब संरक्षण में पारंपरिक उपायों के साथ वैज्ञानिक हस्तक्षेपों को भी महत्व दे रहा है। वन्यजीव संरक्षण का पहला और सबसे स्पष्ट महत्व जैव-विविधता की रक्षा है। प्रत्येक प्रजाति पारिस्थितिक तंत्र में किसी न किसी भूमिका का निर्वहन करती है। किसी प्रजाति का विलुप्त होना केवल एक जीव के समाप्त होने की घटना नहीं होती, बल्कि उसके साथ जुड़ी अनेक जैविक प्रक्रियाएँ भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसी गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजाति का संरक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके अस्तित्व के साथ उसके पूरे घासभूमि आवास का संरक्षण जुड़ा हुआ है। इसी प्रकार बाघ के संरक्षण ने भारत में बड़े वन क्षेत्रों, शिकार प्रजातियों और संपूर्ण खाद्य-श्रृंखला की सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। इसलिए किसी ह्यछत्र प्रजातिह्व का संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों के लिए भी सुरक्षा कवच बन सकता है। वन्यजीव पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिकारी प्रजातियाँ शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करती हैं, परागणकर्ता पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं और अनेक पक्षी तथा छोटे जीव बीजों के प्रसार में योगदान देते हैं। यदि खाद्य-श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी कमजोर हो जाए तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है। स्वस्थ वन और घासभूमियाँ जल संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने और कार्बन को अवशोषित करने में भी योगदान देती हैं। इस प्रकार वन्यजीव संरक्षण जलवायु और पर्यावरणीय सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है। वन्यजीवों का संरक्षण मानव समाज के लिए अनेक पारिस्थितिकी सेवाएँ भी सुनिश्चित करता है। वनों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जल को संचित करने, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण और तापमान को संतुलित करने में सहायता करता है। मधुमक्खियों, तितलियों और अन्य परागणकताओं का संरक्षण कृषि उत्पादकता से जुड़ा है। इसी प्रकार प्राकृतिक आवास कार्बन भंडारण में योगदान देकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में सहायता करते हैं। इसलिए प्रकृति की रक्षा को केवल पर्यावरणीय दायित्व समझना पर्याप्त नहीं; यह खाद्य, जल और आजीविका की सुरक्षा का भी आधार है। वन्यजीव संरक्षण का आर्थिक महत्व भी कम नहीं है। राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य और टाइगर रिजर्व प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर पैदा होते हैं। यदि पर्यटन का विकास स्थानीय लोगों की भागीदारी और पर्यावरणीय सीमाओं के अनुरूप किया जाए तो संरक्षण और आजीविका एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके अतिरिक्त वन्यजीव भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का हिस्सा हैं। आने वाली पीढ़ियों को बाघ, हाथी, गोडावण, गैंडा, सिंह और अनेक पक्षी-प्रजातियाँ उसी प्राकृतिक परिवेश में दिखाई दें, यह हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है। हालाँकि वन्यजीव संरक्षण के सामने चुनौतियाँ गंभीर हैं। सबसे बड़ी चुनौती आवासों का क्षरण और विखंडन है। बढ़ती आबादी, कृषि विस्तार, खनन, सड़क, रेल, उद्योग और अन्य आधारभूत परियोजनाओं के कारण वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। अलग-अलग हिस्सों में बँट चुके जंगल जानवरों की आवाजाही और प्रजनन को प्रभावित करते हैं। विशेष रूप से हाथी, बाघ और तेंदुए जैसी बड़ी प्रजातियों के लिए वन्यजीव गलियारों का सुरक्षित रहना आवश्यक है। आधुनिक आधारभूत ढाँचा विकास के साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है। सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, विद्युत लाइनों से टकराव तथा ऊर्जा अवसंरचना कई पक्षी और अन्य वन्यजीव प्रजातियों के लिए खतरा बन सकती है। ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके संरक्षण के लिए केवल पक्षियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; उसके प्राकृतिक आवास में मौजूद खतरों को भी कम करना होगा। इससे स्पष्ट होता है कि संरक्षण नीति को प्रजाति-केंद्रित होने के साथ-साथ लैंडस्केप-केंद्रित भी होना चाहिए। मानव-वन्यजीव संघर्ष भी संरक्षण के सामने बड़ी चुनौती है। जब हाथी खेतों में प्रवेश करते हैं, तेंदुए आबादी के निकट दिखाई देते हैं या जंगली जानवर फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं, तो स्थानीय लोगों के सामने वास्तविक आर्थिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यदि संरक्षण का लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुँचता, तो संरक्षण के प्रति असंतोष पैदा हो सकता है। इसी तरह अवैध शिकार और वन्यजीवों की तस्करी कुछ प्रजातियों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और जटिल बनाता है क्योंकि तापमान और वर्षा के बदलते पैटर्न से कई प्रजातियों के पारंपरिक आवास प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

युवा क्रांति रोटी बैंक ने 8वीं वर्षगांठ पर किया रक्तदान शिविर का आयोजन

छपरा। शहर की समाजसेवी संस्था युवा क्रांति रोटी बैंक पिछले आठ वर्षों से हर शाम जरूरतमंदों के नाम के संकल्प के साथ छपरा जंक्शन परिसर में लावारिस और बेसहारा लोगों को भोजन करा रही है। भोजन के साथ-साथ संस्था द्वारा समय-समय पर मेडिकल कैंप, दवाइयों और कपड़ों का भी वितरण किया जाता है। संस्था हर साल अपनी वर्षगांठ पर सामाजिक सेवा कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसी कड़ी में 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक श्री. विजय राज ने कहा कि आठ साल बेमिसाल रहे, छपरा के लोगों के सहयोग से ये सेवा लगातार जारी है। अध्यक्ष नीटू गुप्ता ने कहा कि रक्तदान महादान है। जब भी किसी जरूरतमंद को रक्त की आवश्यकता पड़ती है तो हमारी टीम द्वारा ब्लड बैंक से रक्त उपलब्ध कराया जाता है उपाध्यक्ष बिंदिया जायसवाल ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी महिलाओं ने रक्तदान में अहम भूमिका निभाई इस अवसर पर अध्यक्ष नीटू गुप्ता, सीमा जयसवाल, अमिता श्रीवास्तव, पूर्णिमा यादव, बबली सिंह, निशांत गुप्ता, संतोष सिंह, मुरारी कुमार और सौरव श्रीवास्तव ने रक्तदान कर समाज को मानवता का संदेश दिया।

कीचड़ नहीं उठाने से हलकान है मोहन नगरवासी

छपरा। एक महीने के घुटनों तक जलजमाव के बीच अब आज मोहन नगर में वार्ड आयुक्त द्वारा नाले की सफाई तो कराई। गयी किन्तु कीचड़ निकाल कर वहीं रख दिया गया है, जो गाड़ियों के आवागमन के कारण पुनः नाले में ही चला जा रहा है। नागरिकों द्वारा इसे लगे हाथों कढ़ाही और ट्रैक्टर से उठवा लेने का लाख अनुरोध करने पर भी आयुक्त ने मना कर दिया। मुहल्ले के नागरिकों साहित्यकार अविनाश नागवंशी, अधिवक्ता राजेश कुमार द्विवेदी, अविनाश शंकर, प्रकाश मोहन अरविंद सिंह, डा वीरेंद्र कुमार पांडेय आदि ने नगर निगम के मेयर, कमिश्नर एवं जिला प्रशासन से इस कीचड़ को अविलंब उठवा कराने की मांग की है।

बाढ़ पीड़ितों के बीच चूड़ा, मीठा चूड़ा व मोमबत्ती का वितरण

पानापुर (सारण)। प्रखंड क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ के बीच सामाजिक सहयोग का सिलसिला जारी है। बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए ड्राईवर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष सुनील यादव एवं पानापुर प्रखंड अध्यक्ष गणेश यादव के नेतृत्व में राहत सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच चूड़ा, मीठा चूड़ा, मोमबत्ती सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गयी। राहत सामग्री मिलने पर बाढ़ प्रभावित लोगों ने सहयोग के लिए आभार जताया। इस मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ा होना सभी की जिम्मेदारी है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में आगे भी जरूरत के अनुसार राहत सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए लगातार संचालित हो रहे सामुदायिक किचेन

छपरा सदर। बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन, सारण द्वारा विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक किचेन लगातार संचालित किए जा रहे हैं। इन सामुदायिक किचेन के माध्यम से जरूरतमंद एवं प्रभावित लोगों को नियमित रूप से भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि कठिन परिस्थितियों में किसी भी परिवार को भोजन की परेशानी न हो। जिला प्रशासन द्वारा सामुदायिक किचेन की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है तथा प्रभावित लोगों की जरूरतों के अनुसार आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। राहत, बचाव एवं भोजन उपलब्ध कराने का कार्य लगातार जारी है, ताकि बाढ़ प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता समय पर मिल सके।

बाढ़ में डूबे किशोर के परिवार को मिली राहत

पानापुर (सारण)। प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ के पानी में डूबने से हुई 11 वर्षीय किशोर किशन कुमार की मौत के बाद मंगलवार को उसके परिजन को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की सहायता राशि दी गयी। अंचलाधिकारी अजय कुमार ने मृत किशोर की माँ मंजू देवी को चार लाख रुपये का चेक सौंपा। जानकारी के अनुसार, शनिवार की दोपहर शहवाजपुर गांव के समीप बाढ़ के पानी में डूबने से रसौली दर्जी टोला निवासी किशन कुमार की मौत हो गयी थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया था। मंगलवार को समाजसेवी जितेंद्र सिंह और भाजपा नेता कुंदन सिंह की मौजूदगी में सीओ अजय कुमार ने मृतक की मां को आपदा राहत राशि का चेक प्रदान किया। आर्थिक सहायता मिलने से शोकाकुल परिवार को कुछ आर्थिक संबल मिला है। किशोर की मौत की सूचना के बाद तरैया विधायक जनक सिंह और राजद के वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह ने भी परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की थी।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंची रूढ़ि की टीम, घर-घर बांटा सूखा राशन और जरूरी सामान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले में बाढ़ की स्थिति के बीच राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। इसी क्रम में परसा और दरियापुर प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि की टीम ने पहुंचकर पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। परसा प्रखंड के माड़र और अन्याय पंचायत तथा दरियापुर प्रखंड के हारना और बारवे पंचायत के विभिन्न वार्डों में राहत सामग्री पहुंचाई गई। सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि के निर्देश पर सांसद प्रतिनिधि सह भाजपा नेता राकेश सिंह के नेतृत्व में राहत टीम बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंची।

टीम के सदस्यों ने कई इलाकों में घर-घर जाकर बाढ़ से प्रभावित परिवारों की स्थिति का जायजा लिया और उनकी जरूरतों की जानकारी ली। इस दौरान लोगों के बीच सूखा राशन, मैगी नूडल्स, बिस्किट, दूध पाउडर समेत अन्य जरूरी सामग्री वितरित की गई। बाढ़ के कारण कई परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों और आश्रय स्थलों में शरण लेनी पड़ी है। ऐसे परिवारों के बीच भी राहत टीम पहुंची और खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। राहत सामग्री मिलने के बाद पीड़ित परिवारों ने राहत की सांस ली। टीम के सदस्यों ने लोगों से उनकी परेशानियों के बारे में जानकारी लेते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

घर-घर पहुंचकर ली लोगों की समस्याओं की जानकारीः राहत वितरण के दौरान सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा कि बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि के निर्देश पर राहत कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ राहत सामग्री पहुंचाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच जाकर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से टीम लगातार प्रभावित पंचायतों और गांवों का दौरा कर रही है। इन्होंने कहा कि कई परिवार बाढ़ के कारण दैनिक जरूरतों के सामान के लिए परेशान हैं। ऐसे में सूखा राशन और जरूरी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराकर तत्काल राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर आगे भी उनके बीच राहत सामग्री पहुंचाने का काम जारी रहेगा।

समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं का भी मिल रहा सहयोगः राकेश सिंह ने बताया कि सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि के निर्देश पर समाजसेवी टुनटुन सिंह के अथक सहयोग से राहत कार्य को गति दी जा रही है। इस अभियान में भाजपा नेता संतोष शर्मा, लखिन्द्र पासवान, जितेंद्र गिरी, रौशन सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता और स्थानीय सहयोगी लगातार सक्रिय हैं।उन्होंने कहा कि राहत टीम के सदस्य बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचकर लोगों के बीच सामग्री का वितरण कर रहे हैं। जिन परिवारों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, वहां स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के सहयोग से राहत सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

आश्रय स्थलों पर रह रहे लोगों से भी मिलेः राहत टीम ने विभिन्न आश्रय स्थलों पर पहुंचकर वहां रह रहे बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात की। इस दौरान लोगों से भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा और अन्य आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली गई। टीम की ओर से लोगों को भरोसा दिलाया गया कि उनकी जरूरतों को सांसद तक पहुंचाया जाएगा और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार हरसंभव सहायता की जाएगी। राकेश सिंह ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा के समय राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठकर लोगों की मदद करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

काम करने में विश्वास रखते हैं सांसदः सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि केवल आश्वासन देने में नहीं, बल्कि जमीन पर उतरकर काम करने में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सांसद की टीम लगातार लोगों के बीच मौजूद है। प्रभावित परिवारों की आवश्यकता के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी प्रभावित परिवारों की परेशानियां पूरी तरह समाप्त नहीं होंगी। ऐसे में राहत और पुनर्वास के लिए भी जरूरत के अनुसार सहयोग किया जाएगा।

विपक्षी नेताओं पर साधा निशानाः राकेश सिंह ने विपक्षी नेताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर सिर्फ फोटो खिंचवाने और इसे प्रचार का माध्यम बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में दिखावे की राजनीति के बजाय वास्तविक रूप से जरूरतमंदों तक पहुंचना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि की टीम लगातार प्रभावित इलाकों में जाकर लोगों की समस्याओं को समझ रही है और अपनी क्षमता के अनुसार राहत उपलब्ध करा रही है। उन्होंने दावा किया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। राहत वितरण अभियान के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और स्थानीय सहयोगियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम ने प्रभावित परिवारों से संपर्क बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी राहत सामग्री उपलब्ध कराने की बात कही।

फरक्का जल संधि पर 'नीतीश संवाद' में बिहार के हितों की मजबूती से रक्षा का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार के जल संसाधनों एवं राज्य के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय फरक्का जल संधि को लेकर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह, छपरा में जनता दल (यू) की ओर से ह्यफरक्का नीतीश संवादह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद सह जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री संजय झा रहे। कार्यक्रम में माननीय विधायक सह जदयू प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा, बिहार सरकार के माननीय मंत्री श्री सुनील कुमार, कार्यक्रम प्रभारी एवं माननीय विधायक श्री रंधीर सिंह, माननीय विधायक श्री मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह, माननीय विधायक श्री भीष्म कुशवाहा, माननीय विधायक श्री हेम नारायण साह सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

संजय झा ने कहा कि फरक्का जल संधि बिहार के जल संसाधनों और राज्य के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। बिहार के हितों की रक्षा को लेकर मुख्यमंत्री माननीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में सरकार पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्यसभा में भी इस विषय को मजबूती से उठाया है और विदेश मंत्री से बिहार के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। विदेश मंत्री की ओर से उन्हें आश्वस्त किया गया है कि बांग्लादेश के साथ किसी भी समझौते में बिहार के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जदयू प्रदेश अध्यक्ष माननीय उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि फरक्का जल संधि से जुड़े विषय को लेकर बिहार की जनता को सही तथ्यों की जानकारी देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जदयू बिहार के हितों की आवाज को मजबूती से उठाता रहा है और आगे भी राज्य के जल संसाधनों एवं किसानों के हितों की रक्षा के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। जदयू जिला अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंहविकल ने कहा कि फरक्का जल संधि का विषय बिहार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पार्टी कार्यकर्ता इस विषय को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाकर लोगों को जागरूक करेंगे। बिहार के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पार्टी पूरी मजबूती के साथ एकजुट है।कार्यक्रम प्रभारी माननीय विधायक श्री रंधीर सिंह ने कहा कि बिहार के हितों से जुड़े मुद्दों पर जनता के साथ संवाद स्थापित करना इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि फरक्का जल संधि के विभिन्न पहलुओं को समझना और इसके संबंध में लोगों को जागरूक करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री लाल बाबू राय, बिहार राज्य नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष श्री अजय कुमार सिंह, पूर्व विधायक श्री छोटे लाल राय, रमेश सिंह कुशवाहा, राजेश त्यागी, बालमुकुंद चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह, मुरारी सिंह, डॉ. विशाल सिंह राठौड़, आनंद किशोर सिंह, जिला प्रवक्ता ब्रजेश कुमार, रविन्द्र कुमार सिंह, मनोज सिंह, सुनील सिंह, सत्यनारायण सिंह, पवन कुमार सिंह, दयानंद सिंह, राजेश्वर सिंह, बाल्मीकि पाठक, राकेश भारती, रणबीर सिंह, कुसुम देवी, धनवंती देवी, ललिता देवी, इम्तेयाज परवेज, सद्दाम हुसैन, इमरान चुन्नू एवं आशिफ खान, सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय जिला अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ह्ल विकल ह्लने किया धन्यवाद ज्ञापन ई०प्रभाष शंकर ने किया कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बिहार के हितों से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय को जन-जन तक पहुंचाने तथा राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बाढ़ का पानी उतरते ही संक्रमण से बचाव की कवायद तेज, प्रभावित इलाकों में चूना-ब्लीचिंग का छिड़काव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब सारण में संभावित संक्रमण और जलजनित बीमारियों के खतरे से निपटने के लिए प्रशासन ने स्वच्छता अभियान तेज कर दिया है। जिन इलाकों से बाढ़ का पानी निकल चुका है, वहां स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा चूना और ब्लीचिंग पाउडर का लगातार छिड़काव कराया जा रहा है। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल कैंप लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की निगरानी भी की जा रही है।

जिले के मकेर, परसा, अमनौर, पानापुर, तरैया और दरियापुर प्रखंडों में बाढ़ का पानी उतरने वाले इलाकों को प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमें निरोधात्मक कार्रवाई में जुटी हैं। पानी के लंबे समय तक जमा रहने के कारण गंदगी और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसे देखते हुए प्रभावित स्थानों पर चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है।प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ आश्रय स्थलों, लोगों के रहने वाले स्थानों और अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें आवश्यकता के अनुसार मेडिकल कैंप आयोजित कर लोगों की जांच एवं उपचार कर रही हैं। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश के अनुसार बाढ़ के बाद पानी उतरने के साथ ही संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वच्छता और सैनिटाइजेशन बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रभावित इलाकों में नियमित रूप से चूना और ब्लीचिंग का छिड़काव कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है और आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त निरोधात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

पानी उतरने के बाद बढ़ता है संक्रमण का खतराः बाढ़ के दौरान लंबे समय तक पानी में डूबे रहने वाले क्षेत्रों में पानी उतरने के बाद कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका रहती है। जगह-जगह जमा गंदगी, सड़ने वाले कचरे और दूषित पानी के कारण मच्छरों एवं अन्य संक्रमण फैलाने वाले कारकों का प्रकोप बढ़ सकता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पानी उतरने वाले क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मेडिकल कैंप के जरिए स्वास्थ्य पर नजरः बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में केवल स्वच्छता अभियान ही नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए मेडिकल कैंप भी लगातार लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच कर रही हैं और आवश्यकता के अनुसार दवाएं एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला प्रशासन का उद्देश्य बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाले संक्रमण के संभावित खतरे को समय रहते नियंत्रित करना और प्रभावित लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है।

इसुआपुर में दुर्गा पूजा की तैयारीयों को लेकर हुई बैठक

इसुआपुर । इसुआपुर बाजार स्थित महावीर मंदिर परिसर में आयोजित होने वाली दुर्गा पूजा की तैयारीयों को लेकर दुर्गा पूजा समिति के बैनर तले बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूजा समिति के सदस्यों, व्यवसायियों एवं ग्रामीणों ने पूजा के सफल और व्यवस्थित संचालन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। अध्यक्षता स्वर्ण व्यवसायी अमरनाथ प्रसाद ने की। पूजा समिति के व्यवस्थापक सदस्य दिलीप चौरसिया ने बताया कि दुर्गा पूजा का आयोजन ग्रामीणों, व्यवसायियों एवं आम लोगों के सहयोग से किया जाता है। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समिति की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है।उन्होंने बताया कि सप्तमी से दशमी तक प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, दशमी की शाम 40 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा।

डोरीगंज फीडर की बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। डोरीगंज फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए शाम का समय इन दिनों परेशानी का सबब बन गया है। रोज संध्याकाल के आसपास बिजली गुल होने के बाद देर तक आपूर्ति बहाल नहीं होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। बिजली कटते ही घरों में बच्चों की पढ़ाई रुक जा रही है, वहीं किसानों के खेतों में सिंचाई का काम भी ठप पड़ जा रहा है। शाम की पढ़ाई पर लग रहा ब्रेकः बिजली गुल होने के समय अधिकांश बच्चे पढ़ाई में जुटते हैं। अचानक अंधेरा छा जाने से उन्हें किताब-कॉपी समेटनी पड़ रही है। जिन घरों में वैकल्पिक रोशनी की व्यवस्था नहीं है, वहां बच्चों को बिजली आने का इंतजार करना पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि लगातार बिजली कटौती का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। खेतों में सिंचाई प्रभावितः बिजली नहीं रहने से किसान समय पर मोटर नहीं चला पा रहे हैं। खेतों में पानी पहुंचाने के लिए बिजली का इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि सिंचाई का समय निकल जाने पर फसलों को नुकसान की चिंता बनी रहती है। बिजली के भरोसे चलने वाली दुकानें भी प्रभावितः शाम के समय बिजली कटने से दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। अंधेरे के कारण ग्राहक दुकानों पर कम पहुंच रहे हैं। बिजली से चलने वाले उपकरणों पर निर्भर कारोबारियों को भी काम रोकना पड़ रहा है। इससे रोजाना की आमदनी पर असर पड़ने की बात दुकानदारों ने कही।शिकायत पर मिलता है एक ही जवाबः उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कटौती की शिकायत लेकर जब स्थानीय विद्युत अधिकारियों के पास पहुंचते हैं तो उन्हें बताया जाता है कि ऊपर से ही बिजली काटी जा रही है। लगातार इसी तरह का जवाब मिलने से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि यदि ऊपर से बिजली कट रही है तो कटौती का समय और स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ता अपनी दिनचर्या उसी के अनुसार तय कर सकें।

दुकान में लगी आग में श्रृंगार-गिफ्ट का लाखों का सामान जलकर राख

पानापुर (सारण)। पानापुर थाना क्षेत्र के धेनुकी बाजार स्थित मां सरस्वती श्रृंगार एवं गिफ्ट कॉर्नर में सोमवार की शाम शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान में रखा श्रृंगार सामग्री, गिफ्ट आइटम, नकदी समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी दुकानदार व अग्निशमन को दी। इसके बाद अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक दुकान का अधिकांश सामान पूरी तरह जल चुका था।मुरवा गांव निवासी दुकानदार गजेंद्र कुमार ने बताया कि वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने फोन कर दुकान में आग लगने की सूचना दी। जब तक वे मौके पर पहुंचे, आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया था।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ सारण प्रमंडल के पूर्व सचिव स्व. वीर बहादुर सिंह की दसवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा जिला माध्यमिक शिक्षक संघ भवन में जिला सचिव व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र प्रत्याशी विद्या सागर विद्यार्थी जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं शिक्षक नेताओं ने स्व. वीर बहादुर सिंह के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में विद्या सागर विद्यार्थी ने कहा कि स्व. वीर बहादुर सिंह सदैव शिक्षकों के हित, सम्मान और अधिकारों के लिए समर्पित रहे। उनकी सादगी, कर्मठता, शिक्षकत्व के प्रति समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता आज भी शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके आदर्शों एवं बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। जिला सचिव विद्यासागर विद्यार्थी ने कहा कि वे वर्ष 1984 से स्व. वीर बहादुर सिंह के संपर्क में आएं, उन्होंने कहा कि उनके निकट आने पर उनकी ईमानदारी, संगठन के प्रति निष्ठा तथा शिक्षकों के हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता से काफी प्रभावित हुआ। शिक्षक संघ द्वारा उन्हें जो भी दायित्व सौंपा गया, उसका उन्होंने पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया। सभा में अन्य वक्ताओं ने कहा कि स्व. वीर बहादुर सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षक समाज के हित और संगठन की मजबूती के लिए समर्पित किया। उनके विचार और कार्य आज भी शिक्षकों को प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर शिक्षक नेता सुरेंद्र सिंह, पवन कुमार गुप्ता, संजय सिंह, सुमन कुमार, सुरेन्द्र कुमार सिंह, प्रेम कुमार प्रकाश, आनंद शंकर, राम अयोध्या प्रसाद, कृष्णा कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

बनियापुर में मास्टर ट्रेनर्स को एआई एवं माइक्रोसॉफ्ट को पायलट हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर। प्रखंड के आदर्श एमडी उच्च माध्यमिक विद्यालय कन्हौली के स्मार्ट क्लास कक्ष में माइक्रो साफ्ट इलावेट फॉर एजुकेटर प्रोग्राम के अंतर्गत पिरामल फाउंडेशन एवं एसआईआरटी बिहार के निर्देशन में सारण जिले के बनियापुर प्रखंड में मास्टर ट्रेनर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), माइक्रोसाफ्ट को पायलट एवं अन्य डिजिटल टूल्स की जानकारी देकर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और तकनीक आधारित बनाना था। प्रशिक्षण का संचालन एआई अंबेसडर आनंद जी एवं शुभम जी द्वारा किया गया। वही प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स को एआई क्या है, एआई का विकास एवं उपयोग, क्लाउड टेक्नोलॉजी तथा माइक्रोसॉफ्ट को पायलट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, मोबाइल में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न ऐप्स को व्यवस्थित एवं वर्गीकृत करने की जानकारी भी दी गई। प्रतिभागियों को माइक्रोसाफ्ट को पायलट ऐप पर प्रभावी प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिसके माध्यम से वे शिक्षा के लिए लेशन प्लान, पीपीटी एम सी क्यों , एवं अन्य शिक्षण सामग्री तैयार कर सकते हैं। इसके अलावा, माइक्रोसाफ्ट लर्न प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध शिक्षकों की डिजिटल एवं एआई दक्षता बढ़ाने वाले मॉड्यूल के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें मॉड्यूल पूरा करने का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों से माइक्रोसाफ्ट लर्न के दो मॉड्यूल पूर्ण करवाए गए, जिसके बाद उन्हें एक्सप्लोर बजट एवं सर्टिफिकेट्स भी प्राप्त हुए। यह प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स को एआई एवं डिजिटल तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को और अधिक नवाचारपूर्ण एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।मौके पर मनोज प्रसाद अजीमुल्ला अंसारी उमेश योगेंद्र प्रसाद राय जमीरुद्दीन अंसारी निर्भय कुमार रविरंजन राय माला कुमारी श्वेता कुमारी शहाबुद्दीन नरेंद्र राय सोनू कुमार गयासुद्दीन विनोद कुमार सहित सभी प्रतिनियुक्त मास्टर ट्रेनर शामिल थे।

बाढ़ में तबाही के बीच शिक्षकों ने दिखाया इंसानियत का जज्बा, निजी खर्च से बांटी राहत

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर (सारण)। जब गंडक के पानी ने अमनौर और मकेर प्रखंड के गांवों में तबाही मचाई, तो कई सरकारी कर्मी और जनप्रतिनिधि कागजों में ही राहत बांटते रहे, लेकिन दो शिक्षकों ने अपने वेतन से बाढ़ पीड़ितों की मदद कर मिसाल पेश की है। अमनौर से मकेर तक बांटी राहतः पैगा मित्रसेन पंचायत के शिक्षक मुकेश कुमार यादव ने अमनौर से लेकर मकेर तक अपनी निजी राशि से दो दिन लगातार बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। पहले दिन उन्होंने फल और दूसरे दिन पूरी-सब्जी बांटी। वहीं ग्रामीणों की मांग पर लच्छी कैतूका गांव में आवागमन के लिए अपने खर्च से नाव की व्यवस्था भी कराई। चार दिन तक लगातार सेवाः इधर, माध्यमिक विद्यालय अमनौर कल्याण के शिक्षक और इटवा मधेसिया गांव निवासी दुर्गा कुमार सिंह ने लगातार चार दिनों तक अपने विद्यालय क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाई। कभी पूरी-सब्जी, तो कभी समोसा, कभी चूड़ा तो कभी फल का वितरण कर उन्होंने लोगों का पेट भरा। इन दोनों शिक्षकों के परोपकार भरे कार्यों की ग्रामीणों, अभिभावकों के साथ-साथ अधिकारियों में भी खूब प्रशंसा हो रही है। दुख में किसी को देखकर सुख की कामना नहीं की जा सकतीः इन शिक्षकों का कहना है, जीवन एक-दूसरे से बना है। किसी को दुख में देखकर सुख की कामना नहीं की जा सकती। शिक्षक सिर्फ छात्रों का भविष्य ही नहीं गढ़ता, बल्कि उनका हमदर्द भी होता है। इस नेक कार्य में प्रभात सिंह, उषा कुमारी, मनोरंजन कुमार सिंह, ऋषिकेश कुमार सिंह, सुबोध मंडल सहित कई लोगों ने सहयोग किया, जिनका कार्य भी सराहनीय रहा।

अमनौर में जीविका दीदियों की अनूठी पहल : 'एक मुट्ठी अनाज' से बाढ़ पीड़ितों को मिल रही राहत

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। बाढ़ की त्रासदी के बीच अमनौर प्रखण्ड की जीविका दीदियों ने मानवता और सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की है। प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक राकेश कुमार के नेतृत्व में एक मुट्ठी अनाज अभियान लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। यह अभियान आज अपहर पंचायत के अपहर, विशुनपुर, सलखुआँ, जलालपुर एवं अन्य गाँवों की जीविका दीदियों द्वारा चलाया गया। अभियान के तहत सभी जीविका समूहों की दीदियों से स्वेच्छा से एक मुट्ठी अनाज दान करने का आग्रह किया गया। एकत्रित सामग्री को ढोलाहीं कैथल के भाथा मठिया एवं सोन्हों में बाढ़ से प्रभावित परिवारों तक पहुँचाया जा रहा है, साथ ही कल बसतपुर एवं अमनौर कल्याण के बाढ़ प्रभावित परिवारों तक भी जीविका दीदियों के सहयोग से राहत सामग्री पहुँचाई गई थी। दिनांक 05 अक्टूबर 2026 को इस नेक पहल में लगभग 72 समूहों की 158 जीविका दीदियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था।

रिश्तों में मधुरता के लिए मन को सकारात्मक रखना बेहद जरूरीः ईवी गिरीश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा, कार्यालय। रिश्तों में मधुरता बनाए रखने के लिए व्यवहार के साथ मन को सकारात्मक रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि अपेक्षाएं, अहंकार और नकारात्मक सोच रिश्तों में दूरी बढ़ाती हैं, जबकि विश्वास, सम्मान, सहयोग और क्षमा संबंधों को मजबूत बनाते हैं। यह बातें अंतर्राष्ट्रीय काउंसलर ईवी गिरीश भाई जी ने शहर के भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित त्रिदिवसीय राजयोग शिविर के अंतिम दिन कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि राजयोग ध्यान में मन को शांत और स्थिर रखने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं पर नियंत्रण करना सीखता है। इससे तनावपूर्ण परिस्थितियों में भी संतुलित निर्णय लेने और दूसरों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने में मदद मिलती है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की छपरा इकाई की ओर से आयोजित शिविर में स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन में भौतिक सुविधाएं बढ़ने के बावजूद मानसिक तनाव और रिश्तों में खटास बढ़ रही है। इसका सबसे बड़ा कारण छोटी- छोटी बातों को लेकर अपेक्षा रखना और दूसरों की कमियों पर अधिक ध्यान देना है।

बाढ़ पीड़ित परिवारों को जल्द मिले जीआर राशि, मुखियाओं ने सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। प्रखंड की सभी 11 पंचायतों के मुखियाओं ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द जीआर की राशि उपलब्ध कराने की मांग की है। इसको लेकर मुखियाओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष नेमा सिंह ने कहा कि वर्ष 2017 और 2020 में बांध क्षतिग्रस्त होने के बाद पानापुर प्रखंड सभी पंचायतों के परिवारों को जीआर की राशि उपलब्ध कराई गई थी। इस वर्ष भी प्रखंड में बाढ़ से व्यापक तबाही हुई है। ऐसे में बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए शीघ्र जीआर राशि का भुगतान किया जाना आवश्यक है।मुखियाओं ने प्रशासन से अविलंब राशि विमुक्त करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांग पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम बन रहा मानसिक परेशानी की वजह

मोबाइल का नशा : स्क्रीन से चिपकी जिंदगी बच्चों से बुजुर्गों तक बढ़ी लत

आलोक भारती

आरा। कभी नशे का मतलब केवल गांजा, भांग और शराब से जोड़ा जाता था, लेकिन बदलते दौर में नशे का एक नया रूप सामने आ रहा है। अब जेब में रखा स्मार्टफोन भी ऐसी लत बनता जा रहा है, जिसकी गिरफ्त में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक आ रहे हैं। घंटों मोबाइल स्क्रीन पर आंखें टिकाए रहने की आदत अब एकाग्रता, नींद, व्यवहार, सामाजिक रिश्तों और पारिवारिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब मोबाइल का इस्तेमाल जरूरत से आगे बढ़कर आदत और फिर निर्भरता में बदल जाता है, तो यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। मानसिक आरोग्यशाला कोइलवर के साइकोलॉजिस्ट विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि ओपीडी में आने वाले मरीजों के परिजन अक्सर यह शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा दिनभर में 8 से 9 घंटे मोबाइल पर बिताता है और घर की किसी भी जिम्मेदारी या गतिविधि में रुचि नहीं लेता। विशेषज्ञ के अनुसार, सिर्फ मोबाइल छीन लेना इसका स्थायी समाधान नहीं है। यह समझना जरूरी है कि बच्चा मोबाइल पर इतना समय क्यों बिता रहा है और उसके लिए स्वस्थ एवं रचनात्मक गतिविधियों के विकल्प तैयार करने होंगे। बिहार में मोबाइल एडिक्शन क्लीनिक की आवश्यकता साइकोलॉजिस्ट विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि बेंगलुरु स्थित प्रतिष्ठित संस्थान *NIMHANS* की तर्ज पर बिहार में भी मोबाइल एडिक्शन क्लीनिक की जरूरत है। वर्तमान में कोइलवर मानसिक आरोग्यशाला की ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 100 मरीज पहुंचते हैं, जिनमें मोबाइल की लत और उससे जुड़ी समस्याओं से प्रभावित लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल हो डिजिटल संतुलन विशेषज्ञ ने सुझाव दिया कि कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं के विद्यार्थियों को स्कूल स्तर पर ही मोबाइल के फायदे, नुकसान और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। इसके लिए: स्कूलों में छोटे बुकलेट तैयार किए जा सकते हैं। पाठ्यक्रम में डिजिटल तकनीक के संतुलित इस्तेमाल को शामिल किया जा सकता है। सरकारी स्तर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। मोबाइल एडिक्शन से बचने के व्यवहारिक उपाय साइकोलॉजिस्ट पांडेय ने तकनीक के प्रति नियंत्रण बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय साझा किए:

मोबाइल फास्टिंग: सप्ताह में कम से कम एक दिन सोशल मीडिया से दूरी बनाएं और मोबाइल का इस्तेमाल केवल जरूरी कॉल के लिए करें।

2. डिजिटल बदलाव: स्क्रीन की ब्राइटनेस कम रखें, सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ऐप्स को होम स्क्रीन से हटाएं और अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कर दें।

3. सोने से पहले स्क्रीन टाइम घटाएं:

4. देर रात स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी शरीर में बनने वाले मेलाटोनिन हार्मोन (जो नींद के लिए जरूरी है) को प्रभावित करती है। इसलिए रात को सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाएं।

विशेषज्ञ का कहना है: हम बारिश को रोक नहीं सकते, लेकिन छाता लेकर बाहर निकल सकते हैं। ठीक उसी तरह, तकनीक को बंद नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके इस्तेमाल पर अपना नियंत्रण मजबूत किया जा सकता है। पारिवारिक संवाद और वास्तविक दुनिया से जुड़ाव जरूरी कोविड के बाद मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बढ़ी हैं। एकल परिवार, भागदौड़ भरी जीवनशैली और अपनों से संवाद की कमी ने इस समस्या को और गहरा किया है। आने वाले समय की चुनौती तकनीक से भागना नहीं, बल्कि उसके साथ एक संतुलित रिश्ता बनाना है। बच्चों और युवाओं के लिए खेल, किताबें, कला, संगीत और परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत संकल्प सेतु शिविर का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। प्रखंड कार्यालय कोइलवर स्थित सभागार में मंगलवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत तीन दिवसीय संकल्प सेतु शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर का आयोजन 6, 7 एवं 8 अक्टूबर तक किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के साथ पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी वीर बहादुर पाठक, 20 सूत्री अध्यक्ष संजीत रजक, उपाध्यक्ष जयशंकर कुशवाहा समेत प्रखंड के कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि संकल्प सेतु शिविर का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाना और जरूरतमंद लोगों को योजनाओं से जोड़ना है। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में भी पहल की जाएगी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सेवा संकल्प अभियान को जनहित में महत्वपूर्ण बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। तीन दिवसीय शिविर को लेकर प्रखंड कार्यालय परिसर में आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

गिधा में ट्रक ने तीन साल के बच्चे को कुचला : मौत

कोइलवर। भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर आईओसीएल प्लांट के मेन गेट के पास खाली सिलेंडर लदे ट्रक की चपेट में आने से तीन वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गीधा निवासी मो. इमामुद्दीन के पुत्र मो. राशिद के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बच्चे का खिलौना सड़क की ओर गिर गया था। वह खिलौना लेने के लिए आईओसीएल के मेन गेट के पास पहुंचा था। इसी दौरान तेज गति से आ रहे खाली सिलेंडर लदे ट्रक की चपेट में आ गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने आईओसीएल प्लांट के गेट के पास बच्चे का शव रखकर सड़क जाम कर दिया। शाम करीब पांच बजे तक लोग मौके पर प्रदर्शन करते रहे। सूचना मिलने पर गीधा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतक परिवार का इकलौता बेटा था। उसके पिता टेंट व्यवसाय से जुड़े हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। बच्चे की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को जब्त कर लिया है। वहीं, चालक के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

शराब सेवन के आरोप में एक गिरफ्तार

कोइलवर। गिधा थाने कि पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में राजू कुमार, पिता हरिद्वार राम, ग्राम मटियार को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष टिंकू कुमार ने बताया कि उपरोक्त व्यक्ति को शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आवश्यक विधि-सम्मत कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

डीके कॉलेज डुमरांव बना कबड्डी चैंपियन, महाराजा कॉलेज को 59-54 से हराया

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर-महाविद्यालय कबड्डी टूनार्मेंट (पुरुष वर्ग) का खिताब डीके कॉलेज, डुमरांव ने जीत लिया। बुधवार को खेले गए फाइनल में डीके कॉलेज ने महाराजा कॉलेज, आरा को 59-54 से हराया। मुकाबला अंतिम मिनट तक रोमांचक रहा और दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। इससे पहले खेले गए मुकाबले में एमवी कॉलेज, बक्सर को एचडी जैन कॉलेज, आरा के खिलाफ वॉकओवर मिला। पहले सेमीफाइनल में महाराजा कॉलेज ने एसबी कॉलेज, आरा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में डीके कॉलेज, डुमरांव ने एमवी कॉलेज, बक्सर को पराजित कर फाइनल का टिकट कटाया। फाइनल में दोनों टीमों ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने दमखम और खेल कौशल का परिचय दिया। अंतिम दौर में डीके कॉलेज के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बढ़त कायम रखी और पांच अंकों से मुकाबला अपने नाम कर लिया। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलसचिव सह डीन प्रो. ओपी राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विजय राज कुमावत, दीपक कुमार मांझी और पूर्व पीटीआई सुरेश सिंह भी उपस्थित रहे। श्री यशवंत कुमार सिंह ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालयों के खिलाड़ियों को प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर देने तथा उनमें खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय के खेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त छापेमारी, दो ड्रेजर मशीनयुक्त नावें बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। भोजपुर जिले में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस एवं जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई तेज कर दी है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 के नेतृत्व में जिला खनन पदाधिकारी भोजपुर, कोइलवर थाना के अपर थानाध्यक्ष, बबुरा थानाध्यक्ष, खनन निरीक्षक भोजपुर, क्यूआरटी एवं सशस्त्र बल की टीम ने सोन नदी क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने सोन नदी क्षेत्र में अवैध खनन में संलिप्त दो नाव (ड्रेजर मशीनयुक्त) बरामद की हैं। कार्रवाई के बाद अवैध खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस एवं प्रशासन की इस कार्रवाई को अवैध खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पांच रुपये के सिक्कों से लदा पिकअप जब्त, दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच रुपये के सिक्कों से लदे एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। पुलिस ने वाहन से 29 बोरियों में रखे पांच रुपये के सिक्के बरामद किए हैं। बरामद सिक्कों की कुल कीमत 13 लाख 87 हजार 910 रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, हसनबाजार थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन की जांच की गई। तलाशी के दौरान वाहन में पांच रुपये के सिक्कों से भरी 29 बोरियां मिलीं। इसके बाद पुलिस ने सिक्कों को जब्त करते हुए वाहन पर सवार दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बक्सर जिले के राजपुर निवासी रामजी साह के पुत्र मनोज कुमार गुप्ता तथा परेव, बिहटा निवासी मुन्ना प्रसाद के पुत्र जनीश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने एक पिकअप वाहन समेत अन्य सामग्री भी जब्त की है। इस संबंध में हसनबाजार थाना में कांड संख्या 100/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस बरामद सिक्कों के स्रोत और उन्हें ले जाने के उद्देश्य की जांच कर रही है। पीरो एसडीपीओ कन्हैया कुमार ने बताया कि थानाध्यक्ष द्वारा चार अक्टूबर को वाहन जांच के दौरान एक पिकअप वैन से पांच रुपये के सिक्कों से भरी 29 बोरियां बरामद की गई। बरामद सिक्कों की कुल कीमत 13 लाख 87 हजार 910 रुपये आंकी गई है। जांच के दौरान प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि सरकारी सिक्कों को कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से दूसरे स्थानों पर भेजकर धातु के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। कार्रवाई से बचने के लिए सिक्कों को हार्डवेयर के सामान के रूप में दशार्ते हुए फर्जी बिल का सहारा लिए जाने की बात भी सामने आई है। उन्होंने बताया कि इस पूरे गिरोह और इसके नेटवर्क से जुड़े लोगों के संबंध में आगे की जांच की जा रही है। मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नई स्कोडा स्लेविया भारत में 9.99 लाख रुपये की शुरूआती कीमत पर लॉन्च, डिलीवरी अगले हफ्ते से

पटनाः स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी नई स्लेविया सेडान की भारत में एक्स-शोरूम कीमतों की घोषणा कर दी है, जो 9.99 लाख रुपये से शुरू होती हैं। इसकी डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। भारत के लिए विशेष एमक्यूबी-ए0-आईएन प्लेटफॉर्म पर बनी यह कार छह वेरिएंट—क्लासिक, क्लासिक+, सिग्नेचर, स्पोर्टलाइन, प्रेस्टीज और मोन्टे कॉर्लो—में उपलब्ध होगी। नई स्लेविया में निखरा हुआ यूरोपीय डिजाइन, नई एलईडी हेडलाइट्स, संशोधित ग्रिल, नए अलॉय व्हील तथा आर्कटिक सिल्वर और कैपुचिनो बीज जैसे नए रंग दिए गए हैं। प्रदर्शन के लिए इसमें 1.0 टीएसआई और 1.5 टीएसआई इंजन विकल्प मिलते हैं, जिनके साथ छह-स्पीड मैनुअल, बिल्कुल नया आठ-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक और सात-स्पीड डीएसजी गियरबॉक्स का विकल्प शामिल है। कार के केबिन में सेगमेंट में पहली बार पीछे की सीटों के लिए मसाज सुविधा, 360-डिग्री कैमरा, बड़ा 26.03 सेमी डिजिटल कॉकपिट और गूगल क्लाउड के ऑटोमोट्र५ी अकएजेंट से संचालित वॉइस असिस्टेंट दिया गया है जो वाहन में जेमिनी अकको सुविधा लाता है। सुरक्षा के मामले में इसे 5-स्टार ग्लोबल एनकैप रेटिंग हासिल है, जिसमें छह एयरबैग और 40 से अधिक सुरक्षा फीचर्स मिलते हैं। कंपनी इसके साथ 4 साल या 1,00,000 किमी की मानक वारंटी प्रदान कर रही है, जिसे 6 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई : बीस वाहनों का काटा चालान

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। भोजपुर जिले के कोइलवर अंचल के चांदी चौक पर सड़क जाम की समस्या को देखते हुए अतिक्रमण हटाने की दिशा में अंचल प्रशासन ने मंगलवार को कार्रवाई की। सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए जा रहे दुकानों तथा वाहनों की बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ प्रशासन ने अभियान चलाया और सड़क पर खड़े 20 से अधिक मोटरसाइकिल व अन्य वाहनों पर जुमार्ना लगाया। राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने बताया कि अतिक्रमण हटाने को लेकर 22 और 23 सितंबर 2026 को चांदी चौक पर माइकिंग कर सड़क के किनारे और आसपास वाहनों की पार्किंग करने तथा सड़क पर दुकान लगाने वालों को पूर्व सूचना दी गई थी। इसके बाद 3 अक्टूबर को चांदी चौक से चारों दिशाओं में जाने वाली सड़कों के दोनों ओर करीब 200-200 मीटर क्षेत्र की मापी कर सरकारी जमीन को चिन्हित किया गया था। साथ ही सरकारी सड़क पर वाहनों की पार्किंग नहीं करने की हिदायत दी गई थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को जांच के दौरान चांदी चौक पर सड़क पर पार्क किए गए 20 से अधिक मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इन वाहनों के कारण चौक पर अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। कार्रवाई के दौरान वाहनों पर करीब 10 हजार रुपये का जुमार्ना अधिरोपित किया गया। प्रशासन ने सड़क किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण करने वालों को आगे भी कार्रवाई की चेतावनी दी है। राजस्व अधिकारी ने बताया कि 8 अक्टूबर के बाद कभी भी अतिक्रमण हटाने कि कार्रवाई शुरू कि जाएगी।

अभियान बसेरा-2 के तहत भूमिहीन परिवारों को मिलेगा तीन डिसमिल जमीन का लाभ

प्रात: किरण संवाददाता

बिहिया। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की महत्वाकांक्षी योजना अभियान बसेरा-2 के तहत भूमिहीन परिवारों को तीन डिसमिल आवासीय जमीन देने के लिए बिहिया अंचल कार्यालय में आवेदन लिए जा रहे हैं। आवेदन जमा करने के लिए इन दिनों अंचल कार्यालय में लोगों की काफी भीड़ देखी जा रही है। योजना का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग के पात्र भूमिहीन परिवारों को दिया जाना है। योजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक लोगों को सबसे पहले बिहिया अंचल कार्यालय में आवेदन जमा करना है। आवेदन के साथ परिवार के सभी सदस्यों का पूरा विवरण और मोबाइल नंबर देना जरूरी है। इसके अलावा आवेदक, पति-पत्नी और वयस्क परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड की छायाप्रति, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र और परिवार की वर्तमान सामूहिक फोटो भी जमा करनी है। आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में शपथ पत्र भी देना होगा। इसमें यह जानकारी देनी होगी कि परिवार के पास आवास बनाने के लिए उपयुक्त जमीन नहीं है और पहले किसी सरकारी योजना के तहत आवासीय भूमि का लाभ नहीं मिला है। यदि कोई परिवार सरकारी जमीन पर बसा हुआ है तो उससे संबंधित मौजा, खाता, खेसरा और उपलब्ध पुराने साक्ष्य समेत अन्य कागजात भी जमा करने होंगे। अंचल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 979 लोगों ने ऑफलाइन आवेदन जमा किया है। वहीं, कई लोगों ने योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन माध्यम से भी आवेदन किया है। आवेदन जमा होने के बाद संबंधित पंचायत के राजस्व कर्मचारी, अमीन और सीओ की ओर से आवेदक और उसके कागजात की जांच की जाएगी। जांच में पात्र पाए जाने और स्वीकृति मिलने के बाद नियम और विभागीय गाइडलाइन के अनुसार भूमिहीन परिवार को आवासीय भूमि का बंदोबस्ती प्रमाण पत्र दिया जाएगा। सीओ निलेश कुमार ने बताया कि अंचल कार्यालय में पहुंच रहे लाभुकों से आवेदन लिया जा रहा है और आवेदन जमा करने के बाद उन्हें रिसीविंग भी दी जा रही है। इसके बाद आवेदन और कागजात की जांच कर पात्र लाभुकों को नियमानुसार आवासीय भूमि का बंदोबस्ती प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए किसी बिचौलिए की जरूरत नहीं है। लाभुक सीधे अंचल कार्यालय में अपना आवेदन जमा करें। संबंधित पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है।

1961 से कायम मां दुर्गा की आस्था, युवाओं के जोश से इस बार भव्य होगा पूजा आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा प्रखंड के चातर गांव में मां दुर्गा की आराधना की छह दशक से अधिक पुरानी परंपरा इस बार युवाओं के जोश और बुजुर्गों के मार्गदर्शन के साथ और भव्य रूप लेगी। श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति नवयुवक संघ की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा की तैयारियों में गांव के युवाओं ने जिम्मेदारी संभाल ली है। चातर गांव में वर्ष 1961 से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की परंपरा चली आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में दुर्गा पूजा की शुरूआत चातर गांव से ही हुई थी। छह दशक से अधिक समय से चली आ रही यह परंपरा आज भी ग्रामीणों की आस्था और एकजुटता का प्रतीक बनी हुई है। पूजा के दौरान गांव में भक्तिमय और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिलेगा। समिति की ओर से विधिवत उद्घाटन के बाद मां दुर्गा की पूजा-अर्चना सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति के अध्यक्ष पूर्व मुखिया संजय सिंह, सचिव बृजमोहन पासवान तथा कोषाध्यक्ष मनु कुमार, राजा सिंह और भूषण सिंह हैं। वहीं व्यवस्थापक की जिम्मेदारी बालदेव सिंह और शत्रुघ्न सिंह संभाल रहे हैं। पूजा आयोजन में बिहारी यादव, वासुदेव सिंह, रविशंकर सिंह, गंगाधर सिंह, छोटू कुमार सिंह, परमेश्वर पासवान, अमन सिंह, राजकुमार सिंह, सूरज कुमार और दीपक कुमार समेत अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से पूजा आयोजन में इस बार खास उत्साह देखने को मिल रहा है। बुजुर्गों की आस्था और अनुभव तथा युवाओं की ऊर्जा के साथ समिति मां दुर्गा की पूजा को यादगार और भव्य बनाने की तैयारी में जुटी है। गांव में पूजा को लेकर अभी से श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

कोइलवर एनडीपीएस मामले में फरार वांछित आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर। भोजपुर जिले के कोइलवर थाने की पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अरवल जिले के जिंदपुरा थाना क्षेत्र निवासी चुन्नू कुमार (पिता- मनोज कुमार) है। थानाध्यक्ष सुशांत मंडल ने बताया कि कोइलवर थाना क्षेत्र के एनएच-922 पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने 450.91 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ, एक ब्रेजा कार एवं अन्य सामग्री बरामद की गई थी। इस मामले में कोइलवर थाना कांड संख्या 114/26 दर्ज करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था। वहीं, चुन्नू कुमार लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस को उसकी तलाश थी। इसी क्रम में पुलिस ने गुप्त सूचना एवं तकनीकी जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए 5 अक्टूबर 2026 को अरवल जिले से चुन्नू कुमार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित से आवश्यक पूछताछ की गई, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से एनडीपीएस एक्ट के मामले में फरार चल रहे आरोपितों के खिलाफ लगातार जारी अभियान को बल मिला है।

भोजपुर के शाहपुर प्रखंड के डुमरिया सहयोग शिविर में स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के समय से पहले चले जाने पर हंगामा, मुखिया प्रतिनिधि ने की शिकायत

प्रात: किरण संवाददाता

शाहपुर प्रखंड के डुमरिया पंचायत में आज मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन मुखिया कंचन देवी की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। शिविर में विभिन्न विभागों के कर्मियों द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया गया। इसी दौरान करीब एक बजे स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के शिविर से चले जाने पर ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। लोगों का कहना था कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर कई ग्रामीण शिविर में पहुंचे थे, लेकिन स्वास्थ्य कर्मियों के समय से पहले चले जाने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले को लेकर मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र साह ने स्वास्थ्य कर्मी उज्ज्वल कांत के विरुद्ध संबंधित अधिकारी को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पूर्व में भी लापरवाही की शिकायतें सामने आती रही हैं, जिससे ग्रामीणों एवं मरीजों को परेशानी होती है। शिविर में आवास सहायक मुगल, पीआरएस उमर फारूक, पीएचईडी, पंचायत सचिव, आईसीडीएस सुपरवाइजर कुमारी मीणा, कार्यपालक सहायक समेत विभिन्न विभागों के कर्मी और ग्रामीण मौजूद रहे।

लोकतंत्र की रक्षा एवं तानाशाही शक्तियों के विरोध में इंडिया गठबंधन के कार्यक्रमों को सफल बनाने की रणनीति पर आरा परिसदन में बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा भोजपुर। इंडिया गठबंधन, बिहार के आह्वान पर लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता तथा तानाशाही प्रवृत्तियों के खिलाफ आगामी 7 एवं 8 अक्टूबर को आयोजित संयुक्त आंदोलनात्मक कार्यक्रमों को भोजपुर जिले में सफल बनाने को लेकर इंडिया गठबंधन भोजपुर जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आरा परिसदन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष सह इंडिया गठबंधन जिला समन्वय समिति के अध्यक्ष वीरबल यादव ने की। बैठक में इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया बैठक में इंडिया गठबंधन द्वारा जारी कार्यक्रम के तहत 7 अक्टूबर को भोजपुर जिले के सभी प्रखंडों में संयुक्त रूप से प्रदर्शन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन करने तथा 8 अक्टूबर को जिला मुख्यालय आरा में कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष एवं इंडिया गठबंधन जिला समन्वय समिति के अध्यक्ष वीरबल यादव ने कहा कि आज देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। लोकतंत्र केवल चुनाव कराने का नाम नहीं है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया में जनता के विश्वास और संस्थाओं की निष्पक्षता को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती के साथ संघर्ष करेगा। भोजपुर के सभी प्रखंडों में गठबंधन के घटक दलों के कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीधर तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव आयोग सहित सभी संवैधानिक संस्थाओं का निष्पक्ष और पारदर्शी होना आवश्यक है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे उल्लिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:– **(1) ई–निविदा सं०:** पूमरे–मुप्रअ–नि–द–ईटीईएन–डीओएस–09 दो पैकेट प्रणाली में, **कार्य का नाम:** EC रेलवे के DDU डिवीजन के तहत DFCC की तीसरी और चौथी लाइन के लिए प्रस्तावित अलाइनमेंट के अंतर्गत स्टेशन बिल्डिंग (नई कास्था और नया रफीगंज) और अन्य सहायक सिविल इंजीनियरिंग कार्यों का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत (₹):** 14,82,80,157.14, **बोली प्रतिभूति (₹):** 29,65,600.00 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 (बारह) माह **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 26.10.2026 को 15.00 बजे। कोई भी ई–टेंडर जो डाक/कूरियर/फैक्स या हाथ से भेजा जाएगा, उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। टेंडर जमा करने के ऐसे सभी मैनुअल तरीके, भले ही वे फर्म के लेटर पैड पर हों या समय पर प्राप्त हुए हों, स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऊपर दिया गया ई–टेंडर दस्तावेज, पूरी जानकारी के साथ, वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **नोट:** टेंडर नोटिस में कोई भी विसंगति पाए जाने पर, अंग्रेजी संस्करण को ही अंतिम माना जाएगा। टेंडर देने वालों से अनुरोध है कि वे इस ई–टेंडर से संबंधित नवीनतम शुद्धिपत्र/सुधार आदि के लिए, टेंडर बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 15 दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर जाएं।

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)
पू० म० रेलवे, डेहरी ऑन सोन

पीआर/1063/कंस्ट्रक्शन डीओएस/ईएनजीजी/टी/26–27/36

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 07 अक्टूबर , 2026

पितृपक्ष मेला हुई ड्रोन हेलीकॉप्टर से तीर्थयात्रियों पर फूलों की बारिश

विष्णुपद मंदिर और देवघाट पर आसमान से बरसे फूल, नगर निगम की पहल से श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

● पुष्पवर्षा गयाजी की मेहमाननवाजी का संदेश : मोहन श्रीवास्तव

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। पितृपक्ष मेला के दौरान गयाजी पहुंचे देश-विदेश के तीर्थयात्रियों के स्वागत और सम्मान में मंगलवार को भी गया नगर निगम की ओर से विशेष पहल की गई। विष्णुपद मंदिर और फल्गु नदी के देवघाट पर मौजूद श्रद्धालुओं पर ड्रोन हेलीकॉप्टर के जरिए फूलों की बारिश कर उनका भव्य स्वागत किया गया। अचानक आसमान से फूलों की बारिश होते देख श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिला है। देखते ही देखते विष्णुपद मंदिर परिसर और फल्गु तट का माहौल भक्तिमय हो गया है। पुष्पवर्षा का दृश्य श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना रहा है। इस दौरान नगर निगम के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, डिप्टी मेयर चिंता देवी तथा पूर्व डिप्टी मेयर एवं सशक्त स्थायी समिति के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव विष्णुपद मंदिर और देवघाट पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और नगर निगम की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का फीडबैक लिया है। इसके साथ ही ड्रोन हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया है। ड्रोन हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का सम्मान : मेयर मेयर गणेश पासवान ने कहा कि ड्रोन हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत और सम्मान करना गयाजी की अतिथि सत्कार की परंपरा का प्रतीक है। पितृपक्ष के दौरान देश-विदेश के अलग-अलग हिस्सों से लाखों श्रद्धालु अपने पूर्वजों के पिंडदान और तर्पण के लिए गयाजी पहुंचते हैं। यहां आने वाला प्रत्येक तीर्थयात्री हमारे लिए अतिथि के समान है। इसलिए उनका सम्मान और स्वागत करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि गयाजी आने वाले श्रद्धालु अपने साथ धार्मिक आस्था और भावनाएं लेकर आते हैं। ऐसे में नगर निगम की कोशिश है कि उन्हें बेहतर माहौल और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मेला क्षेत्र में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, घाटों की सफाई, आवागमन समेत अन्य नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनप्रतिनिधि और नगर निगम की टीम लगातार मेला क्षेत्र में घूमकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रही है। मेयर ने कहा कि पितृपक्ष मेला गयाजी की धार्मिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। श्रद्धालुओं के स्वागत में किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। इसी भावना के साथ विष्णुपद मंदिर और देवघाट पर ड्रोन हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर तीर्थयात्रियों का अभिनंदन किया गया है। पुष्पवर्षा गयाजी की मेहमाननवाजी का संदेश : मोहन श्रीवास्तव पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि ड्रोन हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश कर उनका स्वागत करना गयाजी की मेहमाननवाजी और सम्मान की भावना को दशार्ता है। आसमान से फूलों की बारिश होते ही श्रद्धालुओं के बीच खुशी और उत्साह का माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि यह पुष्पवर्षा सिर्फ स्वागत का कार्यक्रम नहीं, बल्कि गयाजी की ओर से देश-विदेश से आए तीर्थयात्रियों के प्रति आत्मीय सम्मान का भाव है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेला गयाजी की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा आयोजन है। श्रद्धालु कई दिनों तक यहां रहकर अलग-अलग पिंडवेदी और धार्मिक स्थलों पर अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण करते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा, सुरक्षा और सम्मान का ध्यान रखना सभी की जिम्मेदारी है। मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का मेला क्षेत्र में पहुंचकर श्रद्धालुओं से सीधे संवाद करने का उद्देश्य व्यवस्थाओं का वास्तविक फीडबैक लेना भी है। इस दौरान तीर्थयात्रियों से साफ-सफाई, पेयजल, घाटों की व्यवस्था, प्रकाश, आवागमन और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। श्रद्धालुओं से मिले सुझावों को व्यवस्था में सुधार के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है। पुष्पवर्षा बनी आकर्षण का केंद्र विष्णुपद मंदिर और देवघाट पर ड्रोन हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा ने पूरे आयोजन को खास बना दिया है। फल्गु तट पर पिंडदान और तर्पण में जुटे श्रद्धालुओं पर जब आसमान से फूल बरसे तो कई लोग इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते नजर आए। श्रद्धालुओं ने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए इसे गयाजी में मिले आत्मीय सम्मान का प्रतीक बताया है। इस दौरान पार्षद विनोद यादव, मनोज कुमार, अंजली कुमारी, सोनू शर्मा, डिम्पल कुमार समेत कई पार्षद मौजूद रहे।

नगर परिषद में लगा जनता दरबार, मुख्य पार्षद ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल।नगर परिषद अरवल कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य पार्षद साधना कुमारी ने नगरवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में वार्ड पार्षद एवं आम नागरिक अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। मुख्य पार्षद ने एक-एक कर सभी की शिकायतों को सुनीं और संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साधना कुमारी ने कहा कि नगर परिषद का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। जल-जमाव, नाली-सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, आवास योजना और राशन कार्ड से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता दरबार के माध्यम से सीधे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझने और उसका समाधान करने का प्रयास लगातार जारी रहेगा। नगर के विकास और नागरिकों की सुविधा के लिए नगर परिषद पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी एवं वार्ड पार्षद उपस्थित रहे।

अरवल से यूपी गए काम के लिए भाई बहन की सांप काटने से मौत

प्रात : किरण संवाददाता

करपी। शहर तेलपा थाना क्षेत्र के केयाल ग्राम पंचायत अंतर्गत महावीरगंज टोला में भाई-बहन की मौत की सूचना ज्योंही ग्रामीणों को मिली पूरे गांव में सन्नाटा फैल गया । जैसा की ग्रामीणों ने बताया कि महावीरगंज निवासी भीम बिंद अपने पूरे परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद क्षेत्र में मिट्टी कार्य करने के लिए विगत दो महीने से गए हुए थे ।जितिया व्रत के रात्रि में सोए हुए अवस्था में उनके लड़की प्रियंका कुमारी उम्र लगभग 8 वर्ष और अंकुश कुमार उम्र 6 वर्ष को सांप काट दिया इसके बाद प्राथमिक उपचार के उपरांत वे लोग इलाहाबाद सदर अस्पताल में अपने दोनों बच्चों को लेकर गए । हां भी डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया लेकिन परिजनों के दबाव के चलते एंबुलेंस के द्वारा इन्हें अपने गांव महावीर गंज भेज दिया गया ।घर पर आने के बाद पुनः बच्चों के परिजन के द्वारा सदर अस्पताल अरवल ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों बच्चों को मृत घोषित किया। ग्रामीणों ने बताया कि भीम बिंद का एक लड़का और तीन लड़की थी। जिसमें दो की सर्पदंश के कारण मृत्यु हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि डॉक्टरों के मृत घोषित करने के बाद भी मृतक बच्चे के माता पिता ने दाह संस्कार नहीं किया बल्कि अपने नौनिहालों की जिंदगी वापस लाने की आश में ओझा बैद के ओएस गये है। नौनिहाल बच्चों की आकस्मिक मौत के बाद पूरे गांव में मातम छाया है ।

संक्षिप्त खबरें

विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया में 28 नवंबर को जॉब कैंपस सिलेक्शन का होगा आयोजन

बोधगया। गया-डोभी रोड स्थित विशाल प्राइवेट आईटीआई कॉलेज परिसर में आगामी 28 नवंबर को नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह में एक विशाल जॉब कैंपस सिलेक्शन का आयोजन किया जाएगा ! इस महत्वपूर्ण रोजगार मेले की जानकारी देते हुए कॉलेज के ट्रस्टी सह युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी और कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन की लाइब्रेरियन इंचार्ज अलका कुमारी ने बताया कि 28 नवंबर को मगध क्षेत्र की कुछ प्रमुख स्थानीय कंपनियों के सहयोग से कॉलेज परिसर में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए इस कैंपस सिलेक्शन का आयोजन किया जा रहा है ! कॉलेज के प्रिंसिपल नागेंद्र कुमार सिंह ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार से जोड़ना है, ताकि वे अपने करियर की बेहतर शुरूआत कर सकें ! इस आयोजन को लेकर संस्थान के छात्र-छात्राओं और स्थानीय युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है, और कॉलेज प्रशासन इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारियों में पूरी तरह से जुटा हुआ है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को इसका सीधा लाभ मिल सके !

शिक्षा शास्त्र विभाग में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

गया। शिक्षा शास्त्र विभाग, गया कॉलेज, गया में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय की शिक्षा पीठ के एम. एड. इंटर्न्स की देखरेख में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का आयोजन गया कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र के दिशा-निर्देशन में किया गया है ।इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय धीरज ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया है। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेलों के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सक्रियता, अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी विकास होता है। डॉ. धीरज ने कहा कि विद्यार्थियों को अधिक से अधिक भौतिक खेलों में रुचि विकसित करनी चाहिए तथा अनावश्यक स्क्रीन टाइम को कम करना चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में बच्चों और युवाओं के लिए खेलकूद शारीरिक एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रेरक संदेश देते हुए कहा– जो खेलेगा, वो खिलखिलाएगा और जो खेल खिलाएगा, वही इस जगत में खेलेगा, फलेगा और फूलेगा ।प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल भावना, सहयोग, प्रतिस्पर्धा और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश दिया है ।प्रतियोगिताओं के परिणाम शतरंज लड़केः ऋषभ विजेता लड़कियांः ईशा विजेता बैडमिंटन लड़कियांः अनुष्का प्रथम, सपना द्वितीय लड़केः नवीन और ऋषभ की जोड़ी प्रथम अंकित और सुजल द्वितीय 100 मीटर दौड़ लड़केः सागर प्रथम, अनंत द्वितीय, राहुल तृतीय, लड़कियांः अहिंसा और हर्षिका संयुक्त प्रथम, सपना द्वितीय, अनुष्का तृतीय, इस कार्यक्रम में शिक्षा शास्त्र विभाग के अमरेंद्र कुमार, डॉ. मोहम्मद सदरे आलम, डॉ. रानी नीना प्रियदर्शनी, निखत परवीन, अजय शर्मा और विदुषी कुमारी के साथ शिक्षकेतर कर्मचारी संगीता राय, ताजवर नाज, अश्वनी कुमार, साबिर अली और विकास कुमार मौजूद रहे।

फल्गु की पावन धारा में मेयर ने किया पितरों का तर्पण, बोलें- पितरों के प्रति आस्था

श्रद्धा और कर्तव्य का अद्भुत संगम है गयाजी

गयाजी। पितृपक्ष मेले के बीच मंगलवार की अहले सुबह विष्णुपद मंदिर स्थित देवघाट पर आस्था और श्रद्धा का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला है। गया नगर निगम के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान ने फल्गु नदी के पावन तट पर अपने पूर्वजों की मोक्ष की कामना को लेकर विधि-विधान से जल तर्पण किया है। आचार्य अरुण मिश्रा के मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान के बीच मेयर ने अपने पितरों को तर्पण अर्पित कर उनका स्मरण किया। तर्पण के बाद उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया तथा दान-पुण्य भी किया है। इस मौके पर मेयर गणेश पासवान ने कहा कि गयाजी केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि पितरों के प्रति आस्था, श्रद्धा और कर्तव्य का ऐसा संगम है, जिसे हर व्यक्ति अपने जीवन में निभाना चाहता है। अपने पूर्वजों को याद कर पिंडदान और तर्पण करने की परंपरा अत्यंत प्राचीन और पौराणिक है। यही कारण है कि पितृपक्ष के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से और विदेशों से भी श्रद्धालु अपने पितरों की मोक्ष की कामना लेकर गयाजी पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि फल्गु तट पर तर्पण और विष्णुपद में पिंडदान का विशेष धार्मिक महत्व है। यहां आने वाले प्रत्येक पिंडदानी को बेहतर सुविधा मिले और उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए गया नगर निगम पूरी तरह सजग है। निगम के जनप्रतिनिधि और अधिकारी लगातार क्षेत्र में रहकर सफाई, पेयजल, प्रकाश, यातायात समेत अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। मेयर ने कहा कि पितरों के प्रति श्रद्धा के साथ तीर्थयात्रियों की सेवा भी गयाजी की परंपरा का हिस्सा है। इसी भावना के साथ नगर निगम की पूरी टीम दिन-रात श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हुई है। उन्होंने पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए सभी तीर्थयात्रियों की मंगलकामना भी की।

सेवा ज्योति यात्रा मे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय आज पहुंचेंगे अरवल

सेवा ज्योति यात्रा में उमड़ेगा जनसैलाब,सफल बनाने को लेकर जनसंपर्क किया:भास्कर कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा ज्योति यात्रा के तहत केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का अरवल के महुआबाग मैदान में आगमन प्रस्तावित है। कार्यक्रम को व्यापक एवं सफल बनाने को लेकर भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भास्कर कुमार ने सदर प्रखंड अरवल के ईटवा एवं सरौती पंचायत में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में आम जनमानस से मुलाकात कर सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भास्कर कुमार ने कहा कि सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के भाव के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महुआबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम को भव्य और व्यापक स्वरूप देने के लिए कार्यकर्ता एवं आमजन पूरी सक्रियता के साथ जुटे हैं। जनसंपर्क के दौरान लोगों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति व्यक्त की। उन्होंने कार्यकताओं से भी आह्वान किया कि वे घर-घर संपर्क कर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दें और अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

जयंती कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर कार्यकताओं के साथ हुई बैठक

औरंगाबाद। ओबरा प्रखंड के कारा मोड स्थित मैरेज हॉल के सभागार मे हाजी औरंगजेब आलम वारसी की अध्यक्षता मे हिन्दुस्तान के मशहूर इस्लामिक गुरु एवम सूफी पीर ए तरीककत हजरत सैयद शाह समतुल्लाह जान बाबू हुजूर की 133 वी जयंती के मौके पर आयोजित समारोह करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर हाजी औरंगजेब आलम वारसी ने सभी उपस्थित लोगों से कहा कि,जिनकी पैदायशी 13 अक्टूबर को है। इस अवसर पर हम सभी उपस्थित होकर उन्हें याद करेंगे ।कहा कि,यह एक बहुत विख्यात इस्लामिक गुरु है। जिनका दरभंगा के एक गांव के निवासी थे ।सबों से आग्रह है कि,उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए ।कहा कि,वे आध्यात्मिक केंद्र के साथ दरभंगा शहर एक स्थित खानका मे बहुत बड़ी मजार है।जो भी सच्चे दिल से दुआ मांगते है। उनके पूरी होती है। इनके मजार पर भारी संख्या में लोग पहुंचकर शामिल होते है और उनसे फरियाद कर दुआ लेते है।इस मौके पर मुना अजीज मोहम्मद सुल्तान कुरैशी मोहम्मद अरमान सफदार हयात समेत अन्य लोग उपस्थित थे ।

एकादशी तिथि को पिंड तर्पण करने से पूर्वजों को यम यातना से मुक्ति मिलती है

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के सिरीश ग्राम स्थित पुनपुन नदी के पावन तट पर पितृ पक्ष मेला के निमित्त आश्विन कृष्ण पक्ष एकादशी तिथि को गया जी पिंडदान के पूर्व प्रथम पिंड तर्पण का कार्य धार्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि प्रतिनिधि कमलेश कुमार सिंह के संयोजन में दूर दराज से पहुंचे पिंडदानियों ने प्रथम पिंड तर्पण का कार्य किया और गया जी के लिए रवाना हुए। भोपतपुर पंचायत के रढुआ ग्राम निवासी आचार्य मधुसूदन त्रिवेदी ने एकादशी तिथि के पिंड तर्पण श्राद्ध के बारे में बताया कि आज इंदिरा एकादशी है इस दिन पितरों का तर्पण,श्राद्ध एवं दान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह भी बताया कि आज का तर्पण करने से पूर्वजों को यम लोक में जो यातनाएं दी जाती है उनसे उन्हें छुटकारा मिल जाता है। एकादशी तिथि के पिंड तर्पण से परिवार में सुख समृद्धि आती है,पितृ दोष दूर होता है एवं दिवंगत आत्मा को दिव्य गति की प्राप्ति होती है। विदित हो कि गया जी पिंड तर्पण के पूर्व प्रथम पिंड पुनपुन नदी में ही देने का विधान है एवं सनातनी परंपरा में जो व्यक्ति आस्था रखते हैं वे पितृ पक्ष माह में पूर्वजों की जिनकी तिथि जिस दिन होती है उस दिन तर्पण का कार्य पुनपुन नदी में करते हैं।

कला संस्कृति विभाग, पटना के समक्ष पातालगंगा धाम को विकसित करने के लिए पहुंचे समाजसेवी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। ब्राह्मचारी ज्ञानीनंद बाबा की तपोभूमि पातालगंगा मठ के प्रांगण में जनसहयोग से हो रहे पातालगंगा महोत्सव आयोजन समिति के प्रतिनिधिमण्डल पटना जाकर कला संस्कृति विभाग के सचिव माननीय प्रणव कुमार एवं उनके निजी सचिव आलोक कुमार और निर्देशक रूबी कुमारी जी से मुलाकात कर पातालगंगा धाम के विकास सम्बंधित मांगो पर चर्चा की गयी जिसमे कहा गया अम्बा मोड़ से देव पथ आने वाले रास्ते पर पातालगंगा धाम प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाये ' जनसहयोग से हो रहें पातालगंगा महोत्सव का सरकारीकरण किया जाये ' कार्तिक पूर्णिमा हो रहे कुटिया मेला व महोत्सव संचालित करने के लिए महोत्सव मंच का निर्माण किया जाये ' पहले पातालगंगा मठ के द्वारा हीं देव सूर्य मंदिर संचालित हुआ करती थी इसलिए पातालगंगा को विश्व पटल पर लाने के लिए कोरिडोर के रूप में विकसित किया जाये ' बंद गौशाला का जीर्णोद्धार कर भव्य सुविधासंपन्न गौशाला का निर्माण किया जाये ' शादी विवाह के लिए विवाह मंडप सह एक आडिटोरियम हॉल का निर्माण किया जाये ' पातालगंगा महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष सूर्यदेव यादव, सचिव दीपक गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र यादव, उपाध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद, पूर्व मुखिया देव नंदकिशोर मेहता जी को माननीय सचिव प्रणव कुमार जी नें उपरोक्त मांगो को गंभीरता से लेते हुए सारे मांगो को पूर्ण करने का आश्वाशन दियें ' आयोजन समिति नें सभी विभागीय पदाधिकारियों को पातालगंगा धाम का मोमेंटो देकर सम्मानित कियें।

डीएम ने किया सहयोग शिविर का निरीक्षण अधिकारी को दिया त्वरित निष्पादन का निर्देश

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस के निदेशार्नुसार जिले के पांचों प्रखंडों के कुल 12 पंचायतों में आमजनों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सुलभ कराने के उद्देश्य से सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा कलेर प्रखंड अंतर्गत इस्माइलपुर कोयल पंचायत में संचालित सहयोग शिविर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने शिविर में आवेदनों की प्राप्ति की स्थिति, प्राप्त आवेदनों के निष्पादन एवं लंबित मामलों पर की जा रही कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने शिविर में उपस्थित आमजनों से सीधे संवाद कर सहयोग शिविर के माध्यम से मिल रही सेवाओं एवं लाभों के संबंध में उनका फीडबैक भी प्राप्त किया। जिला प्रशासन, अरवल का प्रयास है कि सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो।

गोह का ऐतिहासिक पोखरा उपेक्षा का शिकार

गोह (औरंगाबाद)।गोह प्रखंड मुख्यालय का ऐतिहासिक पोखरा सरकारी उपेक्षा का दंश झेल रहा है।जिसके कारण पोखरा का अस्तित्व संकट में पड़ गया है।दर्जनो एकड़ में फैला इस पोखरा मुख्यालय में हजारों लोगों के जीवनदायनी के रूप से स्थापित है। जब पोखरा में पानी भरा रहता है तो मुख्यालय में पानी का भू - जल स्तर सामान्य रहता है। लेकिन पिछले कई वर्षों से पोखरा का उड़ाही नहीं हो सकी है। साथ ही पोखरा का पिंड भी अतिक्रमण का शिकार है। अतिक्रमण हटाने, पोखरा की उड़ाही करके सौंदर्यीकरण करने के दिशा में अभी तक साकारात्मक पहल नहीं किया जा सका है। कई बार डीएम, डीडीसी, सांसद एवं विधायक ने पोखरा का निरीक्षण किया है।पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है।जेपी सेनानी अरविंद पांडेय ने कहा कि बिहार सरकार का महत्वाकांक्षी योजना सात निश्चय के तहत जलाशय को अतिक्रमणमुक्त कराने, पोखरा को सौंदर्यीकरण करने का योजना फाइलों में दबकर रह गया है। अधिकारी इस समस्या को समाधान नहीं करना चाहते हैं।जो बड़े ही दुर्भाग्य है।पोखरा किनारे ही दुर्गा मंदिर, सूर्य मंदिर, हनुमान मंदिर, शिव मंदिर, छत्रपति शिवाजी महाराज, कपूर्री ठाकुर, चंद्रशेखर आजाद सहित अन्य महापुरुषों का स्मारक स्थापित है।इसके अलावा कार्तिक एवं चैती छठ पर्व पर हजारो संख्या में छठ व्रती भगवान भास्कर का अर्घ्य देते हैं।धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण यह पोखरा जलकुंभी एवं अन्य कचरा से पटा हुआ है। अगले माह कार्तिक छठ पर्व होने वाला है।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार की त्रैमासिक ई–पत्रिका प्रज्ञानिका के नए अंक का भव्य प्रकाशन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर बिहार के शिक्षकों द्वारा संचालित त्रैमासिक ई-शैक्षणिक पत्रिका प्रज्ञानिका के द्वितीय खंड के तृतीय अंक का भव्य प्रकाशन किया गया है। टीचर्स ऑफ बिहार के मार्गदर्शन में प्रकाशित यह पत्रिका प्रदेश के शिक्षकों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों, रचनात्मक गतिविधियों और उत्कृष्ट प्रयासों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ शैक्षिक विमर्श को नई दिशा देने का प्रयास कर रही है।दपत्रिका के इस अंक के प्रधान संपादक के रूप में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय में राजभाषा परिषद के हिंदी विशेषज्ञ डॉ. चंदन श्रीवास्तव का मार्गदर्शन रहा है। मुजफ्फरपुर की संपादक शुभी श्रीवास्तव ने संपादन, संयोजन एवं प्रस्तुतीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, सिवान की संपादक डॉ. पूनम कुमारी का भी संपादन कार्य में विशेष योगदान रहा। टीम के सामूहिक प्रयास से पत्रिका का यह अंक आकर्षक, सुव्यवस्थित एवं ज्ञानवर्धक स्वरूप में पाठकों के सामने आया है। पत्रिका के इस अंक में शिक्षा, नवाचार, तकनीक, साहित्य, पर्यावरण, नई शिक्षा नीति, स्वास्थ्य, खेल, यात्रा और समसामयिक विषयों को विभिन्न स्तंभों के माध्यम से स्थान दिया गया है। शिक्षक गाथा में शिक्षक स्रष्टा गगन कुमार ने मुजफ्फरपुर के राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित केशव कुमार की शैक्षणिक यात्रा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया है। विद्यालय गाथा में विद्यालय सूत्रधार पुरुषोत्तम कुमार ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला है। छात्र गाथा में अंकुर कथाकार निवेदिता रानी ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, प्रेरणा और संभावनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने रखा है। तकनीक के बदलते स्वरूप और उसके शैक्षिक उपयोग पर डिजिटल दुनिया स्तंभ में टेक्निकल लीड इंजी. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित उपकरणों के उपयोग और उनकी संभावनाओं पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। आलेख स्तंभ में अंजली आनंद, अमृता चंद्रा और विपिन कुमार चौधरी ने निपुण बिहार, आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान, रोजगारपरक सोच तथा शिक्षा-संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। वहीं, नवाचार स्तंभ में पहेली मास्टर एवं नवोन्मेष लेखक मुकेश कुमार शर्मा ने भाषा शिक्षण में कला, संगीत और तकनीक के समन्वय पर चर्चा की है। नई शिक्षा नीति : नया सवेरा स्तंभ में नीति चिंतक राघवेंद्र कुमार झा ने नई शिक्षा नीति एवं उपचारात्मक शिक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पक्षों पर विमर्श किया है। विविध स्तंभ में चंद्रकांत कुमार, बेबी अर्चना और आशीष अम्बर ने शिक्षकों की जनगणना यात्रा, जल संरक्षण और वैश्विक जल संकट जैसे सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है।

औरंगाबाद में मेडिकल कॉलेज बनने की ओर बढ़ा पहला कदम

औरंगाबाद गौरगाबाद जिले के देव प्रखंड स्थित पातालगंगा में सरकारी मेडिकल कॉलेज बनने का पहले पड़ाव की शुरूआत हो गई। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह के प्रयासों से आज असंभव सा लगने वाला कार्य संभव होता दिखा। औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में बिहार के राज्यपाल के नाम उक्त जमीन का रजिस्ट्रेशन कराया गया। इस कार्य हेतु महंत जी की महती भूमिका रही। जिसकी कोटि कोटि सराहना विधायक ने भी की। आज के दिन को औरंगाबाद जिला का ऐतिहासिक दिन कहा जाएगा। इस हेतु विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह के अथक परिश्रम को भी श्रेय दिया जाना चाहिए। भाजपा जिला प्रवक्ता जितेंद्र गुप्ता ने इसे औरंगाबाद जिले के विकास का मिल का पत्थर बताया। इस हेतु उन्होंने विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह को कोटि कोटि धन्यवाद दिया।

मेडिकल कॉलेज के लिए पातालगंगा ट्रस्ट ने किया भूमि दान, विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने जताया आभार

औरंगाबाद। आज जिला निबंधन कार्यालय, औरंगाबाद में जिला अवर निबंधक-सह-विशेष विवाह पदाधिकारी के कार्यालय में देव क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के निर्माण हेतु पातालगंगा ट्रस्ट, देव द्वारा भूमि दान की गई। ट्रस्ट की ओर से पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी ने भूमि दान की प्रक्रिया पूरी की। देव क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की दिशा में भूमि दान को एक महत्वपूर्ण, सराहनीय और जनहितकारी पहल बताते हुए औरंगाबाद विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने पातालगंगा ट्रस्ट एवं पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी के प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना से औरंगाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। साथ ही चिकित्सा शिक्षा, रोजगार और क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनहित और क्षेत्र के विकास के लिए पातालगंगा ट्रस्ट द्वारा किया गया यह भूमि दान आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण योगदान है।

10वीं सीनियर राष्ट्रीय स्तर गटका चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ओबरा प्रखंड के काझवा गांव निवासी एवं ओबरा विधानसभा क्षेत्र के पहलवान श्री उदय तिवारी जी की पत्नी वसुंधरा कुमारी जी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से ओबरा के साथ-साथ पूरे औरंगाबाद जिले एवं बिहार का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। वसुंधरा कुमारी जी की इस शानदार सफलता पर माननीय ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा भैया, लोजपा (रामविलास) के पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव ने उन्हें अपने कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ओबरा विधायक डॉ. प्रकाश चंद्रा ने कहा कि हमारे क्षेत्र की बेटियों की ऐसी उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं। खेल के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग मिलना चाहिए। वसुंधरा कुमारी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दिया गया।

पूर्वी चंपारण जिला के 90 पंचायत में सहयोग शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य पंचायत क्षेत्र के आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजनों तक सुगमता से पहुंचाना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के प्रखंड एवं अंचल स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने निर्धारित काउंटर पर उपस्थित रहे तथा आम नागरिकों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं को सुनकर आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। सहयोग शिविर में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सड़क, आवास, राशन, पेंशन, राजस्व, मनरेगा, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, पेयजल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। पदाधिकारियों के द्वारा शिविर में उपस्थित आम नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा संधारित किया गया तथा प्रत्येक मामले के निष्पादन हेतु आवश्यक प्रक्रिया सुनिश्चित की गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों की जांच एवं नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं हो इसका ध्यान रखें। शिविर के दौरान आम नागरिकों को विभिन्न लोक सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इस क्रम में जन्म प्रमाण-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं मनरेगा जॉब कार्ड सहित आवश्यक प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। इससे ग्रामीणों को अपने पंचायत क्षेत्र में ही सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त हुआ और उन्हें अनावश्यक रूप से प्रखंड अथवा जिला मुख्यालय का चक्कर लगाने से राहत मिली। इस सहयोग शिविर में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, आपूर्ति विभाग, सामाजिक कल्याण विभाग , लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, स्वास्थ्य विभाग, आवास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से तुरंत निष्पादन योग्य आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित किया गया शेष आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । जिला पदाधिकारी ने कहा है कि प्रशासन का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान एवं सरकारी योजनाओं/सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का विभागवार संधारण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करें तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। सहयोग शिविर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी भी दी गई। शिविर के माध्यम से प्रशासन एवं आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ तथा ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे जिला स्तरीय पदाधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला। जिला के वरीय पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने का निर्देश दिए। सहयोग शिविर में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी गण, सम्बन्धित पंचायत के मुखिया, वार्ड सदस्य, सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण आदि उपस्थित हुए।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.च.। दुर्गा पूजा को लेकर मंगलवार को सुगौली थाना परिसर में शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष अनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नूतन किरण सहित विभिन्न पूजा समितियों के अध्यक्ष व सदस्यों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान पूजा के आयोजन को लेकर संभावित समस्याओं और विधि-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ नूतन किरण ने पूजा समितियों के सदस्यों से आयोजन के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी ली तथा प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर शांतिपूर्ण तरीके से पूजा संपन्न कराने की बात कही। थानाध्यक्ष अनीष कुमार ने सभी पूजा समितियों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा का आयोजन करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है ।बैठक में बताया गया कि सुगौली रेलवे स्टेशन, छपवा, सुगांव, छपरा बहास, बनस्पति स्थान, रघुनाथपुर, सपहा सहित विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाता है। सभी पूजा स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि प्रतिमाओं का विसर्जन प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट के अनुसार ही किया जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि पूजा के दौरान शांति भंग करने अथवा किसी प्रकार की अराजकता फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मनचलों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। मौके पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि भाई अलीहसन, उप मुख्य पार्षद विकास शर्मा, हरिशंकर सर्राफ, अनिरुद्ध सिंह, नूरूल होदा कुरैशी, मोहम्मद शाबीर, जैतुल्लाह अंसारी, मुखिया मैनेजर सहनी, राजा सिंह, ऐनूल हक, अंकुर चौधरी, प्रियांशु सर्राफ, मुन्ना कुमार, संदीप झा, अनुप अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

संग्रामपुर नवरात्रि पूजा को लेकर पुलिस प्रशासन का बड़ा निर्देश

संग्रामपुरः नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से संग्रामपुर थाना परिसर में शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा और थाना प्रभारी नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पूजा समितियों को दिए गए निर्देश मुख्य बिंदु हाइलाइट्स लाइसेंस अनिवार्यः प्रतिमा स्थापना और पूजा पंडालों के लिए वैध लाइसेंस/अनुमति पत्र होना अनिवार्य। स्वयंसेवक तैनात रहेंगेः भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए पूजा समितियों को पर्याप्त संख्या में वालंटियर्स तैनात करने होंगे। अफवाहों पर सख्त रुखः किसी भी विवाद या अफवाह की स्थिति में तुरंत संग्रामपुर पुलिस को सूचित करने के निर्देश। प्रशासन पूरी तरह रहेगी मुस्तैदः थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने कहा– सुरक्षा में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मौजूद प्रमुख लोगः बैठक में पिंकू सिंह, मूनानी शर्मा, अतिंद्र कश्यप, पप्पू पांडेय, सुशील दुबे समेत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं विभिन्न पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित रहे। प्रशासन की अपीलः सभी नागरिक आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ शक्ति की उपासना का यह नवरात्रि महापर्व मनाएं।

संग्रामपुर पुलिस को मिली देशी शराब कि बड़ी खेप

संग्रामपुर। पुलिस ने शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुऐ गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने देशी शराब की एक खेप की बरामद मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम को देख कर देशी शराब ले जा रहा तस्कर अपनी मोटरसाइकिल और शराब का स्टॉक मौके पर ही छोड़कर भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शराब और मोटरसाइकिल दोनों को जब्त कर लिया है। फिलहाल, फरार शराब तस्कर की पहचान के प्रयास जारी हैं और पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी कर रही है।

सेवा सेतु शिविर-सरकार आपके द्वार के माध्यम से पात्र लाभुकों तक पहुंचाया गया योजनाओं का लाभ

बेतिया। सरकार के निर्देश के आलोक में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में दिनांक 06 से 08 अक्टूबर 2026 तक सभी प्रखंडों में सेवा सेतु शिविर-सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी प्रखंडों के चयनित पंचायतों एवं नगर निकायों में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। शिविर का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्तियों तक उनके द्वार पर पहुंचाना है। शिविरों में आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभुकों से आवेदन प्राप्त किए गए तथा उन्हें आवश्यक सेवाओं एवं योजनाओं से लाभान्वित करने की कार्रवाई की गई। जिला पदाधिकारी श्री तरनजोत सिंह के निर्देश के आलोक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी शिविरों को सफल बनाने हेतु पूरी तत्परता के साथ कार्यरत रहे। नोडल पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न शिविरों का निरीक्षण एवं अनुश्रवण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविर-ह्यसरकार आपके द्वारह्ल में पहुंचकर सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं। सेवा सेतु शिविर का आयोजन 07 एवं 08 अक्टूबर 2026 को भी जिले के चयनित पंचायतों एवं नगर निकायों में किया जाएगा।

दहेज हत्या मामले में पति, सास और ससुर दोषी करार, 14 अक्टूबर को सजा पर फैसला

बगहा। दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में बगहा व्यवहार न्यायालय के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेन्द्र मिश्रा की अदालत ने पति, सास और ससुर को दोषी करार दिया है। अदालत ने रंजीत चौधरी, दयवंती देवी और मथुरा प्रसाद के खिलाफ लगे आरोपों को अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूतों और गवाहों की गवाही के आधार पर सिद्ध माना। तीनों दोषियों की सजा के बिंदु पर 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अभियोजन के अनुसार, रामनगर थाना क्षेत्र में हुई घटना को लेकर मृतका के पिता उपेन्द्र प्रसाद के लिखित आवेदन पर रामनगर थाना कांड संख्या 28/2017 दर्ज की गई थी। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 302 एवं 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रीना देवी की शादी वर्ष 2002 में रंजीत चौधरी के साथ हुई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि शादी के कुछ वर्षों बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग रीना देवी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे और उसके साथ मारपीट की जाती थी। मामले के अनुसार, 19 जनवरी 2017 को मृतका के मायके वालों को सूचना मिली कि रीना देवी आग में जलकर मर गई है। इसके बाद मृतका के पिता ने पति रंजीत चौधरी, सास दयवंती देवी और ससुर मथुरा प्रसाद पर उनकी पुत्री को जलाकर मारने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कुपोषित बच्चों की बेहतर देखभाल को स्वास्थ्य विभाग की पहल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। कुपोषित बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य और पोषण उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष पहल की जा रही है। इसके तहत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनकी स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी देखभाल और जरूरत के अनुसार उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम आंगनबाड़ी केंद्रों और सामुदायिक स्तर पर बच्चों की स्क्रीनिंग कर कुपोषण की स्थिति का आकलन कर रही है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को बेहतर उपचार और निगरानी के लिए स्वास्थ्य केंद्र अथवा पोषण पुनर्वास केंद्र भेजने की व्यवस्था की जा रही है। वहीं बिना चिकित्सकीय जटिलता वाले बच्चों की देखभाल स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार और आवश्यक चिकित्सकीय सलाह के माध्यम से की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए परिवारों को संतुलित और पौष्टिक भोजन के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। कुपोषण की समय पर पहचान और नियमित निगरानी से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार के मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत भी गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त पूरक पोषण देने और उनकी नियमित निगरानी की व्यवस्था है।

राष्ट्रीय लॉन बाउल्स चैंपियनशिप के लिए पूर्वी चम्पारण के चितरंजन कुमार का चयन

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी पूर्वी चंपारण जिले के ढाका प्रखंड अंतर्गत परसा निवासी एवं राष्ट्रीय लॉन बाउल्स खिलाड़ी चितरंजन कुमार का ओडिशा में आयोजित होने वाली पहली अंडर-18 एवं छठी अंडर-25 राष्ट्रीय लॉन बाउल्स चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। चितरंजन कुमार वर्तमान में उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा कार्यालय, पूर्वी चंपारण में प्रतिनियुक्त कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन के पश्चात खिलाड़ियों के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पटना स्थित गुलजारबाग खेल परिसर में किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में चयनित खिलाड़ी प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। बिहार सरकार के द्वारा मेडल लाओ नौकरी पाओ योजना के तहत राष्ट्रीय खिलाड़ी चितरंजन कुमार को निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर समाहरणालय पूर्वी चम्पारण ,मोतिहारी में नियुक्ति दी गई है। चितरंजन कुमार के चयन से पूर्वी चंपारण के खेल प्रेमियों एवं लॉन बाउल्स खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने उनके चयन पर बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दी हैं। खेल प्रेमियों का कहना है कि चितरंजन कुमार का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन जिले में लॉन बाउल्स खेल को नई पहचान दिलाने के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों को भी इस खेल के प्रति प्रेरित करेगा।

तालाब के पास बाघ दिखने की सूचना निकली भ्रामक, फिशिंग कैट की हुई पहचान

बगहा। प्रखंड क्षेत्र के नरवल-बरवल पंचायत अंतर्गत पिपरा गांव में अभिमन्यु यादव के तालाब के पास वन्यजीव देखे जाने की सूचना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों के बीच वन्यजीव के बाघ होने की चर्चा के बाद इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। जांच के दौरान वन विभाग ने स्पष्ट किया कि तालाब के पास दिखाई देने वाला जानवर बाघ नहीं, बल्कि फिशिंग कैट (मछली बिल्ली) है। इसके बाद बाघ देखे जाने की चर्चा को भ्रामक बताया गया। रेंजर श्रीमान मलाकार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। जांच में सामने आया कि तालाब के पास दिखाई देने वाला वन्यजीव फिशिंग कैट है, जो भोजन की तलाश में बार-बार तालाब के आसपास पहुंच रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि फिशिंग कैट से लोगों को किसी तरह का खतरा नहीं है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और वन्यजीव को परेशान नहीं करने की अपील की है। साथ ही किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर उसके करीब जाने के बजाय इसकी सूचना वन विभाग को देने की सलाह दी गई है।

एसएसबी 21वीं वाहिनी में हिन्दी पखवाड़ा का समापन साइबर सुरक्षा जागरूकता माह का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। एसएसबी 21वीं वाहिनी, बगहा मुख्यालय में मंगलवार को हिन्दी पखवाड़ा का औपचारिक समापन समारोह आयोजित किया गया। साथ ही अक्टूबर माह को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाने की शुरूआत की गई। कार्यक्रम में कमांडेंट तपेश्वर सांबित राउत ने हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग के साथ जवानों को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। एसएसबी 21वीं वाहिनी में 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया था। इस दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार को लेकर निबंध लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, हिन्दी शब्दकोश समेत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में वाहिनी के जवानों और कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह अक्टूबर 2026 का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जवानों को साइबर खतरों, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और डेटा सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई। कमांडेंट ने अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, संदिग्ध संदेशों से सावधान रहने और साइबर हाईजीन अपनाने की अपील की। उन्होंने जवानों को सतर्क डिजिटल प्रहरी बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश शर्मा, हिंदी अधिकारी सह दण्डपाल यशवंत कुमार, उप कमांडेंट समेत अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। समारोह का समापन दैनिक सरकारी कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग और साइबर सुरक्षित भारत के निर्माण का संकल्प लेने के साथ हुआ।

अज्ञात वाहन से बाइक चालक की हुई टक्कर, युवक की मौत

चनपटिया ।बेतिया-चनपटिया मुख्य मार्ग में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना मनुआपुल थाना क्षेत्र के मेहंदियाबारी के आस पास की है ।बताया जा रहा है कि बाइक चालक चनपटिया की तरफ से बेतिया की ओर आ रहा था। तभी अज्ञात वाहन और बाईक में जोरदार टक्कर हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक सड़क पर जा गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया ।सूचना पर पहुंची मनुआपुल थाना की पुलिस ने खून से लथपथ घायल यूवक को बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया लेकर गई, ।जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक की पहचान योगापट्टी थाना क्षेत्र के भटवलिया फतेहपुर गांव निवासी शिवनाथ यादव के 20 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है ।घटना के बाद परिवारजनों में चित्कार व कोहराम मच गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है । मनुआपुल एस एच ओ रवि कुमार ने बताया की सड़क दुर्घटना में योगापट्टी थाना क्षेत्र के विकास कुमार की मौत हो गई। शव को अंत्यपरीक्षण कराने के बाद स्वजनों को सौप दिया गया है । इस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर अज्ञात वाहन की तलाश करअग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है ।

बगहा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी दारोगा की इलाज के दौरान मौत

बगहा। बगहा रेलवे स्टेशन पर तैनात जीआरपी के दारोगा भागवत प्रसाद (57) की रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी महकमे और उनके परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। भागवत प्रसाद मूल रूप से भागलपुर जिले के पीरपैंती थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के रहने वाले थे। वे करीब एक वर्ष से बगहा रेलवे स्टेशन पर जीआरपी में तैनात थे और लगभग तीन साल बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालत खराब होने की जानकारी मिलने पर स्टेशन के दुकानदारों और आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद आरपीएफ जवानों ने उन्हें तत्काल बगहा अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उनका इलाज शुरू किया। इलाज के दौरान भोर में उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुआ, लेकिन सुबह अचानक फिर तबीयत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन बगहा पहुंचे। मृतक के छोटे भाई योगेश कुमार भी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। योगेश कुमार स्वयं पटना में एसआई के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि भागवत प्रसाद चार भाइयों में एक थे। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें एक बेटे की शादी हो चुकी है। दारोगा की मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा हुआ है। जीआरपी इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि मध्य रात्रि आरपीएफ की ओर से भागवत प्रसाद की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान सुबह उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भागवत प्रसाद पहले से बीमार चल रहे थे।

शिवांश बरनवाल बने बिहार राज्य जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के दूसरा उपविजेता

बेतिया(घनश्याम) ।नगर के खिरिया घाट निवासी भानु बरनवाल के पुत्र शिवांश बरनवाल ने राष्ट्रीय जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है यह चैंपियनशिप अखिल बिहार शतरंज संघ के तत्वाधान में मुजफ्फरपुर जिला शतरंज संघ के द्वारा आयोजित बिहार राज्य जूनियर रेटिंग शतरंज चैंपियनशिप जो 01 अक्टूबर से 05 अक्टूबर 2026 हो रहा था । जिसमें विभिन्न जिलों के 130+ से खिलाडियों ने भाग लिया ।चंपारण शतरंज अकादेमी के खिलाड़ी शिवांश बरनवाल बने अंडर - 19 के दूसरा उपविजेता बने है । उन्हें इस चैंपियनशिप में तीसरा रैंक हासिल किए और उनका सिलेक्शन राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के लिए किया गया जो 11 से 19 दिसम्बर 2026 को कोलकाता में हो रहा उसमे बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। शिवांश बरनवाल बिहार राज्य अंडर-19 शतरंज चैंपियनशिप में तीसरा रैंक हासिल किया । उन्होंने कुल 9 चक्र के मैच में 7 पॉइंट्स बनाकर यह उपलब्धि हासिल किया और 50 क्लासिकल रेटिंग भी बढ़ाया है उन्होंने ने पहले चक्र में मुजफ्फरपुर के वियान को , दूसरे चक्र में पटना के शिवम समदर्शी को हराया, तीसरे चक्र में मधुबनी के अनुभव मिश्रा से हार, चौथे चक्र में मुजफ्फरपुर के सीवेन को पाँचवे चक्र में पटना के यशराज मौर्य को हराया, छठे राउंड में वैशाली के कियान श्रेष्ठ से ड्रॉ, सातवें राउंड में पटना के श्रेष्ठ प्रताप सिंह को हराया, आठवें राउंड में पटना के जवींन जायसवाल से ड्रा और अंतिम राउंड में कार्तिक कुमार को हराकर चैंपियनशिप में तीसरा रैंक हासिल किया । शिवांश बरनवाल को चंपारण शतरंज अकादमी में शाहिद हुसैन के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाता है उनके माता-पिता और शिवांश का परिश्रम के कारण यह सफलता मिली है पश्चिमी चंपारण जिले के लिए बहुत बड़ा उपलब्धि है शिवांश को तीन हजार पाँच सो कैश, ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है और चंपारण शतरंज अकादमी के निदेशक नवीन जायसवाल, मुख्य संरक्षक डॉक्टर मोहम्मद गुलजार, संस्थापक सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन, मनीष कुमार प्रेम शंकर सिंह आदि खेल प्रेमियों में शुभकामनाएं और बधाई दिए।

नेपाल में बाढ़ के बाद खोज एवं बचाव अभियान समाप्त, 5,285 लोग अब भी लापता

बगहा। नेपाल में 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई विनाशकारी बाढ़ के करीब 40 दिन बाद सरकार ने गैर-जरूरी खोज एवं बचाव अभियान समाप्त करने का फैसला लिया है। आपदा में अब तक 1,455 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 5,285 लोग अब भी लापता हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सरकार ने अब बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। हालांकि, जरूरत पड़ने पर आपातकालीन बचाव अभियान जारी रहेगा। बैठक में बाढ़ और अन्य मानसूनी आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण एवं पुनर्वास के लिए 504 योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत वित्त मंत्रालय से 559.18 अरब नेपाली रुपये के बजट की सिफारिश की गई है। सरकार का कहना है कि संघीय, प्रांतीय और स्थानीय सरकारों के समन्वय से पुनर्निर्माण का काम आगे बढ़ाया जाएगा। बाढ़ में सड़क, पुल, बस्ती, कृषि भूमि और 12 जलविद्युत परियोजनाओं को भी भारी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक प्रभावित लोगों के पुनर्वास और बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता होगी। बतादें, 189 भारतीय भी लापताः रिपोर्टों के अनुसार लापता लोगों में 189 भारतीय नागरिक और भारतीय मूल के कुछ अन्य लोग भी शामिल हैं।

गन्ने के खेत से 21.450 किलो गांजा जब्त, पुलिस को देख तस्कर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। इनरवा थाना क्षेत्र के झझरी-घोड़पकड़ी गांव के बीच गन्ने के खेत में छापेमारी कर पुलिस ने मंगलवार की अहले सुबह दो बोरों में छिपाकर रखा 21.450 किलो गांजा बरामद किया। बरामद गांजा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 8 लाख 58 हजार रुपये आंकी गई है। हालांकि, पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही गांजा तस्कर मौके से फरार हो गया। इनरवा थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि मंगलवार की अहले सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से गांजा लाकर झझरी-घोड़पकड़ी गांव के बीच गन्ने के खेत में छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलने के बाद थाना पुलिस बल के साथ तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान गन्ने के खेत में छिपाकर रखे गए दो बोरे बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों बोरों की जांच की तो उसमें कुल 21.450 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कारोबारी मौके से फरार हो चुका था ।थानाध्यक्ष ने बताया कि मौके से फरार तस्कर की पहचान से संबंधित फिलहाल कोई जानकारी पुलिस को नहीं मिल सकी है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस गांजा तस्करी से जुड़े लोगों की पहचान करने के साथ ही पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच में जुटी है।

इंडो-नेपाल होम्योपैथिक सम्मेलन में डॉ. संजय कुमार की अहम भूमिका भारत-नेपाल के चिकित्सकों के बीच सहयोग को मिलेगा नया आयाम

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। होम्योपैथी के क्षेत्र में भारत और नेपाल के चिकित्सकों के बीच वैज्ञानिक, व्यावसायिक एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से इंडो-नेपाल होम्योपैथिक सम्मेलन 2026 का आयोजन 1 नवंबर 2026 (रविवार) को मौर्या होटल, भैरहवा (लुम्बिनी), नेपाल में किया जाएगा। सम्मेलन में बेतिया के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. संजय कुमार आयोजन समिति के सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सम्मेलन का आयोजन आयुष मेडिकल एसोसिएशन (बिहार) द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम की थीम ह्लर्ी’ल्लॅ ६३ॅ ग्रील्लू, ल्ड्ढल्लङ्क४१ल्लॅ एॅ्री’ ‘ल्लीह्व रखी गई है। सम्मेलन के दौरान होम्योपैथी के क्षेत्र में वैज्ञानिक संवाद, नवीनतम विकास, चिकित्सकीय अनुभवों एवं नए ज्ञान के आदान-प्रदान पर चर्चा होगी ।आयोजन समिति के सदस्य के रूप में डॉ. संजय कुमार की भूमिका होम्योपैथी के विकास एवं प्रचार-प्रसार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उनके सक्रिय योगदान से भारत और नेपाल के होम्योपैथिक चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग स्थापित होने की उम्मीद है ।सम्मेलन में चिकित्सकों, शोधकर्ताओं एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने तथा होम्योपैथी के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिलेगा। साथ ही उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सा एवं होम्योपैथी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा ।आपको बता दें कि यह सम्मेलन भारत और नेपाल के बीच होम्योपैथिक चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के साथ-साथ भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राहत सामग्री पर कब्जे का आरोप, नौ दिन बाद भी बाढ़ पीड़ितों तक नहीं पहुंची राहत

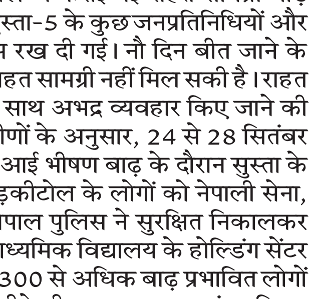

बगहा। नेपाल के नवलपरासी जिले के सुस्ता क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों के लिए पहुंचाई गई राहत सामग्री के वितरण में कथित अनियमितता और कब्जे का मामला सामने आया है । ग्रामीणों का आरोप है कि विभिन्न संघ-संस्थाओं और राजनीतिक दलों की ओर से उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाने के बजाय सुस्ता-5 के कुछ जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकताओं के पास रख दी गई। नौ दिन बीत जाने के बाद भी कई पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री नहीं मिल सकी है। राहत सामग्री लेने पहुंचे सहयोगियों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत भी सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार, 24 से 28 सितंबर 2026 के बीच नारायणी नदी में आई भीषण बाढ़ के दौरान सुस्ता के थारू टोल, सैनिक टोल और बड़कीटोल के लोगों को नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल और नेपाल पुलिस ने सुरक्षित निकालकर सुस्ता-5 स्थित बलिनगर बीपी माध्यमिक विद्यालय के होल्डिंग सेंटर में पहुंचाया था। यहां 1200 से 1300 से अधिक बाढ़ प्रभावित लोगों ने शरण ली थी। पीड़ितों के खाने-पीने की व्यवस्था सुस्ता गांवपालिका की ओर से की गई थी।

इनरवा बॉर्डर पर तीन दिनों से चल रहा धरना समाप्त

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड।इनरवा बॉर्डर पर तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के आवागमन पर रोक के विरोध में नेपाली नागरिकों का तीन दिनों से चल रहा धरना-प्रदर्शन मंगलवार को समाप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने वाहनों के आवागमन पर लगी रोक हटाने की मांग को लेकर रविवार से आंदोलन शुरू किया था। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाकर विरोध जताया था। वहीं, सोमवार को प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से बॉर्डर पर धरना दिया। इस दौरान कुछ समय के लिए सीमा पर आवागमन बाधित रहा, जिससे भारत और नेपाल के दोनों ओर आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के सीडीओ कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने तीन पहिया और चार पहिया वाहनों के आवागमन पर लगी रोक को हटाने की मांग की। सीडीओ ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन देते हुए करीब डेढ़ माह का समय मांगा। उन्होंने कहा कि संसद भवन से आवश्यक मुहर लगते ही तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा। सीडीओ के आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने धरना समाप्त कर दिया। इसके साथ ही तीन दिनों से चल रहा आंदोलन समाप्त हो गया और सीमा क्षेत्र में स्थिति सामान्य होने लगी।

सहयोग शिविरों में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 392 मामलों में 330 का मौके पर समाधान, हेमजापुर में डीएम-एसपी ने किया शिविर का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। धरहरा प्रखंड अंतर्गत ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से धरहरा प्रखंड की दो पंचायतों में आयोजित सहयोग शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखीं। हेमजापुर पंचायत में 308 प्राप्त हुआ जिसमें मौके पर 284 का निष्पादन किया गया तो वही धरहरा दक्षिण पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 46 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। हेमजापुर पंचायत भवन परिसर में आयोजित सहयोग शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर एवं पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान हेमजापुर पंचायत के मुखिया संजय कुमार ने गुलदस्ता भेंटकर जिलाधिकारी का स्वागत किया। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने कुल 308 आवेदन दिए। इनमें से 284 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के कर्मियों एवं पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। हेमजापुर शिविर में सबसे अधिक 111 आवेदन स्वास्थ्य विभाग से संबंधित रहे। इसके अलावा आवास विभाग से 86, राजस्व विभाग से 60, आयुष्मान कार्ड से 23, खाद्य आपूर्ति विभाग से 6, मनरेगा से 5, कृषि केसीसी से 4, सामाजिक सुरक्षा से 3, बाल विकास परियोजना से 3, विद्युत विभाग से 2, जीविका से 2, श्रम संसाधन विभाग से 2 तथा सिंचाई विभाग से एक आवेदन प्राप्त हुआ। धरहरा दक्षिण में 84 आवेदन, 46 मामलों का निपटारा : वहीं, धरहरा दक्षिण पंचायत के गणेश मंदिर परिसर में आयोजित सहयोग शिविर का उद्घाटन एडीएम सुमन प्रसाद शाह एवं उपसमाहर्ता प्रिया कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर कुल 84 आवेदन सौंपे, जिनमें से 46 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। अधिकारियों ने शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने बारी-बारी से अपनी समस्याएं पदाधिकारियों के समक्ष रखीं, जिस पर संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिए गए। दोनों शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही। प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं विभिन्न विभागों से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक भी किया। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि ललन कुमार यादव, प्रखंड उप प्रमुख नीरज कुमार यादव, हेमजापुर पंचायत के मुखिया संजय कुमार, शिवकुंड पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अरविंद कुमार यादव, अमारी पंचायत के मुखिया अरुण कुमार साहु, बाहा चौकी के मुखिया प्रतिनिधि डब्लू मंडल, नोडल पदाधिकारी सचिन चक्रवर्ती, पंचायती राज पदाधिकारी राकेश कुमार, मुखिया मनोज कुमार सिंह उर्फ मनोहर सिंह, डॉ. नंदकिशोर मेहता, विद्युत कनीय अभियंता रोहित प्रसाद, उपमुखिया पिंकी देवी, पैक्स अध्यक्ष अभिजीत कुमार सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि, विभागीय पदाधिकारी एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

दुर्गा पूजा को लेकर हवेली खड़गपुर थाना में शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर हवेली खड़गपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने की। बैठक में पुलिस पदाधिकारियों के साथ पूजा समितियों के सदस्य एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने पूजा समितियों से प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय बनाकर पूजा एवं विसर्जन कार्यक्रम संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में वोलेंटियर्स की तैनाती की जाए। वोलेंटियर्स की पहचान के लिए टी-शर्ट और आईकार्ड रखने पर जोर दिया गया। बैठक में पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे एवं अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। भीड़भाड़ वाले स्थानों और मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। डीजे के उपयोग में निर्धारित नियमों एवं न्यायालय के निर्देशों का पालन करने की हिदायत दी गई। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। पुलिस ने सोशल मीडिया पर अफवाह, भ्रामक वीडियो या आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित नहीं करने की अपील की। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफवाह की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा गया। विसर्जन के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में एसआई सुनीता, एसआई मनोज सहित, एसआई संजीव अन्य पुलिस पदाधिकारी सहित पूजा समिति के सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

करसौत पंचायत में मुख्यमंत्री सहयोग शिविर आयोजित, शामिल हुए विधायक व्यास सिंह

सीवान/ दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के कारसौत पंचायत में मंगलवार को मुख्यमंत्री सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और सरकारी योजनाओं से संबंधित मामलों की जानकारी ली गई तथा उनके समाधान को लेकर आवश्यक पहल की गई। शिविर में दारौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह, डीडीसी अमिताभ सिंह, एसडीओ अनीता सिन्हा, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह, मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका, बीडीओ शिम्पी कुमारी, बीईओ सौरभ सुमन, राजस्व अधिकारी स्वर्णिका चन्द्रा, रविंद्र राम, पीओ राजीव रंजन, पैक्स अध्यक्ष शशि सिंह एवं बीसीसी मुरारी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सराहनीय कार्य के लिए आरपीएफ सीवान के पांच अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

सीवान। सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यो के लिए आरपीएफ पोस्ट सीवान के पांच अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मंगलवार को पुलिस अधीक्षक रेल, मुजफ्फरपुर के कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में निरीक्षक सुभाष चन्द्र यादव, उप निरीक्षक जयेन्द्र कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल परमेन्द्र राय, कांस्टेबल विजय कुमार यादव एवं कांस्टेबल नागेन्द्र कुमार यादव शामिल हैं। बताया गया कि इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्यो को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रेल, मुजफ्फरपुर (एसआरपी) ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सम्मान मिलने पर आरपीएफ सीवान के अधिकारियों एवं कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में संघर्ष फिजिकल एकेडमी का शानदार प्रदर्शन

सीवान/दरौंदा, मैरवा, पचलखी में आयोजित राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में संघर्ष फिजिकल एकेडमी दरौंदा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 पदक जीते। मंटू कुमार ने 1600 मीटर दौड़ और नेहा कुमारी ने 4.5 फीट हाई जंप में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं पुष्पांजलि, प्रियंका, छोटू व अभिमन्यु ने रजत, जबकि सत्यम, अंशु व मोहित ने कांस्य पदक जीता। रंजित कुमार ने भी 800 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। खिलाड़ियों की सफलता पर कोच प्रिंस कुमार व ट्रेनर राहुल कुमार ने बधाई देते हुए इसे मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम बताया।

दशहरा के पंडाल व जुलूस में डीजे का रहेगा प्रतिबंध

प्रात : किरण संवाददाता

दरौली, सिवान : मंगलवार को थाना परिसर में दशहरा पर्व को लेकर शांति समिति सदस्यों की बैठक अंचलाधिकारी विद्या भूषण भारती व प्रखंड विकास पदाधिकारी दिप्ती शिखा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। जिसमें प्रखंड क्षेत्र से आएं शांति समिति सदस्य व अखाड़े का लाइसेंसधारकों से उपस्थित थे । पदाधिकारियों द्वारा दशहरा पर्व को शांति व सौहार्द पूर्वक कैसे संपन्न हो इस विचार विमर्श किया गया । वहीं अंचलाधिकारी विद्या भूषण भारती द्वारा बताया गया सभी अखाड़े के लाइसेंसधारक अपना अपना लाइसेंस रिनुअल करा ले। साथ ही दशहरा पर्व को गाइड लाइन के मानक के अनुसार ही अपना अपना पंडाल बनाएं। वहीं अखाड़ा जुलूस व प्रतिमा विसर्जन जुलूस में किसी भी तरह का धारदार हथियार प्रतिबंधित रहेगा। साथ डीजे भी प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पंडाल में रात्रि 10 बजें के बाद लाउडस्पीकर नहीं बजेगा । अगर ऐसा पाया जाता है तों करवाई किया जाएगा। वहीं थानाध्यक्ष अभिनव कुमार दुबे ने लोगों से अपील किया कि अगर कोई असमाजिक तत्वों द्वारा पर्व में किसी भी तरह का बाधा उत्पन्न करता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दिया जाएं। जिससे तुरंत करवाई करते हुए शांति स्थापित किया जाएगा। बैठक में पदाधिकारियों द्वारा यह भी अपील किया गया कि दशहरा पर्व से संबंधित अगर कोई समस्या है तो लिखित रुप दो तीन दिन के अंदर दे जिससे उसका समाधान किया जाएं। बैठक में पंचायत समिति सदस्य बालेश्वर सिंह, सरपंच राजेन्द्र यादव, पूर्व उप प्रमुख बीर कुंवर सिंह, पूर्व उप प्रमुख अनिल कुमार ओझा, भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, धुरंधर राय, सामाजिक कार्यकर्ता दायाराम राय, नेयाजूल हक, बच्चा गुप्ता, रितेश सिंह सहित अन्य शांति समिति सदस्य उपस्थित थे।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का, लगा सरकारी योजनाओं का मेला

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को तीन दिवसीय ह्यसेवा सेतु - सरकार आपके द्वारह्व कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम के पहले दिन प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड और दवाओं का वितरण किया गया। मनरेगा स्टॉल पर जॉब कार्ड और रोजगार से संबंधित आवेदन लिए गए। वहीं पशुपालन, कृषि, शिक्षा, आपूर्ति, समाज कल्याण और राजस्व विभाग के स्टॉलों पर भी भीड़ देखी गई । अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दे रहे हैं, जिनका निष्पादन तीन दिनों के भीतर करने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, आवास योजना, जाति-आय-निवास प्रमाण पत्र के लिए भी आवेदन लिए गए। पहले दिन बड़ी संख्या में महिला-पुरुष पहुंचे और योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम करेगा और लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

दारौंदा में दशहरा को लेकर शांति समिति की बैठक, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/ दारौंदा थाना परिसर में मंगलवार को दशहरा पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, पूजा समितियों के सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस दौरान पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी स्थिति से निपटने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने कहा कि दशहरा आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है। शांति भंग करने या अफवाह फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पूजा समितियों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने तथा जुलूस व अन्य कार्यक्रमों के दौरान अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर विशेष नजर रखी जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। पुलिस-प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया गया। बैठक में प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह, उप प्रमुख हरिश यादव, सरपंच मिथलेश सिंह, सभापति राम, पूर्व जिला पार्षद वीरेंद्र शर्मा, भोजपुरी पुनर्जागरण मंच के जिला मंत्री अशोक सिंह, राजमंगल मांझी, छोटेलाल साह, बीस सूत्री सदस्य हरि प्रेम पासवान, पत्रकार राजीव कुमार भारती समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टेटिया में स्वच्छता कर्मियों ने की घनी झाड़ियों की सफाई

हवेली खड़गपुर/टेटिया बंबर (मुंगेर)। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत ग्राम पंचायत टेटिया में स्वच्छता कर्मियों ने विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान घरों के पीछे उग आई घनी जंगली बेल-लताओं और झाड़ियों को काटकर साफ किया गया। पंचायत स्वच्छता पर्यवेक्षक राणा रणवीर पासवान ने बताया कि घरों के आसपास घनी वनस्पति रहने से जलजमाव और मच्छरों के पनपने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए ऐसे स्थानों की नियमित सफाई जरूरी है। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की प्रखंड समन्वयक प्रतिमा कुमारी के नेतृत्व में प्रखंड क्षेत्र में सफाई अभियान के साथ जागरूकता रैली, संदेश, प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करना है।

आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने नई ब्रांड पहचान का किया अनावरण

प्रात : किरण संवाददाता

दुगार्पुर। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड, जिसे पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने सोमवार को अपनी नई ब्रांड पहचान और टैगलाइन हर कल आसान की घोषणा की, जिसमें भारतीय ग्राहकों के लिए जीवन बीमा को सरल, अधिक पारदर्शी, लचीला और सुलभ बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। कंपनी ने कहा कि नई ब्रांड पहचान ग्राहकों को अधिक स्पष्टता, आत्मविश्वास और सुविधा के साथ दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। नई स्थिति लोगों को अपने वित्तीय भविष्य के बारे में सूचित विकल्प बनाने में मदद करने के लिए अनिश्चितताओं के खिलाफ सुरक्षा से परे जीवन बीमा बातचीत को स्थानांतरित करना चाहती है। श्रीनिवास बालासुब्रमण्यम, विपणन, डिजिटल और बैंकश्योरेंस के प्रमुख ने कहा कि आईसीआईसीआई का नाम लाखों भारतीयों के जीवन में एक स्थायी स्थान है, जो विश्वास, ताकत और वित्तीय पहुंच के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। पिछले 25 वर्षों में हमें 20 करोड़ से अधिक भारतीयों के सपनों और भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करने का सौभाग्य मिला है।

मुंगेर विश्वविद्यालय में स्नातक नामांकन का अंतिम अवसर

6 से 8 अक्टूबर तक होगा स्पॉट एडमिशन राउंड

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक (यूजी) पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए स्पॉट एडमिशन राउंड आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार स्नातक नामांकन सत्र 2026-29 में रिक्त सीटों पर नामांकन का यह अंतिम अवसर होगा। स्पॉट एडमिशन के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 6 से 8 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद 9 अक्टूबर को मेरिट सूची/पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी, जबकि चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन 10 से 12 अक्टूबर 2026 तक कराया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह स्पॉट एडमिशन केवल उपलब्ध रिक्त सीटों के विरुद्ध होगा। संबंधित महाविद्यालय एवं विषयवार रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। कौन कर सकेंगे आवेदन : पूर्व के नामांकन चरणों में जिन अभ्यर्थियों का किसी भी महाविद्यालय में नामांकन नहीं हो सका है, वे उपलब्ध रिक्त सीटों के विरुद्ध बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के आवेदन कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को अधिकतम तीन महाविद्यालय एवं पाँच विषयों का विकल्प देने की सुविधा होगी। वहीं, जिन अभ्यर्थियों का पूर्व में किसी महाविद्यालय में नामांकन हो चुका है, वे इस स्पॉट एडमिशन प्रक्रिया के लिए पात्र नहीं होंगे। ऑनलाइन पोर्टल से होगा आवेदन : मुंगेर विश्वविद्यालय के पंजीकृत अभ्यर्थी समर्थ यू एम आई एस पोर्टल के माध्यम से स्पॉट एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने से पहले अभ्यर्थियों को संबंधित महाविद्यालय एवं विषयवार उपलब्ध रिक्त सीटों की जानकारी पोर्टल पर देखनी होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें तथा विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट एवं संबंधित समर्थ यू एमआई एस पोर्टल पर उपलब्ध नवीनतम सूचना का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें। मुंगेर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रियवंदा शर्मा ने बताया कि स्पॉट एडमिशन राउंड का उद्देश्य स्नातक पाठ्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों को भरने का अंतिम अवसर प्रदान करना है। उन्होंने इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थियों से निर्धारित समय-सीमा का पालन करते हुए ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

इंटरनल परीक्षा देने के बावजूद रिजल्ट में किया अनुपस्थित, एबीबीपी ने सुधार करने की मांग की

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। हरि सिंह महाविद्यालय, हवेली खड़गपुर में स्नातक सेमेस्टर-3 के विद्यार्थियों को इंटरनल परीक्षा में शामिल होने के बावजूद परीक्षा परिणाम में अनुपस्थित किए जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरि सिंह महाविद्यालय के कॉलेज अध्यक्ष अर्पण कुमारी के नेतृत्व में महाविद्यालय के प्राचार्य को आवेदन देकर तत्काल परिणाम में सुधार की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि स्नातक सेमेस्टर-3 बैकलॉग सत्र 2023-27 एवं 2024-28 के कई विद्यार्थियों ने इंटरनल परीक्षा दी थी, इसके बावजूद परिणाम में उन्हें अनुपस्थित दशार्या गया है। एबीवीपी के कॉलेज उपाध्यक्ष सैलब झा ने कहा कि इस त्रुटि के कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने मांग की है कि सत्र 2025-29 तथा बैकलॉग सत्र 2023-27 एवं 2024-28 की इंटरनल परीक्षा 7 अक्टूबर से शुरू होने से पहले पूर्व में जारी परिणाम में हुई त्रुटि का सत्यापन कर आवश्यक सुधार किया जाए। विद्यार्थी परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो प्रभावित विद्यार्थियों के साथ न्याय की मांग को लेकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक आंदोलन करने के लिए संगठन बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी। इस मौके पर प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सत्यम कुमार निराला, कोषाध्यक्ष श्रेयांश कुमार, पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शुभम केसरी सहित अन्य मौजूद थे।

जन समस्याओं को लेकर प्रदर्शन की तैयारी, ग्रामीणों ने बैठक में लिया निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड क्षेत्र के नया टोला परसंडो में सोमवार को विभिन्न जन समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी मुंगेर के समक्ष प्रस्तावित विशाल प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया गया। बैठक का नेतृत्व एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के कामरेड भुवनेश्वर साथी और कामरेड शेखर कुमार ने किया। बैठक में ग्रामीणों ने सठबिगघी बाढ़ प्रभावित गांव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई। साथ ही परसंडो-बनबरसा में गरीब परिवारों को पर्चा निर्गत होने के बावजूद जमीन पर भू-माफियाओं के कथित कब्जे से मुक्त कराने की मांग को प्रमुखता से रखा गया। ग्रामीणों ने अग्रहण पंचायत के मदनपुर और शामपुर में नाला निर्माण कराने की भी मांग की। बैठक में नेताओं और ग्रामीणों ने जमुई, बांका, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर में छात्राओं एवं महिलाओं के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के मामलों को लेकर भी आक्रोश जताया। इन मुद्दों को लेकर जिलाधिकारी के समक्ष आयोजित विशाल प्रदर्शन में शामिल होकर समस्याओं के समाधान की मांग उठाने पर सहमति बनी। बैठक में सदानंद मंडल, प्रसादी तांती, रतन तांती, उमेश रजक, अर्जुन रजक, कंपनी तांती, रंजीत मंडल, सोनू कुमार, दुर्गी तांती और पंकज यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) की ओर से जारी प्रेस नोट में कहा गया कि जन समस्याओं के समाधान के लिए ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

10 खिलाड़ियों ने जीते पदक, मंटू व नेहा ने हासिल किया स्वर्ण

सिवान। मैरवा प्रखंड के पचलखी में आयोजित राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में संघर्ष फिजिकल एकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक अपने नाम किए। इसमें मंटू कुमार और नेहा कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर एकेडमी का नाम रोशन किया। कोच प्रिंस सर एवं ट्रेनर राहुल सर के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने विभिन्न एथलेटिक्स स्पधाओं में बेहतर प्रदर्शन किया। मंटू कुमार, पिता सुभाष साह, ने 1600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं नेहा कुमारी ने 4.5 फीट हाई जंप में स्वर्ण पदक जीता। सत्यम कुमार ने 5.8 फीट हाई जंप में कांस्य, पुष्पांजलि कुमारी ने 800 मीटर दौड़ में रजत, प्रियंका कुमारी ने 4.2 फीट हाई जंप में रजत, छोटू कुमार ने 1600 मीटर दौड़ में रजत, अभिमन्यु कुमार ने 1600 मीटर दौड़ में रजत तथा रंजित कुमार ने 800 मीटर दौड़ में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा अंशु कुमारी ने 800 मीटर दौड़ और मोहित कुमार ने लॉन्ग जंप में कांस्य पदक जीता। खिलाड़ियों की सफलता पर कोच प्रिंस सर एवं ट्रेनर राहुल सर ने सभी विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। एकेडमी का उद्देश्य ग्रामीण एवं स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण देकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। खिलाड़ियों की उपलब्धि पर अभिभावकों एवं खेलप्रेमियों ने भी खुशी जताई।

श्रीमतपुर पंचायत में लगा सहयोग शिविर, 209 आवेदनों में 198 का मौके पर निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत श्रीमतपुर पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्वजीत कुमार तिवारी के नेतृत्व में विभागीय निदेर्शानुसार सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया राबिया इमाम ने की। शिविर में आए हुए अतिथियों को मुखिया राबिया इमाम एवं पूर्व मुखिया महफूज आलम उर्फ खुर्शीद आलम ने बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सहयोग शिविर में कुल 209 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 198 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया, जबकि 11 आवेदन लंबित रहे। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला भू-अर्जन पदाधिकारी पंकज कुमार गुप्ता एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी वसीम राजा ने लाभुकों के बीच स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस शिविर में प्रखंड स्तरीय 22 विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रमोद मिस्त्री, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मोनिका कुमारी, राजस्व अधिकारी, प्रखंड समन्वयक पूजा कुमारी एवं पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

हरी सिंह महाविद्यालय में क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का सफल आयोजन, महिला वर्ग में एच एस कॉलेज और पुरुष वर्ग में जेएमएस कॉलेज रहा विजेता

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर।। हरि सिंह महाविद्यालय, हवेली खड़गपुर में विश्वविद्यालय स्तर की क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के महिला वर्ग में हरी सिंह महाविद्यालय तथा पुरुष वर्ग में जेएमएस कॉलेज ने विजेता का खिताब हासिल किया। महिला वर्ग में हरी सिंह महाविद्यालय की लक्ष्मी कुमारी ने प्रथम तथा प्रेमलता कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि आर.एस. कॉलेज की सोनम कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में जेएमएस कॉलेज के शुधांशु कुमार प्रथम, आर.डी. कॉलेज, शेखपुरा के कृष्ण कुमार द्वितीय तथा आर.एस. कॉलेज के सोनू कुमार तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में मुंगेर विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स सेक्रेटरी डॉ. संजय मांझी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में एनएसएस के समन्वयक एवं एनसीसी इकाई की पूर्ण सहभागिता रही। एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियंवदा शर्मा के कुशल नेतृत्व में एनसीसी कैडेट प्रतियोगिता की तैयारियों में एक दिन पूर्व से ही सक्रिय रूप से जुटे रहे। कैडेटों ने आयोजन व्यवस्था, प्रतिभागियों के मार्गदर्शन एवं अन्य व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम के संचालन एवं आयोजन में डीएवी के खेल शिक्षक निर्मल प्रेमार तथा छात्र-छात्राओं का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने भी प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ निर्धारित दूरी की दौड़ पूरी की। आयोजन के अंत में विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। महाविद्यालय प्रशासन ने सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ उन्हें विश्वविद्यालय एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं।

सिर्फ 175 रुपये में पशुधन का एक वर्ष का बीमा, 50 हजार रुपये तक का मिलेगा सुरक्षा कवच

हवेली खड़गपुर/टेटिया बंबर(मुंगेर)।। पशुपालकों को पशुओं की आकस्मिक मृत्यु से होने वाली आर्थिक क्षति से बचाने के लिए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत पशुधन बीमा योजना 2026-27 शुरू की गई है। योजना के तहत पशुपालक मात्र 175 रुपये के प्रीमियम पर अपने पशुधन का एक वर्ष के लिए बीमा करा सकते हैं। बीमा के तहत पशु की बीमित राशि अधिकतम 50 हजार रुपये निर्धारित की गई है। योजना का उद्देश्य पशुपालकों को पशुओं की आकस्मिक मृत्यु से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करना है, ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार पर आर्थिक बोझ कम हो सके। योजना के तहत लाभार्थी को कुल प्रीमियम का केवल 15 प्रतिशत अंश ही वहन करना होगा, जबकि शेष राशि योजना के प्रावधानों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी। जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में 2 हजार पशुओं का बीमा कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशुधन बीमा का जिम्मा आईसीसीआई लोमबोड बीमा कंपनी को दिया गया है। पशुपालक अपने नजदीकी सरकारी पशु चिकित्सालय अथवा जिला पशुपालन कार्यालय से संपर्क कर योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने पशुओं का बीमा करा सकते हैं। टेटिया बंबर प्रखंड के प्राथमिक पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार ने पशुपालकों से अपील की है कि वे योजना का लाभ उठाकर अपने पशुधन का बीमा कराएं। उन्होंने कहा कि पशुधन किसानों की महत्वपूर्ण आर्थिक संपत्ति है। ऐसे में आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में होने वाले आर्थिक नुकसान से बचने के लिए बीमा कराना बेहद उपयोगी है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में बाढ़ के पानी में पैदल चल रहे 6 युवक सैलाब में डूबे, पांच को बचाया गया

लखनऊ, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लासा गांव में मंगलवार की सुबह एक

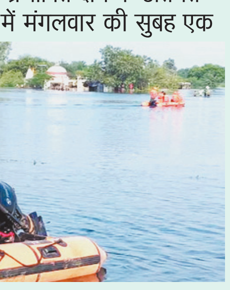

बड़ा हादसा हो गया। सुबह के समय नाव की सुविधा न होने के ण करीब 6 युवक पैदल ही रास्ता पार कर रहे थे। इसी दौरान वे गहरे पानी की चपेट में आकर सैलाब में डूबने लगे। पानी में बहते लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़कर 5 को तो सुरक्षित बचा लिया, लेकिन 18 वर्षीय विमल तेज बहाव में बह गया और अभी तक लापता है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और पीड़ित परिवारों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनडीआरएफ की टीम बोट की मदद से जलभराव वाले इलाके में लापता युवक की तलाश में जुटी हुई है।

3 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण इलाकों में आचार संहिता लागू हो चुकी है। इसके साथ ही तबादलों पर रोक लग गई है। मंत्री सरकारी गाड़ी से अपने क्षेत्रों में नहीं जा सकेंगे और सरकारी गेस्ट हाउस या डाक बंगले में भी नहीं ठहर सकेंगे।

राजस्थान पंचायत चुनाव की तारीखें बदलीं, धनतेरस पर नहीं होगी वोटिंग

जयपुर, एजेंसी। तीसरे चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए 3 नवंबर को मतदान होगा। इसके दो दिन बाद यानी 5 नवंबर को पंच और सरपंच के लिए वोटिंग होगी। पहले इस चरण की वोटिंग 4 और 6 नवंबर को प्रस्तावित थी। 6 नवंबर को धनतेरस होने के कारण आयोग ने कार्यक्रम में बदलाव किया है। पहले चरण का चुनाव भी अब निर्धारित तारीख से एक दिन पहले होगा। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के लिए 22 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे, जबकि पंच और सरपंच के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा। इसी तरह दूसरे चरण में 28 अक्टूबर को जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य तथा 30 अक्टूबर को पंच और सरपंच के लिए वोटिंग होगी। यानी पहले तीनों चरणों में जिला परिषद-पंचायत समिति और पंच-सरपंच के चुनाव के बीच दो दिन का अंतर रहेगा।

सरपंच का रिजल्ट उसी दिन देर रात- पंचायत चुनाव में सरपंच पद के लिए वोटिंग के बाद मतदाताओं को नतीजों के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरपंच चुनाव का परिणाम मतदान वाले दिन ही देर रात तक घोषित किया जाएगा। वहीं जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

जिला परिषद और पंचायत समिति के लिए ये तारीखें- जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में होंगे। पहले चरण में 23 अक्टूबर, दूसरे चरण में 29 अक्टूबर, तीसरे चरण में 4 नवंबर और चौथे चरण में 14 नवंबर को मतदान होगा। इनके परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे पंचायतीराज चुनाव प्रक्रिया नवंबर के अंत तक चलेगी। 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधान का चुनाव होगा। वहीं 26 नवंबर को उपजिला प्रमुख और 28 नवंबर को उपप्रधान का चुनाव कराया जाएगा हालांकि कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली में जिला प्रमुख और प्रधान का चुनाव बाद में होगा। इन जिलों में मौजूदा जिला प्रमुख और प्रधान का कार्यकाल दिसंबर 2026 में पूरा होगा। इन जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव अन्य जिलों के साथ ही होंगे राजस्थान के 37 जिलों में पंचायतीराज चुनाव की प्रक्रिया करीब 50 दिन तक चलेगी। अलग-अलग चुनाव कार्यक्रम 8 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चलेंगे। जयपुर में सबसे ज्यादा चार चरणों में चुनाव होंगे। जैसलमेर, फलोदी और सलूंबर में एक चरण में मतदान होगा। झुंझुनूं, करौली, सीकर, बांसवाड़ा, बीकानेर, जालोर और उदयपुर में तीन चरण तथा 30 जिलों में दो चरणों में चुनाव होंगे। इन पंचायत चुनावों में करीब 1.69 लाख पंचायतीराज जनप्रतिनिधियों का चुनाव होगा।

एनजीटी में सरकार का बड़ा तर्क; 2025 की बाढ़ का दिया हवाला

पंजाब में डी-सिल्टिंग रोकी तो आएगी तबाही

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में कहा है कि बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने तथा भविष्य की आपदाओं से बचाव के लिए की जाने वाली वास्तविक डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) और ड्रेजिंग को केवल इसलिए व्यावसायिक खनन नहीं माना जा सकता। दरअसल निकाली गई सामग्री का आर्थिक मूल्य हो सकता है। राज्य सरकार ने यह पक्ष पंजाब में डी सिल्टिंग पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग से संबंधित आवेदन की सुनवाई के दौरान रखा। सरकार ने कहा कि डी-सिल्टिंग पर ब्लैंकेट रोक लगाने से उसके कई जरूरी वैधानिक कार्य प्रभावित होंगे। इनमें बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की क्षमता बहाल करना, तटबंधों की सुरक्षा तथा भविष्य में बाढ़ से होने वाली आपदाओं की रोकथाम शामिल है। पंजाब ने एनजीटी के समक्ष स्पष्ट किया कि रखरखाव, पुनर्बहाली और आपदा प्रबंधन के लिए की जाने वाली डी-सिल्टिंग और ड्रेजिंग को खनिजों के व्यावसायिक दोहन और बिक्री के लिए किए जाने वाले खनन से अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि, राज्य सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पर्यावरणीय

प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के परिशिष्ट-III के आइटम-7 में बाढ़ प्रबंधन के लिए ड्रेजिंग और डी-सिल्टिंग को दी गई छूट का इस्तेमाल व्यावसायिक खनन को छिपाने के लिए नहीं किया जा सकता। सरकार ने कहा कि उसका इरादा ऐसी किसी गतिविधि को अनुमति देने का नहीं है, जो वास्तविकता और प्रभाव में व्यावसायिक खनन हो, लेकिन उसे डी-सिल्टिंग के नाम पर कराया जाए।

पंजाब सरकार ने अपने पक्ष में वर्ष 2025 में आई अभूतपूर्व बाढ़ का हवाला दिया। सरकार के अनुसार, 2025 के मानसून में पंजाब में 622.1 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत अधिक थी। इस दौरान सतलुज, ब्यास, रावी और घग्गर नदी तंत्र में भी असाधारण रूप से अधिक पानी आया। बाढ़ के कारण नदी चैनलों, ड्रेनों, तटबंधों और बाढ़ प्रबंधन से जुड़े अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचा। राज्य ने यह भी बताया कि 16 सितंबर 2025 के केंद्रीय गृह मंत्रालय के पत्र में केंद्रीय अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा स्थिति का आकलन किए जाने का उल्लेख था। टीम ने व्यावहारिक तौर पर स्थिति को 'गंभीर प्रकृति की आपदा' माना था। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने नदियों, ड्रेनों और अन्य जलमार्गों की जलप्रवाह क्षमता को बहाल करने और बनाए रखने के लिए निवारक तथा सुधारात्मक कार्य शुरू किए। साथ ही बाढ़ प्रबंधन से जुड़े ढांचों को मजबूत करने के काम भी किए गए। राज्य ने कहा कि ये कार्य उसकी वैधानिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं और पंजाब कैनाल एंड ड्रेनेज एक्ट, 2023 की धारा 38 के तहत भी ऐसे कार्य किए जाते हैं। पंजाब ने एनजीटी के अंतरिम निर्देश का भी उल्लेख किया, जिसमें सरकारी एजेंसियों या अन्य माध्यमों से मेंटेनेंस, अपकीप और डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए डी-सिल्टिंग की अनुमति दी गई है।

इसकी शर्त यह है कि इसका इस्तेमाल व्यावसायिक रेत खनन के लिए नहीं होना चाहिए।

पति को छोड़ने के बदले किया यौन शोषण, दोषी की पत्नी के आरोप के बाद जेल डीआईजी गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के कारागार और सुधार सेवा विभाग के डीआईजी सोमशेखर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमशेखर पर आरोप है कि बेंगलुरु सेंट्रल जेल के चीफ सुपरिंटेंडेंट रहते हुए एक कैदी को रिहा कराने के बदले उसकी पत्नी का यौन शोषण किया था। यह पूरा मामला साल 2018 का है, जब चिकपेट थाने से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी शंकर ए. को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बेंगलुरु सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। बाद में जांच में खुलासा हुआ कि वह आदेश पूरी तरह फर्जी था। जांच के दौरान बात सामने आई कि जेल के एक कर्मचारी श्रीकांत एस. ने सुप्रीम कोर्ट का फर्जी आदेश तैयार किया था।

कैदी की पत्नी ने लगाया यौन शोषण का आरोप

फर्जी रिहाई की जांच के दौरान पुलिस ने जब कैदी शंकर की पत्नी से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि तत्कालीन चीफ सुपरिंटेंडेंट सोमशेखर ने उसके पति को जेल से छुड़ाने के नाम पर उसका यौन शोषण किया था। इसके बाद मामले में भ्रष्टाचार के साथ-साथ गंभीर आपराधिक आरोप भी जुड़ गए।

परप्पना अग्रहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमशेखर को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और जरूरी जानकारियां छुपा रहे थे। कोर्ट में पेशी के बाद अदालत ने उन्हें आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। कैदी शंकर को साल 2004 में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में उच्च अदालतों ने भी बरकरार रखा था। पुलिस अब इस बात की विस्तृत जांच कर रही है कि फर्जी आदेश बनाने में और कौन-कौन शामिल था तथा अधिकारी की इसमें कितनी भूमिका रही है।

नए सचिवालय प्रस्ताव को चुनौती देने वाली पीआईएल खारिज, मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में नया सचिवालय भवन बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ दायर जनहित याचिका को मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया। याचिका में तमिलनाडु सरकार को फोरशोर एस्टेट में नया सचिवालय बनाने का प्रस्ताव छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

मुख्य न्यायाधीश एस.ए. धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की पीठ के समक्ष अधिवक्ता आरएस. तमिलवेंदन की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में दावा किया गया था कि करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से सचिवालय बनाने से सरकारी धन की बर्बादी होगी और क्षेत्र के मछुआरों के हित प्रभावित होंगे।

इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा, आपको पता होना चाहिए कि जनहित याचिका का क्या अर्थ है। कम से कम आपको कुछ होमवर्क और रिसर्च तो करना चाहिए। अदालत के पास ऐसा कौन-सा अधिकार है, जिसके तहत वह सरकार को किसी खास जगह पर भवन बनाने से रोक सकती है?

अदालत द्वारा भारी जुर्माना लगाने की बात कहे जाने पर याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया, जिसके बाद इसे वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया गया।

फॉर्म 7 की आपत्तियों पर अभी तक किसी का नाम नहीं हटाया गया, कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने दी जानकारी

फॉर्म 7 के जरिए नहीं हटा कोई नाम

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू के दौरान भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगा कि उन्होंने बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से हजारों नाम हटवाने की कोशिश की है।

बीजेपी और कार्यकर्ताओं पर लगे इन आरोपों के बीच राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने सोमवार को कहा कि फॉर्म 7 के जरिए एक भी नाम नहीं हटाया गया है।

फॉर्म 7 का इस्तेमाल तब होता है, जब वोटर लिस्ट में किसी नाम को शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई जाती है या उसे हटाने की मांग की जाती है।

कर्नाटक में 16 जून से 4 अक्टूबर के बीच ऐसी 91,278 अर्जियां मिलीं। 23 सितंबर तक, जब दावे और आपत्तियों का चरण खत्म हुआ था, तब तक यह संख्या 58,220 थी। इनमें से कोई भी नाम शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति नहीं थी।

मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने कहा कि इन पर 22 अक्टूबर से पहले कार्रवाई की जाएगी और आखिरी सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। अंबुकुमार ने करीब छह घंटे की बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में आई अर्जियों का लिखित रूप में संज्ञान लिया है और गलत बयानों की जांच के आदेश दिए हैं। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि उन्हें 7-10 दिन पहले ही बड़ी संख्या में अर्जियां दाखिल होने के बारे में पता चला था। इस पर उन्होंने अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए कहा था।

चुनाव पंजीकरण अधिकारी की ओर से कोई FIR दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा, 'सात दिन का नोटिस पीरियड अभी बाकी है।' अब तक जो FIR दर्ज की गई हैं, वे निजी व्यक्तियों द्वारा क्षेत्र के तहत दर्ज कराई गई है और मामला अदालत में विचाराधीन है। मुख्य चुनाव अधिकारी कुमार ने कहा कि चल रही SIR प्रक्रिया के दौरान सुनवाई के लिए मतदाताओं को इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास जाने की जरूरत नहीं है, जब तक कि ऑफिसर को उनकी मौजूदगी जरूरी न लगे।

फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथ: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार फ्लाईदुबई घटना को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि 30 सितंबर की 30 सितंबर की फ्लाईदुबई घटना के लिए ईरान जिम्मेदार था। बता दें कि जिसमें भारतीय पायलट स्मित मच्छार को ओमान के को-पायलट हमम अल-हम्मी ने चाकू मार दिया था। ट्रंप की ये टिप्पणियां तब आईं जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को अलास्का जाते समय पत्रकारों से कहा कि इस घटना को ईरान से जोड़ने वाली कोई पक्की बात नहीं है। घटना की जांच कर रहे यूएई के अधिकारियों ने अभी तक हमले के पीछे कौन था। इस पर कोई पक्का नतीजा नहीं बताया है क्योंकि जांच अभी जारी है। सऊदी अरब के अधिकारियों द्वारा शुरुआती पूछताछ के बाद अल-हम्मी को यूएई को सौंप दिया गया है। सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।' हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से इस बारे में पूछा, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रैटक्लिफ और कुछ इंटेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं।

अमेरिका में 40 लोगों की छिनेगी नागरिकता, एक भारतीय पर भी गिरेगी गाज

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया शुरू की है, जिसके तहत उसने भारतीय मूल के एक व्यक्ति समेत 40 लोगों की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने के लिए विभिन्न अदालतों में कार्रवाई शुरू की है। न्याय विभाग ने यह जानकारी दी। इन 40 लोगों के खिलाफ अमेरिका की कई अदालतों में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उन पर विदेशी सरकार के एजेंट के रूप में काम करने, गैर इरादतन हत्या और एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ गंभीर यौन अपराध समेत कई गंभीर अपराधों के आरोप हैं। कैलिफोर्निया के बलविंदर सिंह के खिलाफ राज्य की ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। उस पर फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर अमेरिका में प्रवेश पाने और अमेरिकी नागरिकता हासिल करने का आरोप है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने सोमवार को कहा, +आज की घोषणा आधुनिक इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया की शुरुआत है। आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत अगर किसी व्यक्ति ने प्राकृतिक रूप से मिली अमेरिकी नागरिकता गैरकानूनी तरीके से हासिल की हो या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाकर अथवा जानबूझकर गलत जानकारी देकर हासिल की हो, तो उसकी नागरिकता रद्द की जा सकती है। न्याय विभाग के सिविल डिवीजन के सहायक अटॉर्नी जनरल ब्रेट ए. शूमेट ने कहा, इन सभी लोगों ने अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए झूठ का सहारा लिया। शूमेट ने कहा, यह प्रशासन विभाग के इतिहास में नागरिकता रद्द करने की सबसे बड़ी प्रक्रिया को आगे भी जारी रखेगा, ताकि अमेरिकी नागरिकता में विश्वास और उसकी विश्वसनीयता बहाल की जा सके। हमारा संदेश स्पष्ट है - अमेरिकी नागरिकता हासिल करने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं करेगा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, सिंह ने 1992 में बलविंदर सिंह के नाम और पहचान से आव्रजन के लिए आवेदन दिया था। वर्ष 2003 में उसने दूसरी पहचान के तहत स्थायी निवासी का दर्जा हासिल करने के लिए आवेदन किया और उसे यह दर्जा मिल गया। न्याय विभाग ने कहा, उंगलियों के निशान से यह साबित होता है कि सिंह ने दोनों आवेदन जमा किए थे। वर्ष 2009 में सिंह ने अपनी दूसरी पहचान के तहत अमेरिकी नागरिकता हासिल की। शिकायत में उसके द्वारा गलत जानकारी देने और गैरकानूनी गतिविधियों से जुड़े सात आरोप लगाए गए हैं। विभाग ने बताया कि वह चीन में जन्मे अमेरिकी नौसेना के पूर्व नाविक जिंचाओ वेई की नागरिकता रद्द करने की भी मांग कर रहा है। वेई को जासूसी से जुड़े अपराधों में दोषी ठहराया जा चुका है। अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुआ था और फरवरी 2022 तक उसने चीन को सैन्य गोपनीय जानकारी बेचने की साजिश शुरू कर दी थी। उसने मई 2022 में अमेरिकी नागरिकता हासिल की थी। वेई को अगस्त 2025 में जासूसी करने की साजिश, जासूसी और रक्षा सामग्री से संबंधित तकनीकी आंकड़ों के अवैध निर्यात के अपराधों में दोषी ठहराया गया था। उसे 200 महीने की जेल की सजा सुनाई गई और नौसेना से बर्खास्त कर दिया गया। जिन लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तान, मेक्सिको, कंबोडिया, नेपाल और अफगानिस्तान के लोग भी शामिल हैं।

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने की कोशिश में 'दुश्मन देश'

वाशिंगटन, एजेंसी। 'परमाणु शक्ति'। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टर्स को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ है उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन्स में लैंडर और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इंसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं।

मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इंसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की

अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की रोसाटोम ने परमाणु संयंत्रों को चांद पर पहुंचाने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। रूस और चीन की तरफ से फिलहाल इससे जुड़ी टाइमलाइन 2036 तक की रखी गई है। हालांकि, इस चुनौती के मद्देनजर अमेरिका ने भी परमाणु संयंत्र को चांद पर पहुंचाने का प्रोजेक्ट 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे एक डर यह है कि रूस और चीन अगर चंद्रमा पर अपना रिएक्टर पहले स्थापित कर लेते हैं तो वे इसके एक क्षेत्र को डी फैक्टो नो-गो जोन (एक्सक्लूसिव) यानी अपना इलाका बनाकर उसमें एंट्री बंद न कर दें। 1950 के दौर की तरह ही अंतरिक्ष में सर्वोच्चता हासिल करना अमेरिका के लिए नाक का सवाल बन गया है, जबकि चीन-रूस के लिए यह अमेरिका को पछाड़ने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा मामला बन गया है। चंद्रमा पर परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की होड़ में दोनों प्रमुख धड़े- अमेरिका बनाम रूस-चीन गठबंधन की तैयारियां, समयसीमा और प्रगति तेज हो गई है। - नासा दिसंबर 2028 तक परमाणु ऊर्जा के जरिए अंतरिक्ष यान को मंगल ग्रह की ओर भेजने की योजना भी बना रहा है। नासा ने अपने कॉन्ट्रैक्टर्स से एक ऐसे परमाणु रिएक्टर का निर्माण करने को कहा है जो अंतरिक्ष यात्रा की परिस्थितियों को झेल सके और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बिना किसी इंसानी रख-रखाव के चल सके। नासा ने इस 'लूनर रिएक्टर-1' को दिसंबर 2030 तक लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अमेरिका का यह रिएक्टर लगभग 20 किलोवाट बिजली पैदा करने और पांच वर्षों तक बिना इंसानी दखल के चलने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके अलावा, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन भी अंतरिक्ष रिएक्टरों के लिए 'एंटारेस' जैसी निजी कंपनियों को योजना में शामिल कर रहा है। अमेरिका ने सुरक्षित परमाणु ईंधन हाई-एसे लो-एनरिच्ड यूरेनियम की भारी कमी है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध के चलते 2024 में उसने रूसी यूरेनियम का आयात रोक दिया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्र इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एल.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496